
विविध दर्पण
स्वतंत्र मत
दीपावली: एकता, खुशियों और संस्कारों का महापर्व
घर की रसोई में छिपे हैं आयुर्वेदिक के खजाने
संस्कृति और मानव जीवन
स्वच्छता का रखरव, मेहनत, अनुशासन और आत्मनिरीक्षण
बच्चों की प्रथम पाठशाला, घर और माता-पिता के संस्कार

जबलपुर शनिवार 7 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी

वर्ष 32 अंक 130 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण
» 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 15.5 °C
सूर्योदय - 6.19 | सूर्यास्त - 5.29

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।


स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिल रहा... » 4


दो नेशनल अवार्ड जीतने वाले अभिनेता... » 7


पीएम मोदी से परिवार सहित मिले सूर्यकुमार ... » 10

सीबीएसईः 10वीं-12वीं बोर्ड की डेटशीट जारी

16 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

नई दिल्ली (वार्ता)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2027 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। सीबीएसई की ओर से शुक्रवार को बताया गया कि दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जायेगी। बोर्ड ने परीक्षा शुरू होने से 101 दिन पहले ही कार्यक्रम जारी कर दिया है, ताकि विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल के। उन्होंने कहा कि इस बार कक्षा 10वीं में 83 विषयों और कक्षा 12वीं में 121 विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। कक्षा 12वीं के 19.8 लाख से अधिक और कक्षा 10वीं के 26.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है। बोर्ड ने बताया कि स्कूलों की ओर से परीक्षार्थियों की सूची (एलओसी) समय पर जमा किए जाने के



कारण इस बार डेटशीट पहले जारी करना संभव हो सका है। बोर्ड ने डेटशीट तैयार करते समय विद्यार्थियों के विषय संयोजनों और परीक्षा कार्यक्रम से जुड़ी विभिन्न जरूरतों का ध्यान रखा है। आमतौर पर एक साथ चुने जाने वाले विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतर रखा गया है। इसके अलावा 40 हजार से अधिक विषय संयोजनों का विश्लेषण किया गया, ताकि किसी विद्यार्थी के दो विषयों की परीक्षा एक ही दिन न पड़े। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं के संभावित कार्यक्रम को भी ध्यान में रखा गया है, जिससे बोर्ड परीक्षाएं उनके आयोजन से काफी पहले पूरी हो सकें। सीबीएसई के मुताबिक, डेटशीट तैयार करते समय परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन परीक्षार्थियों की संख्या और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों की उपलब्धता का भी ध्यान रखा गया है। बोर्ड का मानना है कि पहले डेटशीट जारी होने से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई और दोहराव की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी तथा परीक्षा को लेकर तनाव भी कम होगा। वहीं, स्कूलों को परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों की लंबे समय तक अनुपस्थिति से अन्य कक्षाओं की पढ़ाई भी कम प्रभावित होगी। अभिभावक और शिक्षक भी गर्मी की छुट्टियों की योजना परीक्षा कार्यक्रम के अनुरूप बना सकेंगे। बोर्ड ने बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं की विस्तृत डेटशीट सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

30 लाख दीयों की रोशनी से नहाएगा सरयू घाट

राम मंदिर में होंगे विशेष आयोजन

अयोध्या

रामनगरी दसवें दीपोत्सव पर एक और विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए तैयार है। राम की पैड़ी सहित सरयू तट के 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक दीये सजाए जा चुके हैं। अवध विश्वविद्यालय के 35 हजार स्वयंसेवकों ने तीन दिन की मेहनत के बाद शुक्रवार को दीप सज्जा का काम पूरा कर लिया। शाम को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के दीप प्रज्वलन के बाद सभी घाटों पर एक साथ दीप जलाए जाएंगे। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि शनिवार सुबह से स्वयंसेवक दीयों में तेल और बाती डालेंगे। इसके लिए 900



घाट समन्यवयक, 112 घाट प्रभारी और 27 प्रवेक्षकों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। प्रत्येक टीम को अपने क्षेत्र का काम निर्धारित समय में पूरा करना होगा। दीप सज्जा पूरी होने के बाद कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य को निर्धारित समय में पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। स्वयंसेवकों ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से इसे संभव बनाया है।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को एक और मौका : चुनाव आयोग

दिल्ली, महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के वोटर फिर नाम जुड़वा सकेंगे

नई दिल्ली (वार्ता)

चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित सात राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का एक और अवसर देने का निर्णय लिया है जिन्हें मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता गणना प्रपत्र जारी किए गए थे, लेकिन जिनके नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टि के रूप में चिह्नित किए जाने के कारण नयी सूची के प्रारूप में शामिल नहीं किए जा सके हैं। आयोग की ओर से इन राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को शुक्रवार को भेजे पत्र में इस सबंध में आवश्यक कार्रवाई करने और आयोग को यथा शीघ्र सूचित करने को कहा गया है।



एईआरओ को विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र प्रस्तुत कर सकेंगे

ऐसे सभी निर्वाचक अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान के क्षेत्राधिकार वाले संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ)/सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) को विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र (अनुलग्नक-ए) प्रस्तुत कर सकेंगे।

दोबारा गणना प्रपत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं

जिन निर्वाचकों ने एसआईआर के दौरान नए सिरे से नामांकन हेतु पहले ही फॉर्म-6जमा कर दिया है, उन्हें दोबारा गणना प्रपत्र एवं उसके साथ विवरण/घोषणा-पत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह सुनिश्चित करना है कि सभी संबंधित निर्वाचकों को इस अवसर की पर्याप्त जानकारी मिले और वे इसका लाभ उठा सकें।

बीएलओ संपर्क स्थापित करने का हर संभव प्रयास करेंगे

आयोग का निर्देश है कि बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), विभिन्न राजनीतिक दलों के संबंधित बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के समन्वय से ऐसे निर्वाचकों से संपर्क स्थापित करने का हर संभव प्रयास करेंगे। यदि संबंधित मतदाता ने अपना निवास स्थान परिवर्तित नहीं किया है।

बूथवार सूचियाँ को नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाए

आयोग के सचिव पवन दीवान द्वारा भेजे गये पत्र में कहा गया है, ऐसे सभी मतदाताओं की बूथवार सूचियाँ, जिन्हें एएसडीडी (अनुपस्थित/स्थानांतरित/मृत/दोहरी प्रविष्टि) के रूप में चिह्नित किया गया था तथा जिनके गणना प्रपत्र वापस प्राप्त नहीं हुए थे और परिणामस्वरूप जो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान प्रारूप निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं हो सके, उन्हें एक बार पुनः संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जहाँ से उनके नाम हटाए गए थे। इसके अतिरिक्त, इन सूचियों को पंचायत भवनों/शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा खंड विकास अधिकारियों/पंचायत अधिकारियों/शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों के कार्यालयों में भी प्रदर्शित किया जाएगा और मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर भी पठनीय पीडीएफ प्रारूप में अपलोड किया जाएगा। इनमें संबंधित मतदाताओं के नाम शामिल न किए जाने के संभावित कारणों का भी उल्लेख होगा, जैसा कि दिनांक 14.05.2026 के एसआईआर संबंधी आदेश के पैरा 2(ए) के अनुपालन में पूर्व में किया गया था।



योजनाओं का लाभ वोटर आईडी से जोड़ना लोकतंत्र और गरीबों के अधिकारों पर हमला : राहुल गांधी

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर योजनाओं का लाभ आधार कार्ड के बजाय मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) से जोड़ने की तैयारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के एक वीडियो को साझा करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार मतदाता सूची के जरिए गरीबों के अधिकारों को नियंत्रित करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश कर रही है। श्री गांधी ने कहा कि मतदाता सूची से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करोड़ों लोगों के नाम काटे जा रहे हैं और यदि इसे नहीं रोका गया तो भविष्य में और भी लोगों के नाम हटाए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य रूप से उन लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ आक्रोश है। श्री गांधी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा के साथ मिलीभगत और वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी मतदाता सूची बनाने की तैयारी है, जिसमें भाजपा का बहुमत सुनिश्चित रहे और भविष्य में उसी सूची के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ भी तय किया जाए। उन्होंने आशंका जताई कि आज पंचायती राज की योजनाओं का लाभ वोटर आईडी से जोड़ने की बात हो रही है, कल राशन, पेंशन, मनरेगा, आवास, छात्रवृत्ति और आरक्षण जैसी सुविधाओं पर भी इसका असर पड़ सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट देना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, कोई शर्त नहीं। किसी गरीब की पेंशन उसके वोटर कार्ड की गुलाम नहीं हो सकती।

दिल्ली के गफ्फार मार्केट में चारमंजिला इमारत में भीषण आग लगी

नई दिल्ली (वार्ता) दिल्ली के करोल बाग स्थित गफ्फार मार्केट की एक चार मंजिला इमारत में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गयी। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई रिपोर्टें नहीं है, हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकानों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया है। रात करीब 1:28 बजे चेन वाली गली में एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंची।

रेलवे का सीनियर सेक्शन इंजीनियर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में पश्चिम मध्य रेलवे, न्यू कटनी जंक्शन (कटनी, मध्य प्रदेश) के सीनियर सेक्शन इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। सीबीआई ने इस मामले में 5 नवंबर 2026 को प्राथमिकी दर्ज की थी।

त्योहारों के दौरान रेलवे ने की है 18 हजार विशेष ट्रेनों की व्यवस्था

नई दिल्ली (वार्ता)। रेलवे ने दिवाली और छठ सहित अन्य त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें सुगम तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाने के वास्ते व्यापक व्यवस्था की है जिसके लिए रेलवे ने 18 हजार विशेष ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है तथा सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दिवाली , छठ पूजा और अन्य के त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने तथा उनकी सुविधा के लिए की गयीं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों को हर वक्त निगरानी करने का निर्देश दिया।

सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

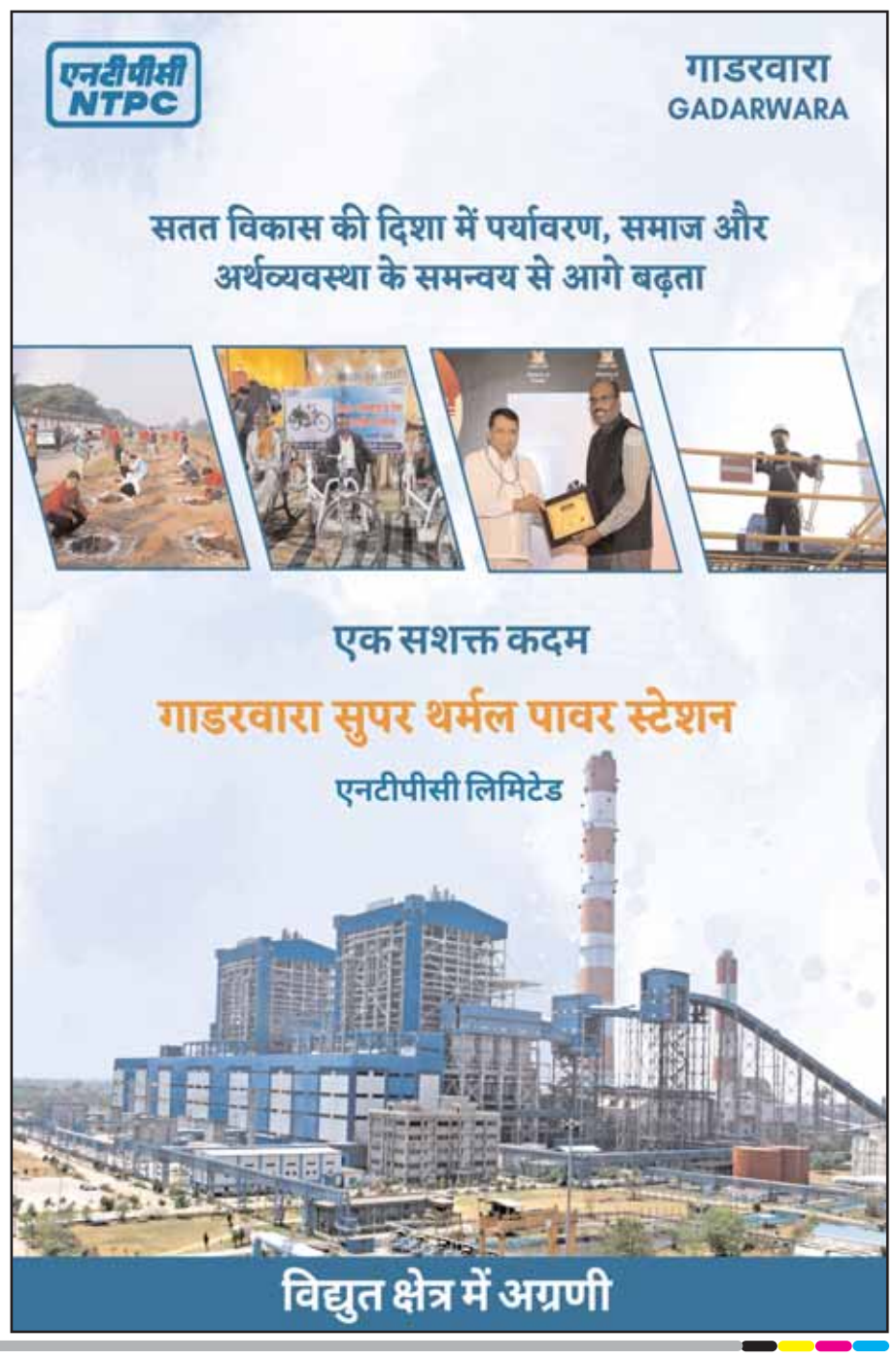


रांची (वार्ता)। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के कोशांबी कॉलोनी के पास कल रात भीषण सड़क हादसे में चार महिलाओं और तीन बच्चों समेत सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में गिर गया था। उसे बचाने के लिए आसपास के ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए। कुछ युवक झाड़ियों में फंसे स्कूटी सवार को निकालने की कोशिश कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े होकर घटनाक्रम देख रहे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा 18 चक्का ट्रेलर अनियंत्रित होकर वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक हुए हादसे में लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में स्थानीय निवासी बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी, बेटी अंजलि कुमारी और एक वर्षीय नाती सौरभ नायक की भी मौत हो गई।

बेंगलुरु में पत्नी-सास समेत ससुराल के 7 सदस्यों की हत्या



बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते एक कैब ड्राइवर ने अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में 7 साल का बच्चा भी शामिल है। आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। दोनों के बीच सुनीता के मायके जाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। सुनीता की मां और भाई भी उसका साथ देते थे। इसी बात से नाराज होकर शेखर ने पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश रची।



नेशनल कॉन्फ्रेंस ने नाराज विधायकों की ज्यादातर मांगें ठुकराई

25 एमएलए जम्मू-कश्मीर डिप्टी सीएम को हटाने की मांग पर अड़े

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 25 विधायकों की ज्यादातर मांगें मानने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के घर हुई बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। विधायकों ने डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी को पद से हटाने या उनसे सड़क एवं भवन निर्माण विभाग वापस लेने की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, डिप्टी सीएम से आर और बी विभाग वापस लिए जाने की संभावना है। हालांकि, उन्हें पद से हटाने पर सहमति नहीं बनी है। पार्टी नेतृत्व ने कैबिनेट में फेरबदल और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाने की मांग भी खारिज कर दी है। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी। नाराज विधायकों ने 30 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच 5 सीक्रेट बैठकें की थीं। इस दौरान विधायकों ने मांगों और पार्टी से बातचीत की रणनीति बनाई। देश में 5 साल में 3 बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों में टूट हो चुकी है। फारूक ने विधायकों के



साथ बैठक के बाद कहा- मैंने विधायकों की शिकायतें सुनी हैं, हम उन पर काम करेंगे। कुछ का समाधान तुरंत होगा, तो कुछ का धीरे-धीरे होगा। वहीं नाराज विधायकों के नेता नजीर गुरेजी ने कहा- हमने पार्टी लीडरशिप के सामने अपनी शिकायतें रखी हैं, उन पर जल्द ध्यान दिया जाएगा। हालांकि, पार्टी नेतृत्व से मुलाकात के बाद भी विधायकों की नाराजगी खत्म नहीं हुई। उन्होंने विधायक नजीर गुरेजी के घर बंद कमरे में एक और बैठक की।

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2:40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं। इसके बाद गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ने आगा का इस्तीफा मंजूर कर लिया। अब वो सांसद नहीं हैं। 27 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट विस्तार हुआ था। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के चार विधायक अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू मंत्री बनाए गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। इस विस्तार में कई वरिष्ठ विधायकों को मंत्री पद नहीं मिला। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल थे। बाद में फारूक अब्दुल्ला ने मुबारक गुल को अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया।

जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाया गया था बिजली का करंट, चपेट में आने से ग्रामीण की दर्दनाक मौत

एक आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार



शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम साखी में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए बिजली के तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। घटना बीती रात की बताई जा रही है। मृतक की पहचान सुरेश कुमार लोधी के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, वहीं इस मामले ने जंगली जानवरों के शिकार के लिए अपनाए जा रहे खतरनाक तरीकों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिकार के लिए बिछाया गया था करंट का जाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम साखी में कुछ लोगों द्वारा जंगली जानवरों का शिकार करने के उद्देश्य से खेत अथवा जंगल क्षेत्र में बिजली के तार बिछाकर उनमें करंट प्रवाहित किया गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ग्रामीण सुरेश कुमार लोधी वहां पहुंचे और बिजली के करंट की चपेट में आ गए। करंट इतना घातक था कि उनकी जान चली गई। शिकार के लिए बिछाए गए इस जानलेवा जाल ने एक ग्रामीण की जिंदगी छीन ली।

घटना के बाद पुलिस ने शुरू की कार्यवाही

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्यवाही शुरू की। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस की टीमें फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। मामले से जुड़े तथ्यों और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

शिकार के खतरनाक तरीके बन रहे जानलेवा

जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए बिजली के करंट का इस्तेमाल न केवल वन्यजीवों के लिए खतरनाक है, बल्कि इससे ग्रामीणों और मवेशियों की जान पर भी गंभीर खतरा बना रहता है। खेतों और जंगलों में इस तरह खुले तौर पर करंट प्रवाहित करने से कोई भी व्यक्ति अनजाने में इसकी चपेट में आ सकता है। ग्राम साखी की घटना इसी खतरे का दुखद उदाहरण बनकर सामने आई है। फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और फरार तीन आरोपियों की तलाश जारी है।

गर्भवती चीतल का करेंट से शिकार, पांच आरोपी गिरफ्तार



उमरिया (स्वतंत्रमत) - जिले के सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र चंदिया के हर्रवाह बीट के हर्रवाह गांव में जंगल से लगे खेत में करेंट लगाकर चीतल का शिकार किया है। गर्भवती चीतल के शिकार के उसका मांस पकाते पांच आरोपी गिरफ्तार किये गये है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। खेत मालिक की भी जानकारी जुटाई जा रही है। गुरुवार को आरोपियों में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हर्रवाह के पीएफ..41 के पास खेत पतली वाली जीआई तार लगाई गई थी। जिसमें फंस कर चीतल की मौत हुई है। परिक्षेत्र अधिकारी नीलेश द्विवेदी ने बताया कि पूछताछ की जा रही है। करेंट से चीतल की मौत हुई है।

पटाखों की बिक्री पर लगे रोक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। दीपावली के पावन पर्व पर धार्मिक आस्था एवं सनातन संस्कृति की मर्यादा बनाए रखने के उद्देश्य से हेमंत दुबे ने जिले के समस्त पटाखा व्यापारियों से हिंदू देवी-देवताओं के चित्रों वाले पटाखों का विक्रय नहीं की अपील की है। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से भी इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देने तथा नियमानुसार आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। दीपावली केवल दीप जलाने और आतिशबाजी करने का पर्व नहीं बल्कि हमारी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं एवं मर्यादाओं का प्रतीक है। यह पर्व भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन तथा अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। ऐसे पावन अवसर पर देवी-देवताओं के चित्रों का उपयोग पटाखों पर किया जाना उचित नहीं है क्योंकि पटाखे फोड़ने के बाद उनके अवशेष इधर-उधर बिखर जाते हैं और कई बार पैरों के नीचे भी आते हैं। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होने की आशंका रहती है ।

प्रस्फुटन शक्ति संचय प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मप्र जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार विकासखंड नारायणगंज में प्रस्फुटन शक्ति संचय अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति शक्ति संचय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें विकासखंड में गठित समस्त समितियों के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीयन उपरांत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा एवं जिला समन्वयक सुशील कुमार बर्मन का पुष्पगुच्छ व तिलक लगाकर स्वागत किया गया।



आदर्श कॉलेज युवा उत्सव संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, वाद विवाद, भाषण एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। कॉलेज के विद्यार्थियों में कला एवं संस्कृति के साथ देश की सांस्कृतिक विरासत को पहचानने का अवसर प्रदान के निहित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी, युवा उत्सव प्रभारी श्रीमती निशी कर्ण, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ राजीव तिवारी एवं सहप्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रेमसिंह हटीला के संयुक्त संयोजन में आयोजित किया गया। चित्रकला, पोस्टर, वाद विवाद, भाषण एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता सम्प न्नय होने के बाद अंतिम दिवस गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।दीपावली अवकाश उपरांत परिणाम घोषित किए जाएंगें। छात्र छात्राओं में राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के कार्यक्रमों के आयोजन में महाविद्यालय के समस्त विधा समितियों के सभी सदस्य शिक्षकों के साथ सभी प्राध्यामपकों , कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के साथ ही स्थानीय संगीत प्रशिक्षक सोहन का उत्साधहपूर्ण विशेष योगदान रहा।

करंट फैलाकर वन्यप्राणी का शिकार करने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार



शहडोल (स्वतंत्रमत)। वन्यप्राणियों के संरक्षण एवं अवैध शिकार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी एवं रात्रि गश्ती की जा रही है। दक्षिण शहडोल वनमंडल की रात्रि गश्ती टीम ने ग्राम धनगवां के भैरव टोला में विद्युत करंट फैलाकर जंगली सुअर का शिकार करने की कोशिश को नाकाम करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेन्द्र प्रताप सिंह (भारतीय वन सेवा) के निर्देशन तथा वनमंडलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे (भारतीय वन सेवा) एवं उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में 30 एवं 31 अक्टूबर की दरम्यानी रात वन विभाग का रात्रि गश्ती दल क्षेत्र में निगरानी कर रहा था। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धनगवां के भैरव टोला राजस्व क्षेत्र में भैरव टोला से कॉलोनी की ओर जाने वाली 11 केवी विद्युत लाइन से वन्यप्राणियों के शिकार के उद्देश्य से करंट फैलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही गश्ती दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान कतकू पिता हरीदीन बैगा, निवासी धनगवां को विद्युत लाइन से करंट फैलाकर जंगली सुअर का शिकार करने का प्रयास करते पाया गया। वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया तथा वन्यप्राणी के शिकार की कोशिश को विफल कर दिया। पकड़े गए आरोपी को 1 नवंबर को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के निर्देशानुसार मेडिकल परीक्षण के उपरांत उसे जिला जेल शहडोल भेज दिया गया

भैंसों को जंगल में चरने छोड़कर लौट रहे चरवाहे पर बाघ ने किया हमला, चरवाहे की हुई मौत

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)



बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अंतर्गत छतवा गांव के रहने वाले राजेंद्र यादव उम्र 60 वर्ष 4 नवम्बर को 2.00 बजे भैंस चराने घर से जंगल की ओर निकले 4.00 बजे जब वह जंगल में भैंस छोड़कर लौट रही थे तभी रास्ते में छिपकर बैठे बाघ द्वारा अचानक हमला कर दिया गया वह अपना बचाव भी नहीं कर पाया और इस हमले में मौके पर ही उनकी मौत हो गई शाम जब घर भैंस चरकर लौट आईं लेकिन राजेंद्र यादव नहीं लौटा तब घर वालों को अनहोनी की आशंका हुई और जंगल में खोजबीन शुरू की तब रात को 12.00 बजे उनकी बॉडी जंगल में मिली वन विभाग द्वारा जनहानि दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सिटी मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का यह एरिया उप मंडल उपवन मंडल ब्यौहारी के गोदवाल रेंज के पथरहटा बीट से लगा हुआ है गोदवाल रेंज के वन परिक्षेत्र अधिकारी रजनीश त्रिपाठी ने कहा कि जिस एरिया में यह घटना हुई है वहां टाइगर का मूवमेंट हमेशा रहता है इसलिए जंगल जाते समय लोगों को सतर्क रहना चाहिए और अकेले नहीं जाना चाहिए दो-तीन लोगों को साथ में मिलकर के जाना चाहिए ठंड का समय होने के कारण 4रू00 बजे से जानवरों का मूवमेंट शुरू हो जाता है इसलिए जंगल के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्कता पर रखना चाहिए यदि ग्रामीण सतर्कता बर्तेंगें तो जनहानि रोंकी की जा सकेगी।

रामलखन सिंह चौहान अक्खड़ बने वातायन के अध्यक्ष

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गत दिवस वरिष्ठ साहित्यकार शिवानंद पटेल के निवास झिरिया मोहल्ला में जिले के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था वातायन के कार्यकारणी बैठक में वरिष्ठ साहित्यकार रामलखन सिंह चौहान अक्खड़ को सर्व सहमति से अध्यक्ष चुना गया। जिले के वरिष्ठ साहित्यकारों, लेखकों की उपस्थिति वाले इस बैठक की अध्यक्षता वातायन के संरक्षक वरिष्ठ साहित्यकार शेख धीरज ने किया। ज्ञात हो कि वातायन अध्यक्ष का पद बघेली के ससक्त हस्ताक्षर, वरिष्ठ कवि, पूर्व अध्यक्ष स्व. जगदीश पयासी के दिवंगत होने से रिक्त था। कार्यकारणी बैठक में रामलखन सिंह चौहान अक्खड़ के साहित्यिक अवदान एवं सक्रियता के आधार पर वरिष्ठ कवि अनिल मिश्र द्वारा नाम प्रस्तावित किया गया और वे सर्व सहमति से निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए। पदभार सम्हालते हुए राम लखन सिंह चौहान ने वातायन के माध्यम से जिले में साहित्यिक गतिविधियों को गति देने की प्रतिबद्धता जाहिर किया। जिले के साहित्यकार शेख धीरज, शम्भू सोनी पागल अनिल मिश्र, डॉ. नियाज अंसारी, राजकुमार महोबिया, राकेश उरमलिया दादुर शिवानंद पटेल, सुदर्शन तिवारी,सतेन्द्र गौतम, मधु गौतम, संपत नामदेव, योगेश पांडेय एवं भूपेन्द्र त्रिपाठी ने उन्हें अध्यक्ष बनने की बधाई और शुभकामनाएं दी।



केशवाही पुलिस की बड़ी कार्यवाही 1.882 किलो गांजा और मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में चौकी केशवाही पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 1.882 किलोग्राम गांजा और मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुल 53 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 06 नवंबर को चौकी केशवाही पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से ग्राम मलया की ओर से ग्राम टेंघा जा रहा है। उसकी मोटरसाइकिल की डिग्गी में अवैध गांजा रखा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम कोटा-टेंघा तिराहा के पास घेराबंदी कर संदेही ब्रजराज सिंह कंवर पिता स्व. छोटू सिंह कंवर, उम्र 53 वर्ष, निवासी ग्राम टेंघा, बड़का टोला को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की डिग्गी से दो पैकेट में कुल 1.882 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 18 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा गांजा परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 एमयू 4349, जिसकी कीमत 35 हजार रुपये है, को भी जब्त किया गया। इस तरह पुलिस ने कुल 53 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर रामनरेश पनिका निवासी ग्राम मलया की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसके विरुद्ध पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस की इस कार्यवाही को क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।



जेके लक्ष्मी सीमेंट ने आयोजित किया ठेकेदार दिवाली मिलन समारोह

उमरिया (स्वतंत्रमत)। धनतेरस के पावन अवसर पर शुक्रवार 6 नवंबर को नगर के कृष्णा पैलेस में जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा ठेकेदार दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में ठेकेदार शामिल हुए। इस अवसर पर जेके लक्ष्मी सीमेंट की ओर से पहुंचे इंजीनियर आशीष गुप्ता ने उपस्थित ठेकेदारों को कंपनी के उत्पादों की गुणवत्ता एवं विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने जेके लक्ष्मी सीमेंट के प्रो और ग्रीन सीमेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए उनकी उपयोगिता और खूबियों से अवगत कराया।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के संयुक्त सहयोग से निःशुल्क हृदय रोग स्वास्थ्य शिविर आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के संयुक्त सहयोग से गुरुवार 5 नवम्बर को सगरा मंदिर रोड़ स्थित अक्षत मेडिकल स्टोर के बगल में निःशुल्क हृदय रोग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आम नागरिकों की स्वास्थ्य जांच करते हुए निःशुल्क ईसीजी, ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई तथा हृदय रोगों के प्रति जागरूक किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं समय रहते हृदय रोगों की पहचान कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर जूनियर रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष श्री मान सिंह जी डॉ. ब्रजेश शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता रामकृष्ण उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता राजाराम हरवानी सभापति अखिलेश त्रिपाठी फार्मासिस्ट संघ के जिलाध्यक्ष प्रिंस छगवानी, डॉ. श्रीकांत द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं आमजन उपस्थित रहे। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में इस प्रकार के शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।



50 हजार रुपये की चोरी का हुआ खुलासा, 03 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। थाना कोतवाली में फरियादी विकास कोल पिता दिनेश कोल निवासी शक्ति बहरा, थाना बेलगहना, जिला बिलासपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 03 नवम्बर को नागपुर से ट्रेन द्वारा शहडोल आने के बाद आगे जाने का साधन नहीं मिलने पर वह रेलवे स्टेशन के बाहर रुक गया था। इसी दौरान उसे दो व्यक्ति मिले, जो उसे शराब दुकान ले जाकर शराब खरीदवाने के बाद षड्यंत्रपूर्वक रेलवे कॉलोनी स्थित एक निर्जन खंडहर मकान में ले गए और शराब पिलाई। फरियादी के नशे में मदहोश हो जाने पर आरोपियों द्वारा उसकी जेब से आईफोन मोबाइल एवं नगदी रकम चोरी कर ली गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 50,000 रुपये थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध धारा बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश एवं पतासाजी की गई। विवेचना के दौरान, विकाश लोधी उर्फ पोलू पिता स्व. राम सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी रेलवे कॉलोनी, राज जायसवाल पिता सतीष जायसवाल उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम कुदरी थाना सोहागपुर एवं 3. सागर बर्मन पिता सुखराम बर्मन उम्र 25 वर्ष निवासी किरण टॉकीज के पास कोतवाली की संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर सघन पूछताछ की गई। पूछताछ एवं कार्यवाही के दौरान आरोपियों के कब्जे से चोरी गया आईफोन मोबाइल एवं नगदी रकम सहित कुल 50,000 रुपये की शत-प्रतिशत संपत्ति बरामद की गई। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 06 नवम्बर को न्यायालय में पेश किया गया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद धनपुरी जिला शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक/न.पा./लोकनिर्माण/2026-27/1599 धनपुरी दिनांक 05.11.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
	1560-DATE-30.10.2026 2026_UAD _546765_1	Capacity enhancement of the MRF (Material Recovery Facility) center in ward No. 09 to 10 TDP (Tons Per Day) capacity.Providing and fixing of various machinery, and construction of GI shed for sorting platform, dump zone and machinery installation	60 दिवस 77.03 लाख	10000/- एवं 58000/-	30.11.2026 5:30 PM

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद धनपुरी जिला शहडोल (म.प्र.)

दीपावलीः प्रकाश, खुशियों और संस्कारों का महापर्व

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ हर त्योहार अपने साथ खुशियाँ, उमंग और एक विशेष संदेश लेकर आता है। इन्हीं त्योहारों में दीपावली सबसे प्रमुख और लोकप्रिय पर्व है। इसे दीपों का त्योहार भी कहा जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है।

पौराणिक महत्व और परंपरा

दीपावली का संबंध भगवान श्री राम के जीवन से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि जब भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास पूरा करके और रावण का वध करके माता सीता तथा लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे, तब अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत में पूरे नगर को दीपों से सजाया था। तभी से दीपावली मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। इसके अलावा, इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है; जहाँ माता लक्ष्मी धन और समृद्धि की देवी हैं, वहीं भगवान गणेश बुद्धि और शुभ कार्यों के प्रतीक हैं।

दीपावली की तैयारियां और उल्लास

दीपावली का त्योहार आने से कई दिन पहले ही घरों और बाजारों में रौनक दिखाई देने लगती है। लोग अपने घरों और कार्यालयों की साफ-सफाई करते हैं। घरों को रंगोली, फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है। बच्चे नए कपड़े पहनते हैं और परिवार के



साथ त्योहार का आनंद लेते हैं। शाम के समय सभी मिलकर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं तथा दीये जलाते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

दीपावली हमें प्रेम, एकता, भाईचारे और सहयोग का संदेश देती है। इस अवसर पर लोग अपने मित्रों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों को मिठाइयाँ व उपहार देते हैं। यह त्योहार हमें सिखाता है कि हमें अपने मन से ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार को दूर करके प्रेम, दया और सद्भाव के दीप जलाने चाहिए।

पर्यावरण के अनुकूल दीपावली

आजकल दीपावली के अवसर पर पटाखों का अत्यधिक प्रयोग एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे वायु और ध्वनि प्रदूषण होता है। इसलिए हमें प्रदूषण रहित और सुरक्षित दीपावली मनानी चाहिए। मिट्टी के दीये जलाना, प्राकृतिक वस्तुओं से सजावट करना और स्थानीय कारीगरों का उत्साह बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है।

विद्यार्थियों के लिए विशेष संदेश

विद्यार्थियों के जीवन में दीपावली का विशेष महत्व है। यह त्योहार हमें अनुशासन, स्वच्छता और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। जिस प्रकार एक छोटा-सा दीया बड़े अंधकार को दूर कर सकता है, उसी प्रकार हमारा छोटा-सा अच्छा कार्य समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। हमें शिक्षा का दीप जलाकर अज्ञानता को दूर करना चाहिए।



मुकेश तिवारी

टीचर
हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर, जबलपुर।

घर की रसोई में छिपे हैं आयुर्वेदिक के खजाने

हमारा घर सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सेहत का पहला अस्पताल भी है। और इस अस्पताल का सबसे मुख्य विभाग है, हमारी रसोई। भारतीय रसोई में मौजूद मसाले सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि ये आयुर्वेद का खजाना हैं। एक आम गृहणी, जो पूरे परिवार के स्वास्थ्य की धुरी होती है, अगर इस रसोईघर के आयुर्वेद को समझ ले, तो छोटी-छोटी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास भागने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आइए जानते हैं कि हमारी रसोई में छिपा स्वास्थ्य का यह अनमोल खजाना हमारे किस काम आ सकता है-

हल्दी - प्राकृतिक एंटीबायोटिक

हल्दी के बिना भारतीय खाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आयुर्वेद में इसे हरिद्रा कहा जाता है, जो त्वचा, खून और सूजन से जुड़ी समस्याओं के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है।

उपयोग - चोट लगने, अंदरूनी दर्द होने या सर्दी-खांसी की स्थिति में रात को गुनगुने दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीना (जिसे गोल्डन मिल्क भी कहा जाता है) तुरंत राहत देता है। यह हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी मददगार है।

अदरक-सोंठ - पाचन तंत्र का मित्र

ताजा अदरक और इसका सूखा रूप यानी सोंठ, दोनों ही वात और कफदोष को शांत करने के लिए बेहतरीन माने जाते हैं।

उपयोग - भूख न लगने या अपच की समस्या में, भोजन करने से आधा घंटा पहले अदरक के एक छोटे टुकड़े पर सेंधा नमक लगाकर चबाना बेहद फायदेमंद है। सर्दी-खांसी में अदरक का रस और शहद लेने से कफ तुरंत साफ होता है।

जीरा, अजवाइन और हींग - पेट की समस्याओं का अचूक इलाज

गैस, अपच और पेट दर्द आम समस्याएँ हैं। इनसे राहत पाने के लिए



रसोई के ये तीन रत्न सबसे कारगर साबित होते हैं।

उपयोग - पेट में गैस या भारीपन महसूस होने पर आधा चम्मच अजवाइन में थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लें। बच्चों के पेट में दर्द होने पर हींग को थोड़े से पानी में घोलकर नाभि के आसपास लगाने से मिनटों में आराम मिलता है।

दालचीनी और लौंग - दांत और गले की सुरक्षा

मसालों की रानी दालचीनी और छोटी सी लौंग एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

उपयोग - अचानक दांत में दर्द होने पर प्रभावित जगह पर लौंग का तेल लगाना या लौंग दबाकर रखना दर्द खींच लेता है और तुरंत राहत देता है। गले की खराश और कफ में दालचीनी का छोटा सा टुकड़ा मुँह में रखकर चूसने से बहुत आराम मिलता है।

मेथी दाना - जोड़ों के दर्द और शुगर में लाभदायक

मेथी के कड़वे दाने शरीर से वात (वायु) दोष को कम करने में मददगार हैं।

उपयोग - जोड़ों के दर्द से परेशान बुजुर्गों या वयस्कों के लिए रात में आधा चम्मच मेथी दाना पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट चबाना और उसका पानी पीना एक रामबाण इलाज है। यह ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी विशेष रूप से मदद करता है।

जानिए कुछ जरूरी आयुर्वेदिक नियम

- आयुर्वेद के अनुसार, बनने के 3 घंटे के भीतर भोजन कर लेना चाहिए। बासी भोजन शरीर में टॉक्सिन बनाता है।

- दूध के साथ नमकीन चीजें, प्याज या मछली जैसी चीजों का सेवन करने से बचें। यह त्वचा रोगों का कारण बन सकता है।

- गर्मियों में ठंडी तासीर वाली चीजें (जीरा, सौंफ धनिया) और सर्दियों में गर्म तासीर वाली चीजें (बाजरा, सोंठ, मेथी) का प्रयोग बढ़ा देना चाहिए।



अर्चना गुप्ता

प्रिंसिपल
के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

भगवान राम की वापसी, लक्ष्मी-गणेश पूजा का पौराणिक महत्व

दीपावली जिसे हम दीवाली के नाम से भी जानते हैं, केवल दीपों का त्योहार नहीं बल्कि अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। कार्तिक माह की अमावस्या की काली रात को जब अनगिनत दीये एक साथ जलाये जाते हैं तो हमारा देश विश्व पटल पर छा जाता है और पूरे भारत के नक्शे पर उजाला ही उजाला दिखाई देता है। त्योहार का माहौल और उल्लास हर मन को एक नए उत्साह से भर देता है।

आई दिवाली, आई दिवाली,
संग लाई खुशियों की थाली।
मिटे अंधेरा जग से सारा,
चमके हर घर-आंगन प्यारा।

दीपावली का ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व

दीपावली का त्योहार अपने साथ समृद्ध पौराणिक और एतिहासिक धरोहर समेटे हुए है। मान्यता के अनुसार इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम चौदह वर्षों के कठिन वनवास के बाद अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण, भक्त हनुमान और विभीषण के साथ अयोध्या लौटे थे। रावण के वध के बाद अयोध्या आगमन की खुशी में संपूर्ण नगर को घी के दीयों से सजाया गया था। तबसे लेकर अब तक यह परंपरा लगातार चलती आ रही है।

लक्ष्मी जी की क्यों होती है पूजा

भगवान राम के अलावा इसी दिन माता लक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थीं। इसीलिए इस दिन पर लक्ष्मी जी और गणेश जी की पूजा भी होती है। इन अबके अतिरिक्त सिख परंपरा में इसे श्बंदी छोड़ दिवसश् के रूप में भी बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

उत्सव और सामाजिक समरसता

दीपावली से कई दिन पहले ही घरों और प्रतिष्ठानों की सफाई तथा रंग पुताई का कार्य प्रारंभ हो जाता है। माना जाता है कि स्वच्छ और पवित्र स्थान पर ही देवी लक्ष्मी का वास होता है। इस दिन घर के मुख्य द्वार पर सुंदर रंगोली बनाई जाती है और आम के पत्तों व गेंदे के फूलों से वंदनवार बांधे जाते हैं। शाम के समय पूरा परिवार एक साथ एकत्र होकर धन-धान्य की देवी मां लक्ष्मी, बुद्धि के दाता भगवान श्री गणेश और धन के देवता कुबेर की विधिवत पूजा-अर्चना करता है। पूजा के उपरांत एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी जाती हैं और बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है।

दीप जलाकर हर कोने में, नया उजाला फैलाएं।
भेदभाव सब भूल परस्पर, गले सभी को लगाएं।
भाईचारे का संदेश देने वाला त्योहार है दीवाली
समाज में भाईचारे और समरसता का संदेश

दीवाली आनंद, उत्साह और आध्यात्मिकता का प्रतीक त्योहार है। यह त्योहार हमें यह संदेश देता है कि सत्य और धर्म की विजय हमेशा होती है और असत्य का नाश निश्चित है। दीपावली हमें अपने भीतर के अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष रूपी अंधकार को मिटाकर प्रेम, करुणा और सद्भावना रूपी दीप जलाने की प्रेरणा देती है। दीपावली का प्रकाश हम सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए, यही कामना है।



चंद्र शेखर खंपरिया

टीचर
हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

गोंडवाना साम्राज्य से हिंदी साहित्य तक, जबलपुर की अमर सांस्कृतिक पहचान

जबलपुर, मध्य प्रदेश का एक प्राचीन और ऐतिहासिक शहर है, जिसे संगमरमर की नगरी और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी (संस्कारधानी) के रूप में जाना जाता है। पवित्र नर्मदा नदी के तट पर विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के मध्य बसा यह शहर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक विरासतप्राचीन काल में जबलपुर को त्रिपुरी के नाम से जाना जाता था, जो गोंडवाना साम्राज्य और 9वीं-10वीं शताब्दी में कलचुरी वंश की राजधानी रहा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह स्थान महर्षि जाबालि की तपोभूमि है, जिनके नाम पर इसका नाम जबलपुर पड़ा। यहाँ गोंड राजवंश की वीर रानी दुर्गावती की अमर विरासत आज भी मदन महल किला और विभिन्न स्मारकों के रूप में जीवंत है। ब्रिटिश काल में यह मध्य भारत का प्रमुख प्रशासनिक व सैन्य केंद्र बना।

सांस्कृतिक पहचान और हिंदी साहित्य- जबलपुर का हिंदी साहित्य के विकास में



अतुलनीय योगदान रहा है। हिंदी साहित्य सम्मेलन इस आयोजन ने हिंदी को राष्ट्रभाषा और जनभाषा के रूप में स्थापित करने में मुख्य भूमिका निभाई। ब्योहार हाउस व ब्योहार पैलेस, मध्य भारत में हिंदी साहित्य का प्रमुख केंद्र रहे, जहाँ देश के दिग्गज साहित्यकारों का संगम होता था। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने भी इस स्थल के साहित्यिक योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की थी।

त्योहार और स्थानीय व्यंजन- नर्मदा-आधारित संस्कृति यहाँ के लोकजीवन को समृद्ध बनाती है। मकर संक्रांति पर नर्मदा स्नान तथा नवरात्रि व गणेशोत्सव में प्राचीन संस्कारों की झलक स्पष्ट दिखती है। जबलपुर का सबसे प्रसिद्ध स्थानीय व्यंजन भुट्टे का कीस है, जो कसे हुए मक्के से बनता है। इसके अलावा पोहा, सेव, मावा-जलेबी और दही-बड़ा यहाँ बेहद लोकप्रिय हैं।

प्राकृतिक व प्रशासनिक महत्व- यहाँ के संगमरमरी धुआँधार जलप्रपात और भेड़ाघाट की चट्टानें विश्वप्रसिद्ध प्राकृतिक धरोहर हैं। इसके अतिरिक्त, जबलपुर में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ स्थित है। इतिहास, साहित्य, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कारों का यह अनूठा संगम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल विरासत का प्रतीक है।



प्रीति तिवारी

टीचर
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

संस्कृति और मानव जीवन

संस्कृति किसी भी समाज या राष्ट्र की चेतना और उसकी पहचान होती है। यह मनुष्य की जीवन-पद्धति, सोच, आचार-व्यवहार, रीति-रिवाज, कला, साहित्य-नैतिक मूल्यों का अखंड रूप है। संस्कृति ही व्यक्ति को सभ्य, सुसंस्कृत और सुव्यवस्थित बनाकर जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करती है। यह एक ऐसी अमूल्य धरोहर है जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में निरंतर हस्तांतरित होती रहती है।

संस्कृति संस्कृताश्रिता का मूल अर्थ- संस्कृति संस्कृताश्रिता का सीधा और गंभीर अर्थ है कि भारतीय संस्कृति पूरी तरह से संस्कृत भाषा पर आश्रित और आधारित है। संस्कृत केवल एक बोली या भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारे ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, साहित्य और आध्यात्म की जननी है। प्राचीन भारत समूचा चिंतन, वेद, उपनिषद, महाकाव्य इसी पावन भाषा में रचे हैं। संस्कृत न होती, तो भारतीय संस्कृति का वर्तमान स्वरूप अकल्पनीय होता।

भारतीय संस्कृति के मूल स्तंभ और शाश्वत आदर्श- भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और जीवंत संस्कृतियों में अग्रगण्य है। इसके मूल में सहिष्णुता, करुणा, सत्य, अहिंसा और एकात्मता की भावना समाहित है।

1 वसुधैव कुटुंबकम- संस्कृत का कालजयी आदर्श संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देता है।

2 सर्वे भवन्तु सुखिनः - सभी के कल्याण, आरोग्य और सुख की प्रार्थना भारतीय चिंतन का मुख्य ध्येय है।

संरक्षण और वर्तमान आवश्यकता- आज के आधुनिक दौर में संस्कृत का संरक्षण केवल एक भाषा का बचाव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवित रखने का संकल्प है। संस्कृत भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी पूर्णतः परिष्कृत और कंप्यूटर एल्गोरिदम के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी गई है। अतः इसका संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य है।



रत्ना मिश्रा

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

सफलता का रहस्य, मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सफल होना चाहता है। लेकिन सफलता केवल सपने देखने से नहीं मिलती। सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुणों का होना अत्यंत आवश्यक है। यही तीन गुण सफलता की मजबूत नींव बनाते हैं।

मेहनत, सफलता की पहली सीढ़ी

संसार में कोई भी व्यक्ति बिना मेहनत के सफल नहीं हो सकता। प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है। चींटी छोटे-छोटे दाने इकट्ठा करने के लिए लगातार मेहनत करती है। किसान खेत में दिन-रात परिश्रम करता है, तब जाकर फसल तैयार होती है। इसी प्रकार विद्यार्थी को भी अपनी पढ़ाई में नियमित मेहनत करनी चाहिए। केवल परीक्षा के समय पढ़ने से अच्छे परिणाम नहीं मिलते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन लगन और ईमानदारी से अध्ययन करता है, वही सफलता प्राप्त करता है। मेहनत हमें अनुभव, ज्ञान और आत्मनिर्भरता प्रदान करती है।

अनुशासन, जीवन की सही दिशा

सफलता का दूसरा महत्वपूर्ण आधार अनुशासन है। अनुशासन का अर्थ है नियमों का पालन करना और अपने समय तथा कार्यों को व्यवस्थित रखना। अनुशासन के बिना मेहनत भी अधूरी रह जाती है। यदि कोई विद्यार्थी बहुत बुद्धिमान है, लेकिन समय पर विद्यालय नहीं जाता, नियमित अध्ययन नहीं करता और अपने कार्य समय पर पूरा नहीं करता, तो वह अपनी क्षमता का पूरा लाभ नहीं उठा पाएगा। अनुशासन हमें समय का महत्व सिखाता है और जीवन को सही दिशा देता है। अनुशासन सफलता की वह सीढ़ी है जो हमें अपने लक्ष्य तक पहुँचाती है।

आत्मविश्वास, कठिनाइयों पर विजय

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण गुण है आत्मविश्वास। आत्मविश्वास का अर्थ है स्वयं पर विश्वास रखना। यदि किसी व्यक्ति को अपनी क्षमता पर भरोसा नहीं है, तो वह कठिनाइयों का सामना नहीं कर पाएगा। जीवन में कई बार असफलताएँ और चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति हार नहीं मानता। वह अपनी गलतियों से सीखता है और फिर से प्रयास करता है। आत्मविश्वास हमें साहस देता है, नई चुनौतियाँ स्वीकार करने की शक्ति देता है और हमें निराशा से बचाता है।

तीनों गुणों का संतुलन

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि मेहनत है लेकिन अनुशासन नहीं है, तो सफलता अधूरी रह सकती है। यदि अनुशासन है लेकिन आत्मविश्वास नहीं है, तो व्यक्ति अपनी क्षमता का सही उपयोग नहीं कर पाएगा। यदि आत्मविश्वास है लेकिन मेहनत नहीं है, तो केवल विश्वास के सहारे सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती। इसलिए इन तीनों गुणों का संतुलन आवश्यक है। विद्यार्थी जीवन में इन गुणों का विशेष महत्व है। यदि विद्यार्थी समय पर उठे, नियमित अध्ययन करे, अपने शिक्षकों का सम्मान करे, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे और स्वयं पर विश्वास रखे, तो सफलता निश्चित रूप से उसके कदम चूमेगी।

सफलताकोई जादू नहीं है और न ही यह केवल भाग्य पर निर्भर करती है। सफलता उन लोगों को मिलती है जो निरंतर मेहनत करते हैं, अनुशासित जीवन जीते हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखते हैं। यदि हम इन तीन गुणों को अपने जीवन में अपना लें, तो निश्चित रूप से हम अपने सपनों को साकार कर सकते हैं और एक सफल तथा सम्मानित जीवन जी सकते हैं।



प्रेमलता विश्वकर्मा

टीचर
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

बच्चों की प्रथम पाठशाला, घर और माता-पिता के संस्कार

आज के समय में माता-पिता बच्चों के अंक और उपाधि के पीछे भाग रहे हैं। परंतु क्या हम भूल गए कि बच्चे का असली प्रतिवेदन उसका आचरण होता है? स्मरण रहे, विद्यालय उपाधि देता है, किंतु मनुष्य घर बनाता है। शून्य से छह वर्ष की आयु में बच्चे का नब्बे प्रतिशत मस्तिष्क विकसित होता है। इस आयु में जो संस्कार पड़ जाते हैं, वे जीवन भर साथ रहते हैं। एक शिक्षिका होने के नाते मैंने देखा है, जिस बच्चे को घर में धन्यवाद, क्षमा करें और क्या मैं सहायता करूँ? बोलना सिखाया जाता है, वह कक्षा में भी सबका प्रिय बनता है।

माता-पिता के चार मुख्य कर्तव्य

1 समय देना - मँहगा खिलौना नहीं, आपके बीस मिनट प्रत्येक दिन चाहिए। भोजन करते समय मोबाइल बंद करके केवल बच्चे की बात सुनिए। गंभीर स्वभाव वाले बच्चे तो माता-पिता की आँखों में अपना अस्तित्व खोजते हैं।

2 आदर्श बनना - बच्चा वह नहीं करता जो



आप कहते हैं, वह करता है जो आप स्वयं करते हैं। यदि आप असत्य बोलेंगे, तो वह सत्य बोलना कैसे सीखेगा?

3 विष्वास देना - बच्चे को तुम कर लोगे कहना लाख रुपये के शिक्षण केंद्र से अधिक शक्ति देता है। त्रुटि पर डाँटिए मत, समझाइए। सुरक्षित वातावरण में ही बच्चा सीखता है।

4 समता सिखाना - पुत्र-पुत्री दोनों को घर के कार्य सिखाएँ। लड़की है कह कर उसके पंख मत काटिए। कल की चिकित्सक, शिक्षिका, वैज्ञानिक आपके घर में ही पल रही है।

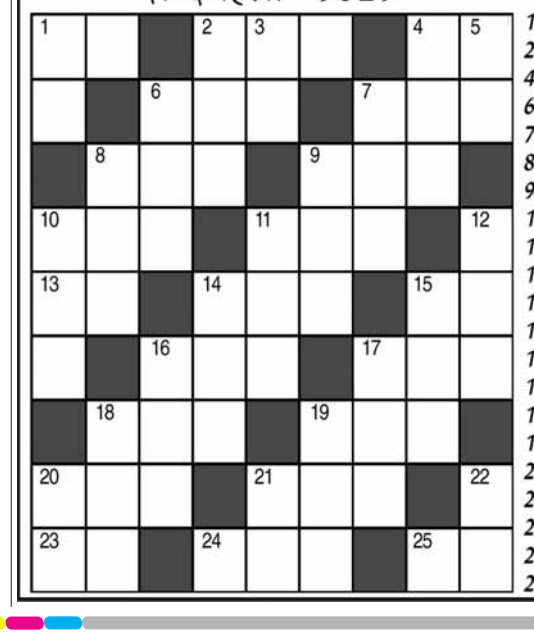
मैं स्वयं एक विद्यालय में पढ़ाती हूँ और संध्या को अपनी सात वर्ष की पुत्री को पढ़ाती हूँ। थक जाती हूँ, परंतु जब पुत्री कहती है माँ आप सबसे अच्छी हो, तब लगता है मैं संसार की सबसे धनी माँ हूँ। अंत में केवल इतना उपाधि बाद में, पहले मनुष्य बनाइए। क्योंकि संसार उपाधि नहीं, चरित्र पूछता है। और चरित्र की प्रथम पाठशाल केवल माता-पिता की गोद है।



पूनम पटेल

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रेन अकादमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9027



बाएँ से दाएँ

1. जी, इच्छा, चित्त-2
2. तन, बदन, देह-3
4. अग्निदग्ध-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा, सम्राट-3
10. वचन, प्रतिज्ञा-3
11. तरंग, हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सद्पुरुष-2
16. पाठ, शिक्षा-3
17. कर्ता, कार्य करने वाला-3
18. इज्जत, मान, सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन, प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन, लेखनी-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय, वोट, अभिप्राय-2
2. लाज, लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया, जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध, नाजायज-3
7. निगाह, दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम, मदद-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. लगन, जिद, उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान, तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी, इच्छा, चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह, बदन-2

शब्द पहेली -9026 का हल

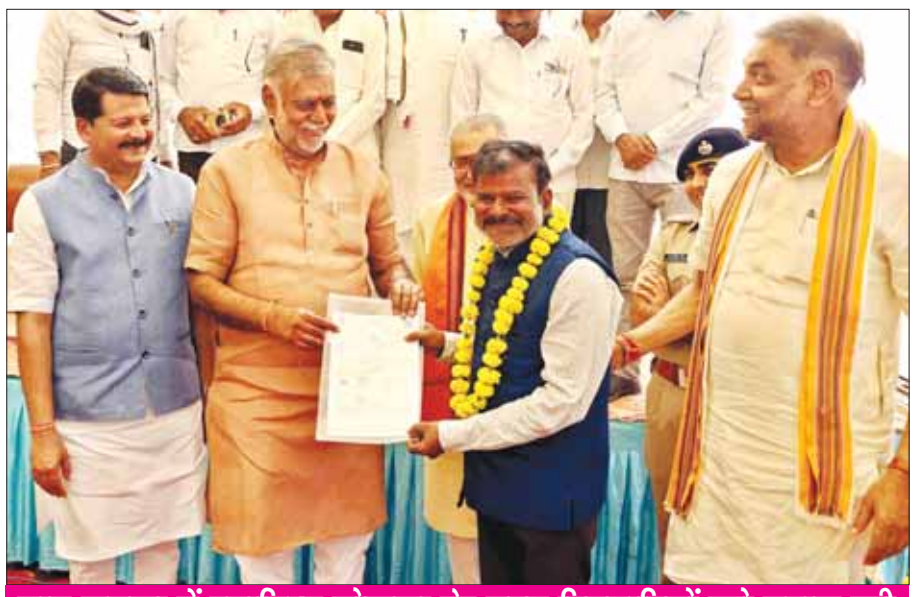
सा	ध		प	ना	ह		शा	न
त	र	ह		क	व	च		शा
	ती	र	थ		स	प	ना	
ध		म	का	न		ल	च	क
रा	ख		न	ज	र		ना	म
ना	र	द		ला	क	र		र
	ल	ह	र		म	वा	ली	
रा		न	क	ल		ना	प	ना
ज	रा		म	त	ली		ना	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिल रहा संपत्ति का वैधानिक अधिकार : मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

भूमि संबंधी विवादों का आपसी सहमति से करें समाधान

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनकी आबादी भूमि और आवासीय संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के पंजीकृत दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे न केवल उनका संपत्ति संबंधी अधिकार मजबूत होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह दस्तावेज महत्वपूर्ण आधार बनेगा। ग्रामीण अपनी संपत्ति का उपयोग बैंक ऋण सहित अन्य आर्थिक एवं वैधानिक कार्यों के लिए कर सकेंगे। मंत्री श्री पटेल ने यह बात धनतेरस के अवसर पर नरसिंहपुर जिले के ग्राम सुपला में स्वामित्व योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर हितग्राहियों को आबादी भूमि के स्वामित्व संबंधी पंजीकृत दस्तावेज प्रदान किए गए। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम श्री महेंद्र सिंह पटेल, तहसीलदार श्री अमित रिनायते, हितग्राही और ग्रामीणजन मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर वर्षों से निवास करने वाले अनेक परिवारों के पास अपनी संपत्ति का पुख्ता वैधानिक दस्तावेज नहीं होता था। अब स्वामित्व योजना के माध्यम से उन्हें अपनी भूमि और मकान के स्वामित्व का दस्तावेज प्राप्त हो रहा है। मंत्री श्री पटेल ने ग्राम सुपला में स्वामित्व योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए कहा कि भूमि संबंधी पारिवारिक विवादों का समाधान आपसी बातचीत, समझाइश और सहमति से किया जाना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, गांव के बुजुर्गों और जिम्मेदार नागरिकों से ऐसे विवादों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांवों में पहले आपसी बैठकों और पंचायतों के माध्यम से अनेक विवादों का समाधान कर लिया जाता



ग्राम सुपला में स्वामित्व योजना के तहत हितग्राहियों को प्रदान की गई रजिस्ट्री, जिले में अब तक लगभग 54 हजार रजिस्ट्रियां पूर्ण

था। आपसी सहमति से विवादों का निराकरण कर संबंधित न्यायालय में राजीनामा प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे परिवारों के बीच सद्भाव बना रहेगा और पात्र व्यक्तियों को उनका अधिकार भी मिल सकेगा। मंत्री श्री पटेल ने ग्राम सुपला में शेष 34 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि इनमें सात प्रकरण फौती नामांतरण, 10 प्रकरण भूमि विवाद तथा 17 प्रकरण तकनीकी समस्याओं के कारण लंबित हैं। उन्होंने कहा कि जिन फौती नामांतरण प्रकरणों में कोई विवाद नहीं है, उनका निराकरण समय-सीमा में किया जाना चाहिए। उन्होंने ऑनलाइन राजस्व अभिलेखों में नामों की गलत प्रविष्टि सहित अन्य तकनीकी त्रुटियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार तकनीकी गलतियों के कारण हितग्राहियों को तहसील और अन्य कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी न हो।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम सुपला को मॉडल के रूप में लेकर शेष 34 प्रकरणों के निराकरण की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जाए। मंत्री श्री पटेल ने सभी ग्रामवासियों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा त्योहारों को शांति एवं उल्लास के साथ मनाने की अपील की। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने स्वामित्व योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवासरत परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त आपत्तियों का निराकरण कर अंतिम अभिलेख तैयार किए गए तथा संबंधित भूस्वामियों के नाम दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि केवल राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज होने से कई ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का पूरा लाभ प्राप्त करने में कठिनाई आ रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए अब भू-अधिकार अभिलेख के आधार पर पंजीकृत दस्तावेज

सुपला के मॉडल बनाकर लंबित प्रकरणों का करें निराकरण

प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे हितग्राही बैंक ऋण सहित अन्य आर्थिक एवं वैधानिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि जिले में लगभग एक लाख 12 हजार रजिस्ट्रियां किया जाना प्रस्तावित है। पिछले लगभग 25 दिनों में राजस्व विभाग और पंचायत अमले के समन्वित प्रयासों से लगभग 54 हजार रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। इस उपलब्धि के साथ नरसिंहपुर जिला प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल है।

ग्राम सुपला में 166 में से 132 रजिस्ट्रियां पूर्ण

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि ग्राम सुपला में कुल 166 रजिस्ट्रियां प्रस्तावित हैं, जिनमें से 132 रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। शेष 34 प्रकरणों में 17 तकनीकी समस्याओं से संबंधित हैं। मैप एप से संबंधित त्रुटियों के सुधार के लिए प्रकरण भोपाल भेजे गए हैं। सात प्रकरण फौती नामांतरण से संबंधित हैं, जिनमें आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद रजिस्ट्री की जाएगी। इसी प्रकार 10 विवादित प्रकरणों में तहसील स्तर पर सुनवाई कर प्रतिवेदन प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद नियमानुसार आदेश जारी कर राजस्व अभिलेखों में आवश्यक संशोधन के उपरांत रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में वर्तमान में रजिस्ट्री योग्य सभी निर्विवाद प्रकरणों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि धनतेरस के शुभ अवसर पर ग्रामीण परिवारों को उनके निवास की भूमि का पंजीकृत दस्तावेज प्राप्त होना प्रसन्नता और गौरव का विषय है। जिस प्रकार धनतेरस पर मां लक्ष्मी की उपासना की जाती है, उसी प्रकार अपने घर और भूमि का वैधानिक अधिकार प्राप्त होना भी परिवार के लिए सुख, समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि आगामी 15 दिनों में जिले के सभी निर्विवाद एवं रजिस्ट्री योग्य प्रकरणों का कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को स्वामित्व योजना का लाभ मिल सके।

रोटरी क्लब ने संस्कार केंद्र में सेवा बस्ती के बच्चों के साथ मनाई



सतना स्वतंत्र मत। समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर सार्थक करते हुए रोटरी क्लब सतना ने इस दीपावली पर सेवा और संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की। पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए बताया कि क्लब द्वारा संग्राम कॉलोनी स्थित सरस्वती विद्यालय के शंकर संस्कार केंद्र में सेवा बस्ती के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने और उनके जीवन में खुशियों के रंग भरने के उद्देश्य से मिठाइयां पटाखे टिफिन पेन स्टेशनरी सामग्री बिस्किट केक टॉफियां फल तथा दीपावली की रोशनी के लिए लाइट एवं बिजली की झालर वितरित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर रोटरी क्लब सतना के अध्यक्ष रोटेरियन नितेश बडेरिया ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और उत्सव मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने और समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने का संदेश भी देता है। उन्होंने सरस्वती विद्यालय एवं संस्कार केंद्र की पूरी टीम द्वारा सेवा बस्ती के बच्चों में शिक्षा, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा इस पुनीत कार्य के लिए पूरी टीम को साधुवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक रोटेरियन रोटे लखनलाल केसरवानी शैलेन्द्र अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं रोटेरियन अनुराग बंसल सहित क्लब के अन्य सदस्यों के सहयोग से यह सेवा गतिविधि सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर रोटरी क्लब सतना के अध्यक्ष रोटेरियन नितेश बडेरिया,सचिव सीए राजीव कुमार अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन शैलेन्द्र अग्रवाल रोटेरियन अनुराग बंसल रोटेरियन लखनलाल केसरवानी एवं क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्कार केंद्र एवं विद्यालय परिवार की ओर से विद्यालय व्यवस्थापक प्रदीप ताम्रकार, सरस्वती विद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे, माध्यमिक प्राचार्य गणेश प्रसाद दुबे, संस्कार केंद्र प्रभारी शिक्षक रामकुमार मिश्रा संस्कार केंद्र व्यवस्था प्रमुख सुरेश जी कार्यालय प्रमुख विनय दुबे एवं संस्कार केंद्र दीदी रजनी साकेत की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में क्लब के सचिव सीए राजीव कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों विद्यालय एवं संस्कार केंद्र परिवार तथा रोटरी क्लब के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि रोटरी क्लब सतना का उद्देश्य केवल सेवा गतिविधियां आयोजित करना ही नहीं बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।



आबकारी विभाग की दबिश 40 लीटर अवैध शराब जब्त

3 हजार किलो महुआ लाहन बरामद 3.06 लाख रुपए की सामग्री जब्त

सतना स्वतंत्र मत। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने ग्राम सेमरिहा टोला में छापामार कार्रवाई की। 5 नवंबर को कलेक्टर सतीश कुमार एस के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी एसके उरांव के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान 40 लीटर महुआ से निर्मित हाथ भट्टी शराब और 3 हजार किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 3 लाख 6 हजार रुपए आंकी गई है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी लोकेश सिंह अभिषेक सिंह बघेल एवं शबनम बेगम के नेतृत्व में आबकारी टीम ने ग्राम सेमरिहा टोला में दबिश दी। मौके से अवैध शराब के साथ बड़ी मात्रा में महुआ लाहन बरामद किया गया। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत ज्ञात एवं अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध चार वैधानिक प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए हैं। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक अंजली तिवारी संजय साकेत मनोज बेलबंशी तथा आरक्षक रामनरेश द्विवेदी, अमित सिंह मंगलदीन कोल आशुतोष तिवारी ओंकार साकेत एवं सत्यप्रकाश पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

खिलाड़ियों की सुरक्षा से लेकर भोजन और खेल मैदानों तक पुख्ता होंगी व्यवस्थाएं : मंत्री सिंह

पूर्व वर्ष की भांति नगरवासियों के सहयोग से होगी खिलाड़ियों की बेहतर मेजबानी

नरसिंहपुर/गाडरवारा स्वतंत्रमत।

राष्ट्रीय स्तर की अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर गाडरवारा में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता के सफल, सुव्यवस्थित एवं यादगार आयोजन के लिए शुक्रवार को आदर्श विद्यालय गाडरवारा में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी विभागों, पुलिस प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारियों एवं नगरवासियों से सामूहिक सहभागिता और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का आव्हान किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा में पिछले दो वर्षों से लगातार इस प्रकार के खेल आयोजनों का सफल संचालन किया जा रहा है। पिछले वर्ष खिलाड़ियों से मिले सकारात्मक फीडबैक में यहां की व्यवस्थाओं और मेजबानी की विशेष सराहना की गई थी। इस बार भी प्रयास होना चाहिए कि देशभर से आने वाले खिलाड़ी गाडरवारा से अच्छी यादें लेकर लौटें। उन्होंने बताया कि कि इस बार प्रतियोगिता में करीब 600 से 700 खिलाड़ियों व अधिकारियों सहित करीब 700 से 800 नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इतने बड़े आयोजन में खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, भोजन, परिवहन और अन्य व्यवस्थाएं चुनौतीपूर्ण हैं। किसी भी प्रकार लापरवाही आयोजन से जुड़ी अच्छी व्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रत्येक स्तर पर सावधानी और सतर्कता बरतना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पिछले आयोजनों में पुलिस प्रशासन के साथ-साथ नगरवासियों और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका भी सराहनीय रही है। स्थानीय नागरिकों ने खिलाड़ियों के साथ अतिथियों जैसा व्यवहार करते हुए पूरे उत्साह और सेवा भाव से सहयोग किया। इस बार भी पूरा शहर एक टीम के रूप में कार्य करे। मंत्री श्री सिंह ने भोजन व्यवस्था को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। इस



बार मैच अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होंगे।

खेल मैदानों और क्रिकेट पिच की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध-मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता के मैच पहले की तुलना में अधिक खेल मैदानों पर आयोजित होंगे। चीचली, कौंड़िया व बोहानी सहित सहित अन्य निर्धारित स्थलों पर आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। खेलों के लिए जरूरी उपकरण और संसाधनों की व्यवस्था इस तरह की जाए कि वे भविष्य में भी नगर के काम आ सकें। क्रिकेट प्रतियोगिता में पिच सबसे महत्वपूर्ण होती है। पिच सुरक्षित और अच्छी स्थिति में रहे, इसके लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। उन्होंने 17 नवंबर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी विशेष सतर्कता बरतने और कलाकारों एवं आयोजकों को पहले से आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही।

सभी विभाग मिलकर निभाएं जिम्मेदारी- मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग इस आयोजन का नोडल विभाग है। शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं विशेष रूप से महिला शिक्षिकाएं लगातार मेहनत करती हैं।उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवंटित जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने और आपसी समन्वय बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि पिछले आयोजनों के अनुभवों के आधार पर इस वर्ष व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। मौसमी बीमारियों की आशंका देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमें विशेष सतर्कता बरतें। खिलाड़ियों के आवास स्थलों एवं मैच स्थलों पर आवश्यक दवाइयां के साथ एम्बुलेंस मय पर्याप्त चिकित्सा की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस बार मैच अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होंगे। खिलाड़ियों को निर्धारित बसों से सुरक्षित रूप से खेल स्थलों तक पहुंचाना और मैच समाप्त होने के बाद वापस लाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या अथवा आपातकालीन स्थिति में तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी एवं एसडीएम को अवगत कराकर उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने कहा कि प्रतियोगिता में देशभर से 29 टीमें शामिल होने आ रही हैं। यह नरसिंहपुर जिले और विशेष रूप से गाडरवारा के लिए गौरव का अवसर है। खिलाड़ियों के रेलवे स्टेशन अथवा बस स्टैंड पर आगमन से लेकर उनकी सुरक्षित वापसी तक सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन एवं पुलिस की रहेगी। सुरक्षा केवल पुलिस बल तैनात करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वास का भाव उत्पन्न करना भी जरूरी है। खेल मैदान, आवास स्थल, भोजन व्यवस्था, भ्रमण के दौरान पुलिस बल और संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सतत निगरानी रखें।

जिला अस्पताल सतना में मिशन मधुहारी क्लिनिक का शुभारंभ

टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

सतना स्वतंत्रमत।

सतना जिले के स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जिला चिकित्सालय, सतना में मिशन मधुहारी क्लिनिक का भव्य शुभारंभ किया गया। इस विशेष क्लिनिक का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ अमर सिंह, एवं डॉ व्ही के गौतम ने अपने कर-कमलों द्वारा किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों और युवाओं को समय पर सही इलाज और निरंतर देखभाल मिलना बेहद जरूरी है। मिशन मधुहारी जैसी पहल से जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत



मिलेगी और बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा।

इस अवसर पर आर एम ओ डॉ. अभिनव चौरसिया, डी पी एम राकेश कर्ष, नृपेश सिंह, राज्य स्तर से अमित राठौड़, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. अनामिका राय, संभागीय समन्वयक निमिष मिश्रा, नर्सिंग ऑफिसर पूनम गुप्ता, एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और चिकित्साकर्मी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विशेषज्ञों के अनुसार यह क्लिनिक विशेष रूप से टाइप 1 डायबिटीज से ग्रस्त बच्चों और युवाओं के लिए वरदान साबित होगी। इसके माध्यम से मरीजों को न केवल नियमित परामर्श और जांच की सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें बीमारी के प्रबंधन की सही जानकारी और निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं भी एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। क्लिनिक में पहले दिन करीब 23 टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित लोगो का रजिस्ट्रेशन किया गया।

चित्रकूट में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

यातायात पुलिस ने जारी की पार्किंग एवं डायवर्जन व्यवस्था

सतना स्वतंत्रमत। धर्मनगरी चित्रकूट में 6 नवंबर से 10 नवंबर तक आयोजित होने वाले दीपावली अमावस्या मेले में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालुओं के स्नान एवं दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है। मेले के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस सतना द्वारा पार्किंग, डायवर्जन रूट, ड्रॉप गेट एवं यातायात मार्गों की विस्तृत व्यवस्था निर्धारित की गई है। मेले के दौरान चित्रकूट में अत्यधिक भीड़ को देखते हुए भारी एवं ट्रक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सतना से उत्तरप्रदेश जाने वाले भारी वाहनों को थाना कोठी अंतर्गत सोनौर चौराहा से सिंहपुर-कालिंजर मार्ग की ओर डायवर्ट किया जाएगा। सतना से बांदा-कालिंजर की ओर जाने वाले भारी वाहनों को थाना मझगवां अंतर्गत पिण्ड्रा तिराहा से पिण्ड्रा-बरौंधा-खोही मार्ग से निकाला जाएगा। वहीं सतना से मानिकपुर-इलाहाबाद की ओर जाने वाले भारी वाहनों को मिचकुरिन मोड़ (नायरा पेट्रोल पंप) के पास से मारकुंडी-मानिकपुर होते हुए गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। उत्तरप्रदेश की ओर से हनुमान धारा मार्ग पर आने वाले भारी वाहनों का आवागमन देवांगना घाटी पर उत्तरप्रदेश यातायात पुलिस के सहयोग से प्रतिबंधित रहेगा।

बसों की पार्किंग के लिए भगनपुर मोड़ बस पार्किंग में स्थानीय एवं चित्रकूट से नियमित संचालित होने वाली बसों को खड़ा किया जाएगा। सतना की ओर से आने वाली बसों के लिए मोकमगढ़ तिराहा स्थित अस्थायी बस स्टैंड निर्धारित किया गया है। इसके भरने के बाद ठोस अपशिष्ट मैदान एवं मिश्रा ढाबा के सामने स्थित पार्किंग का उपयोग किया जाएगा। सती अनुसुइया जाने वाली बसों के लिए सती अनुसुइया बस पार्किंग, गुप्त गोदावरी जाने वाली बसों के लिए चौबेपुर खेल मैदान तथा कर्वी-चित्रकूट की ओर से आने वाली बसों के लिए छीरपुरवा बस पार्किंग निर्धारित की गई है।

श्रद्धालुओं के दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए नौ स्थल निर्धारित किए गए हैं। इनमें राव रिजॉर्ट के सामने, राव रिजॉर्ट के आगे बाईं ओर तथा एकलव्य स्कूल के सामने पार्किंग स्थल शामिल हैं। इन पार्किंग स्थलों के भरने के बाद वाहनों को क्रमशः आगे निर्धारित पार्किंग स्थलों पर भेजा जाएगा। उत्तरप्रदेश की ओर से आने वाले वाहनों के लिए वन देवी के पहले आचार्य आश्रम तथा वन देवी पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। इसके अलावा सतना की ओर से आने वाले वाहनों के लिए रजोला बाईपास कृषि संकाय के पास एवं शांति धाम तिराहा पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। पर्यटन स्थल सती अनुसुइया तथा गुप्त गोदावरी जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए भी अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दीपावली मेले के दौरान निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें तथा यातायात पुलिस द्वारा जारी डायवर्जन एवं मार्ग व्यवस्था का पालन करें। इससे मेले के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी और श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।



श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पीपा पुल तैयार

सतना स्वतंत्रमत। चित्रकूट में 6 से 10 नवंबर तक आयोजित होने वाले दीपावली अमावस्या मेले को लेकर तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं को हनुमान धारा तक सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के लिए पीपा पुल तैयार कर लिया गया है। वहीं रजौला बाईपास में पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। राघव प्रयाग घाट पर स्ट्रीट लाइट चालू कर दी गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को रात्रि के समय भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

देशी-विदेशी मदिरा जब्त

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विक्रय एवं भंडारण के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही की गई। नारायणगंज वृत्त क्षेत्र में की गई दबिश के दौरान निवास क्षेत्र में एक मकान से 121 नग गोवा रम एवं 25 नग गोवा व्हिस्की तथा एक अन्य मकान से 6 लीटर हाथभट्टी कच्ची मदिरा बरामद कर विधिवत जब्त की गई। इसी क्रम में शहर के मछली मार्केट क्षेत्र में 2 प्रकरण तथा नैनपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में 2 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्यवाही के दौरान कुल 8 प्रकरण पंजीबद्ध कर 25 लीटर हाथभट्टी कच्ची मदिरा एवं 237 नग देशी-विदेशी मदिरा जब्त की गई। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 48 हजार 500 रुपये है।

टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध उत्खनन परिवहन तथा भण्डारण के विरुद्ध विस्तृत समीक्षा की गई एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई कलेक्टर ने अवैध खनन गतिविधियों पर पूर्णत: अंकुश लगाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा किया कि पवित्र नर्मदा नदी में मशीनों के माध्यम से होने वाले किसी भी प्रकार के अवैध उत्खनन पर पूर्ण पाबंदी रहेगी और उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने खनिज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए पुलिस राजस्व एवं खनिज विभाग को संयुक्त रूप से प्रतिदिन चेकिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

विधिक जागरूकता शिविर

मण्डला (स्वतंत्रमत)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मवई शासकीय संदीपनी विद्यालय घुटास एवं शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल मवई में बच्चों को बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम पॉक्सो 2012 सहित बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े ने बच्चों को मेरा बचपन, मेरा अधिकार, बाल अधिकार, बाल संरक्षण, बाल हितैषी कानून, पॉक्सो अधिनियम एवं उपलब्ध कानूनी उपायों के संबंध में जागरूक किया।

तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय एवं हस्तशिल्प सेवा केंद्र भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जगन्नाथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का समापन हुआ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को गोंड चित्रकला काष्ठ शिल्प बांस शिल्प एवं खजूर की पत्तियों से कलात्मक वस्तुएं बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया अंतिम दिवस पर विद्यार्थियों ने स्वयं तैयार की गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई।

नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। रानी फूलकुंवर पॉलीटेक्निक महाविद्यालय प्राचार्य अरविंद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत हेतु फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की नवप्रवेशित छात्राओं ने परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा और भविष्य के लक्ष्य साझा किए कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ इस अवसर पर छात्राओं ने नृत्य, गायन एवं नाटक की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

धनतेरस में रौनक फीकी व्यापार रहा सामान्य मिट्टी के दीये भगवान की मूर्ति झाड़ू और पूजन सामग्री की दुकानों पर दिखी भीड़

मण्डला(स्वतंत्र मत)





धनतेरस पर इस बार जिला मुख्यालय मंडला सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में अपेक्षित रौनक नजर नहीं आई। परंपरागत रूप से धनतेरस को खरीदारी के लिए शुभ दिन माना जाता है और इस अवसर पर बाजारों में सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ती है। लेकिन इस बार जिले के अधिकांश बाजारों में व्यापार सामान्य बना रहा। सोने-चांदी बर्तन मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाहन टू व्हीलर फोर व्हीलर सहित सवारी वाहन ट्रैक्टर डम्फर और अन्य वस्तुओं की दुकानों पर कारोबारियों को जिस तरह की बिक्री की उम्मीद थी वैसा उत्साह दिखाई नहीं दिया। हालांकि भगवान की मूर्तियों मिट्टी के दीयों और पूजा-पाठ की सामग्री और झाड़ू बेचने वाली दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही अपेक्षाकृत अधिक रही। धनतेरस के अवसर पर जिला मुख्यालय के प्रमुख बाजारों सहित आसपास के कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को सजाकर ग्राहकों का इंतजार किया। कई दुकानों पर आकर्षक सजावट रोशनी और विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। व्यापारियों को उम्मीद थी कि धनतेरस के दिन लोग परंपरा के अनुसार नई वस्तुओं की खरीदारी करेंगे और दीपावली की तैयारियों के चलते बाजार में अच्छी बिक्री होगी। इसके बावजूद बाजारों में ग्राहकों की संख्या और खरीदारी का उत्साह सामान्य ही दिखाई दिया। धनतेरस के दिन बाजार में सबसे अधिक हलचल पूजा-पाठ की सामग्री भगवान की मूर्तियों और मिट्टी के दीये और झाड़ू की दुकानों पर देखने को मिली। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी-गणेश की पूजा करने की परंपरा के चलते लोगों ने पूजन सामग्री की खरीदारी की। मिट्टी के दीये दीपक लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं और अन्य धार्मिक सामग्री खरीदने के लिए लोग दुकानों पर पहुंचे। स्थानीय बाजारों में मिट्टी के दीयों की बिक्री का विशेष महत्व रहा। धनतेरस पर शुभ मुहूर्त में पूजा करने और दीपावली की तैयारियों को पूरा करने के उद्देश्य से परिवारों ने आवश्यक सामग्री खरीदी। बाजार के अन्य हिस्सों की तुलना में इन दुकानों पर अधिक चहल-पहल दिखाई दी। धनतेरस पर मोबाइल फोन टीवी फ्रिज, वॉशिंग मशीन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और वाहन की खरीदारी को लेकर भी व्यापारियों को अच्छी उम्मीद रहती है। कई दुकानदार इस अवसर पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं। दीपावली के दौरान नई वस्तु खरीदने की परंपरा के चलते इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी अच्छी बिक्री की संभावना रहती है। लेकिन इस बार जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर अपेक्षित उत्साह नजर नहीं आया। बाजार में ग्राहक पहुंचे लेकिन खरीदारी का माहौल सामान्य बना रहा। महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और मोबाइल फोन की दुकानों पर वैसी भीड़ दिखाई नहीं दी जैसी आमतौर पर त्योहारों के दौरान देखने को मिलती है। हालांकि बिक्री कम रहने के पीछे किसी एक कारण को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ग्राहकों की खरीदारी की प्राथमिकताएं बजट और बाजार की परिस्थितियां कारोबार को प्रभावित कर सकती हैं। इस संबंध में व्यापारियों की ओर से कोई समेकित आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने के कारण बिक्री में वास्तविक गिरावट का प्रतिशत बताना संभव नहीं है। धनतेरस का असर केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में भी कारोबार सामान्य नजर आया। ग्रामीण कस्बों में दुकानदारों ने त्योहार को देखते हुए अपनी दुकानों पर आवश्यक सामान उपलब्ध कराया था। कुल मिलाकर इस बार मंडला जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धनतेरस का बाजार सामान्य रहा। अब व्यापारियों की निगाहें दीपावली के शेष दिनों पर टिकी हैं जहां उन्हें ग्राहकों की बढ़ती आवाजाही और बेहतर कारोबार की उम्मीद है।

धनतेरस में लौंटी खुशियां एसपी के प्रयास से मिले गुमे मोबाईल कैबिनेट मंत्री ने की सराहना 250 मोबाइल किए गए वापस

मण्डला (स्वतंत्रमत)





धनतेरस का पर्व जहां लोग अपने घरों में सुख-समृद्धि और खुशियों के आगमन की कामना करते हैं वहीं मंडला में इस बार कई परिवारों के लिए यह पर्व एक अलग ही खुशी लेकर आया। लंबे समय से अपने गुम हुए मोबाइल फोन मिलने का इंतजार कर रहे लोगों को मंडला पुलिस ने धनतेरस के अवसर पर बड़ी सौगात दी। जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत बरामद किए गए करीब 50 लाख रुपये कीमत के 250 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे गए। जब लोगों के हाथों में उनका खोया हुआ मोबाइल पहुंचा तो उनके चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। किसी ने पुलिस का आभार जताया तो किसी ने इसे धनतेरस का सबसे यादगार उपहार बताया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मोबाइल धारकों को उनके बरामद मोबाइल फोन सौंपे और उन्हें धनतेरस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में मोबाइल प्राप्त करने वाले आवेदकों के चेहरों पर संतोष और खुशी देखने को मिली। कई लोगों के लिए यह मोबाइल केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि उनकी निजी यादों, जरूरी दस्तावेजों, संपर्क नंबरों और दैनिक कार्यों से जुड़ा महत्वपूर्ण साधन था। मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले में गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश और बरामदगी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस द्वारा पोर्टल की मदद से गुम मोबाइल फोन को ट्रेस करने और उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार मंडला जिले में अब तक कुल 3,823 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस लौटाए जा चुके हैं। इन बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कुल कीमत करीब 5 करोड़ 70 लाख रुपये बताई गई है। यह आंकड़ा जिले में मोबाइल बरामदगी के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। वहीं वर्ष 2026 में अब तक लगभग 900 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 28 लाख रुपये है। धनतेरस के अवसर पर 250 मोबाइल फोन की एक साथ वापसी इस अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। मोबाइल बरामदगी की इस कार्रवाई में साइबर डेस्क के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की अहम भूमिका रही है। मोबाइल वितरण कार्यक्रम के दौरान मंडला पुलिस ने पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास सहयोग और सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक नई पहल करते हुए सहयोग अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत महाराजपुर क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में आरोपियों के संबंध में पुलिस को अहम जानकारी उपलब्ध कराकर जांच और कार्रवाई में सहयोग करने वाले नागरिकों को सम्मानित किया गया। पुलिस ने इन नागरिकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने मोबाइल प्राप्त करने पहुंचे आवेदकों से सीधे संवाद किया और उनकी प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने मोबाइल बरामदगी की प्रक्रिया और पुलिस की कार्रवाई के संबंध में भी चर्चा की। इस दौरान मोबाइल वापस मिलने पर आवेदकों ने मंडला पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। मोबाइल फोन की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले साइबर डेस्क के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। साइबर टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों और पोर्टल की सहायता से लगातार गुम मोबाइल फोन की जानकारी जुटाकर उन्हें खोजने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीओपी निवास पी.एस. वालरे, एसडीओपी पीयूष मिश्रा, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज सहित विभिन्न थानों के थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामों की विकास योजना स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय तथा आयुक्त अनुसूचित जाति विकास मध्य प्रदेश के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में जिला स्तरीय अभिसरण समिति की बैठक संपन्न हुई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शास्वत सिंह मीना की अध्यक्षता मंद आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के आदर्श ग्राम घटक के अंतर्गत चयनित ग्रामों के समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निवास जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम चौदस ग्राम पंचायत जिलेहटी तथा ग्राम सरसवाही रैयत ग्राम पंचायत सरसवाही के लिए तैयार की गई ग्राम विकास योजना का विधिवत अनुमोदन किया गया। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्ययोजना के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में बुनियादी अधोसंरचना, स्वास्थ्य शिक्षा और आजीविका के क्षेत्रों में विकास कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।

कार्निवल फैंसी ड्रेस में अनूठी प्रस्तुतियां



मण्डला (स्वतंत्रमत)

दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में किड्जी सिविल लाइंस में दीपावली कार्निवल का आयोजन किया गया। इसमें मां और बच्चों की रचनात्मकता आकर्षक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मां और बच्चों की वेशभूषा प्रतियोगिता रही। इसमें माताओं ने अपने बच्चों के साथ विभिन्न विषयों पर आधारित प्रस्तुतियां दीं प्रतियोगिता में मिसमैच वेशभूषा वेस्ट मटेरियल का पुन: उपयोग रॉयल जनरेशन बॉलीवुड दीपावली थीम समारोह कहानी की पुस्तक और उसका नन्हा नायक पुरानी जनरेशन और नई जनरेशन कल्पनाओं के पंख नारी शक्ति तथा कलाकार और उसकी अनुपम कृति जैसे विषय शामिल रहे। माताओं ने आकर्षक परिधानों और अनूठी कल्प नाओं के माध्यम से इन विषयों को जीवंत किया मां और बच्चों की खूबसूरत जुगलबंदी और आपसी तालमेल कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। कार्निवल में दीपावली व्यंजन मेले का भी आयोजन किया गया। माताओं द्वारा लगाए गए विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल ने लोगों को आकर्षित किया।

पर्यावरण संरक्षण पर शिक्षकों को प्रशिक्षण

मण्डला (स्वतंत्रमत)



पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत झंकार भवन में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के संयुक्त संयोजन में जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 50 विद्यालयों के प्राचार्य एवं इको क्लब प्रभारी शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण बीज बैंक जैविक खाद वन्यजीव संरक्षण और ग्रीन विद्यालय जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने इको क्लब प्रभारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि पर्यावरण शिक्षा विद्यार्थियों को संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है। सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला ने दिसंबर तक चयनित गतिविधियां विद्यालयों में पूर्ण करने के निर्देश दिए एपीसी मुकेश पांडे ने गतिविधियों की रिपोर्टिंग, अभिलेख संधारण और यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट की जानकारी दी जिला प्रभारी अखिलेश उपाध्याय ने पीपीटी के माध्यम से इको क्लब की गतिविधियों आगामी कार्ययोजना मिशन लाइफ ईईपी और एनजीसी की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरपी अहिरवार ने सीड बॉल बीज बम बनाने सीड बैंक तैयार करने और जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण दिया। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के प्रभारी उपसंचालक आशीष पांडे ने बाघों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, राष्ट्रीय उद्यान के महत्व तथा मनुष्य, वन्यजीव और प्रकृति के संबंधों पर प्रकाश डाला पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ. यूके तिवारी ने पॉलिथीन से होने वाले नुकसान बताते हुए पॉलिथीन मुक्त समाज बनाने की अपील की। सीडीवीडी समन्वयक निसार कुरैशी ने इको फ्रेंडली पेपर बैग निर्माण का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। पर्यावरणविद एवं जिला सलाहकार योजना समिति के सदस्य राजेश क्षत्री ने विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा के वार्षिक कैलेंडर और ग्रीन विद्यालय गतिविधियों की जानकारी दी। कृषि विकास अधिकारी पंकज मरकाम ने पौधों के महत्व और उन्हें तैयार करने की विधि समझाई कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया तथा आभार सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला ने व्यक्त किया।

कृषक संवाद में कलेक्टर ने किसानों से किया सीधा संवाद

बोले- कार्रवाई करना उद्देश्य नहीं, किसानों को जागरूक करना हमारी प्राथमिकता

नैनपुर (स्वतंत्र मत)



किसानों की समस्याओं को समझने, कृषि क्षेत्र में संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी देने तथा खेती-किसानी को अधिक उन्नत, आधुनिक और लाभकारी बनाने के उद्देश्य से कृषि उपज मंडी परिसर ग्राम निवारी में कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने क्षेत्र के किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कृषि से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कृषक संवाद के दौरान कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि किसानों को जागरूक करना और उन्हें सही जानकारी देकर बेहतर कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि किसान जागरूक होंगे तो खेती में सुधार के साथ उत्पादन और आमदनी बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। इसके लिए शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचना आवश्यक है। कार्यक्रम में कलेक्टर ने किसानों को शासन द्वारा संचालित कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्नत कृषि तकनीक, फसल उत्पादन में वृद्धि, फसल बीमा, खाद की उपलब्धता और फसल कटाई से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा खेती में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस दौरान किसानों ने भी खुलकर अपनी बात रखी। किसानों ने खाद की उपलब्धता, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, फसल कटाई के दौरान आने वाली परेशानियों, खेतो में नरवाई जलाने की बाध्यता सहित कृषि क्षेत्र से जुड़ी अन्य समस्याओं को कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर किसानों की समस्याओं के निराकरण और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। खेतो में नरवाई जलाने के नुकसान और आने वाले समय मे खेतो की उर्वर क्षमता में कमी पर विस्तृत जानकारी साझा की गई।

युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों मताधिकार एवं निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से माय भारत द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में युवा संवाद अपना मताधिकार जानें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों एवं युवाओं ने सहभागिता की कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक शैलेश जायसवाल ने किया।



इस अवसर पर युवा आइकॉन आदित्य कमलेश अवस्थी ने युवाओं से संवाद कर मतदान के महत्व मतदाता के अधिकारों निर्वाचन प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की भूमिका के संबंध में जानकारी दी। संवाद सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों एवं अन्य युवाओं ने मतदाता पंजीयन मताधिकार के उपयोग निर्वाचन प्रक्रिया तथा लोकतंत्र में युवाओं की सहभागिता से संबंधित जिज्ञासाएं रखीं। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में माय भारत द्वारा किया गया। आयोजन में लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रघुनंदन झारिया, कार्यालय स्टाफ अनुराग राय तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रवीण अग्रवाल का सहयोग रहा।

संपादकीय

आंकड़ों में उलझा एसआईआर

अंतत: चुनाव आयोग को लौट कर उसी बिंदु पर आना पड़ा, जहां से उसने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' यानि एसआईआर शुरू किया था। अब चुनाव आयोग ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखित निर्देश दिए हैं कि पुराने मतदाता भी फॉर्म 6 भर सकते हैं और इस तरह अधिकृत मतदाता बन सकते हैं। जिनके नाम मतदाता सूची में थे और एसआईआर के दौरान हटा दिए गए, वे मतदाता फॉर्म 6 के जरिए नया आवेदन कर 'मतदाता' बन सकते हैं। एसआईआर के दौरान यह व्यवस्था नहीं थी, बल्कि चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 के साथ एक हलफनामा भी जोड़ दिया था, जिसमें घोषणा करना 'अनिवार्य' तय किया गया था कि वह पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहा है। उस हलफनामे में माता-पिता, दादा-दादी आदि के मतदाता होने की भी घोषणा करनी पड़ती थी।

यह मामला अब सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, लेकिन चुनाव आयोग को 'बुद्धू की तरह लौट कर घर आना' पड़ा है। अब कोई भी फॉर्म 6 भर कर मतदाता बन सकता है। देश के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 31 के तहत ऐसा करना 'दंडनीय अपराध' है। यदि पुराना मतदाता फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करता है, तो उसे एक साल जेल की सजा तक हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने व्यवस्था दी थी कि जिनके नाम छूट गए हैं या गायब हैं अथवा काट दिए गए हैं, वे फॉर्म 6 के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उन्हें सजा होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इसी आशय की बात कही थी। सवाल है कि क्या अदालतें संसद द्वारा पारित और स्थापित कानून के खिलाफ भी व्यवस्था अथवा फैसला दे सकती हैं? सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ही आयोग से कड़क सवाल पूछा था कि पुराने मतदाताओं से फॉर्म 6 क्यों भरवाया जा रहा है? उनसे फॉर्म 8 के जरिए आवेदन लिए जाएं और स्वीकार किए जाएं। इस न्यायिक विरोधाभास को क्या समझा जाए?

अहम सवाल तो यह है कि क्या एसआईआर का संपूर्ण अभियान ही बेमानी साबित हुआ? दरअसल अब चुनाव आयोग का कहना है कि यदि पुराने, छूटे हुए मतदाता भी फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करते हैं, तो उसे 'झूठी घोषणा' नहीं माना जाएगा, लिहाजा दंडनीय कानूनी कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। आश्चर्यजनक है कि एक संवैधानिक संस्था ही 'संवैधानिक कानून' के खिलाफ काम कर रही है! एसआईआर का अभियान 13 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में सम्पन्न हो चुका है। अंतिम मतदाता सूचियां भी जारी की जा चुकी हैं। कुछ संशोधन तो जारी रहेंगे, उनकी पूरक सूचियां प्रकाशित की जाएंगी। अभी तक के शुद्धिकरण में 3 करोड़ से अधिक ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनका कोई अता-पता नहीं है। वे कौन हैं? किस मंगल ग्रह पर चले गए? कोई जानकारी नहीं है। वैसे यह बेहद अजीब स्थिति है, क्योंकि उनके नाम मतदाता सूची में रहे हैं। जाहिर है कि उन्होंने मतदान भी किया होगा! वे 'दिवंगत' की सूची में भी नहीं हैं। उप्र के सीईओ नवदीप रिणवा ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उप्र में 7-8 लाख लोग ऐसे रहे, जिन्होंने अधिकृत फॉर्म भर कर नहीं लौटाए। बीएलओ बार-बार उनके आवास पर गए। अब तो उन्होंने मिलना ही बंद कर दिया है। क्या उन्हें 'घुसपैठिए' अथवा 'फर्जी मतदाता' मान लिया जाए? ऐसे 3 करोड़ से अधिक 'पूर्व मतदाताओं' को गृहमंत्री अमित शाह ने 'बांग्लादेशी घुसपैठिए' करार दिया है। मगर सवाल है कि यह आंकड़ा अचानक कहां से आ गया?

गोवर्धन पूजा, गौ सेवा

प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संकल्प

श्री राजेन्द्र शुक्ल

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को साकार कर रहा मध्यप्रदेश, गौ-संवर्धन और प्राकृतिक खेती के नए मॉडल बन रहे विकास के आधार

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो। गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं। गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री जी के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।



प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें। गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है। गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है।

विंध्य की धरती पर गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के इसी समन्वित दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण बसामन मामा गोवंश वन्य विहार, रीवा है। यह केवल गौवंश के आश्रय का केंद्र नहीं, बल्कि गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक खेती का एक विकसित होता मॉडल है। लगभग एक हजार एकड़ वन क्षेत्र से घिरे इस परिसर में निराश्रित गौवंश के संरक्षण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। यहां गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद तथा अन्य उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती का यह प्रयोग छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है।

गत 25 दिसंबर 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का रीवा स्थित बसामन मामा गोवंश वन्य विहार में आगमन हमारे लिए विशेष गौरव का विषय रहा। केंद्रीय मंत्री श्री शाह जी ने गौवंश वन्य विहार का अवलोकन किया तथा गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने बसामन मामा गोवंश वन्य विहार को प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी का संरक्षण होगा और लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह का यह वक्तव्य हमारे लिए मार्गदर्शक है। बसामन मामा में विकसित हो रहा मॉडल यह प्रमाणित करता है कि गौवंश का संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। इस क्षेत्र को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास है, जहां गौशाला से प्राप्त संसाधनों का उपयोग कृषि, उद्यानिकी, जैविक खाद और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में किया जा सके।

रीवा में ही हिनौती गौधाम वन्य विहार को आदर्श गौ-अभयारण्य के रूप में विकसित करने की योजना भी इसी सोच का विस्तार है। यहां 15 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने की परिकल्पना की गई है। प्रारंभिक चरण में तीन हजार गौवंश के लिए व्यवस्थाएं विकसित करने तथा आगे चलकर गौधाम को कौशल प्रशिक्षण, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वरोजगार से जोड़ने की योजना है। गोबर गैस संयंत्र और धान के पैरे से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रकल्प भी इस पहल को पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हैं। हिनौती गौधाम भविष्य में गौ-संरक्षण और स्थानीय रोजगार का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

रीवा की ऐतिहासिक लक्ष्मणबाग गौशाला गौ-सेवा और संरक्षण की हमारी परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां गौवंश के संरक्षण, उनके भरण-पोषण तथा गौशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। लक्ष्मणबाग जैसी संस्थाओं का संरक्षण और विकास हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करता है। मेरा मानना है कि शासन के प्रयासों के साथ समाज, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से गौ-संरक्षण का अभियान व्यापक जनआंदोलन बन सकता है।

राज्य सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश में गौवंश को निराश्रित छोड़ने की समस्या का स्थायी समाधान हो। इसके लिए गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर प्रबंधन और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही गौपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। गोवर्धन पूजा हमें यह स्मरण कराती है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता भी है। गौ-माता की सेवा, गौवंश का संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जैविक संसाधनों का सदुपयोग हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी गौ-सेवा, गौ-संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और प्राकृतिक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करें। गौ-सेवा में संस्कृति का संरक्षण है, प्रकृति के सम्मान में मानवता का कल्याण है और आत्मनिर्भर गांवों में विकसित भारत का भविष्य है।

सभी प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार के डांवाडोल रुख से बढ़ सकती है सवर्णों की चिंता!

नीरज कुमार दुबे

यूजीसी के नए नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब शिक्षा संस्थानों की चारदीवारी से निकलकर सीधे सियासत के मैदान में पहुंच चुका है। यह मामला अब सिर्फ जातिगत भेदभाव रोकने के प्रावधानों का नहीं, बल्कि सवर्णों की नाराजगी, राजनीतिक दलों के जातीय समीकरण और वोट बैंक की लड़ाई का भी बन गया है। खासकर पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस विवाद ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी है। इन नियमों के खिलाफ पहले भी सवर्ण समाज ने देशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां अदालत को इन पर रोक लगानी पड़ी थी। अब एक बार फिर नियमों की समीक्षा और उन्हें लेकर जारी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूजीसी विवाद के बहाने सवर्ण समाज की नाराजगी चुनावी मुद्दा बनेगी और इसका असर उन राज्यों के जातीय समीकरणों पर पड़ेगा, जहां बीजेपी की राजनीति काफी हद तक परंपरागत सामाजिक समर्थन पर टिकी रही है?

हम आपको बता दें कि सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हलचल यह है कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह यूजीसी के 2026 के इक्विटी रेगुलेशन की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। यानी सरकार ने न तो नियमों को पूरी तरह वापस लेने का फैसला किया है और न ही उन्हें उसी रूप में लागू करने का। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से कहा है कि नियमों पर दोबारा विचार किया जाए, ताकि किसी भी छात्र के साथ भेदभाव न हो और सभी के हित सुरक्षित रहें।



हम आपको याद दिला दें कि 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नियमों का मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकना था। इसके तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इक्विटी कमेटी और समान अवसर केंद्र बनाने का प्रावधान किया गया। लेकिन नियमों में जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खासतौर पर नियम 3(1)(ष) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ जाति आधारित भेदभाव को जिस तरह परिभाषित किया गया, उसे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असमान व्यवस्था बताया गया।

सवर्ण संगठनों और सामान्य वर्ग के छात्रों ने आशंका जताई कि इन प्रावधानों का इस्तेमाल उनके खिलाफ शिकायतों और उत्पीड़न के हथियार के रूप में हो सकता है। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन कई राज्यों तक फैल गए थे। उत्तर प्रदेश में इस विरोध ने बीजेपी के भीतर भी बेचैनी पैदा कर दी। पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफे तक दिए। आखिरकार 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को जारी रखने का आदेश दिया। अदालत ने प्रावधानों की अस्पष्टता और उनके संभावित दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए थे। अब मोदी सरकार की ओर से समीक्षा समिति बनाने की बात सामने आने के बाद इस पूरे विवाद ने फिर राजनीतिक रंग पकड़ लिया है।

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक असर 2027 के विधानसभा चुनावों में दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बीजेपी के लिए सत्ता की प्रतिष्ठा से जुड़े हैं, जबकि पंजाब में पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में यूजीसी का मुद्दा पांचों राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। यहां ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य मतदाता लंबे समय से बीजेपी के मजबूत समर्थक आधार का हिस्सा रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन से लेकर हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी ने ब्राह्मण, ठाकुर और अन्य सवर्ण जातियों के बीच अपना मजबूत जनाधार तैयार किया है। लेकिन यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज में जिस तरह नाराजगी सामने आई है, उससे बीजेपी के इस परंपरागत वोट बैंक में असंतोष बढ़ने और पार्टी के साथ उसके पुराने राजनीतिक रिश्ते कमजोर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। बीजेपी के लिए परेशानी यह है कि एक तरफ सामान्य वर्ग की नाराजगी है तो दूसरी तरफ ओबीसी और दलित मतदाताओं का बड़ा राजनीतिक आधार है। किसी एक पक्ष को नाराज करने का मतलब दूसरे पक्ष के बीच राजनीतिक संदेश जाना है।

इस नाराजगी के संकेत उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन में भी दिखाई दिए हैं। हाल के एमएलसी चुनावों में वाराणसी और लखनऊ जैसी सीटों पर पार्टी को मिली हार को भी सवर्ण असंतोष के संदर्भ में देखा जा रहा है। इसलिए बीजेपी के लिए यह महज एक शैक्षणिक नियम का विवाद नहीं, बल्कि अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाने की लड़ाई बन गया है। उत्तराखंड में भी यह मुद्दा कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां सवर्ण मतदाताओं का राजनीतिक प्रभाव है और बीजेपी का परंपरागत समर्थन आधार भी इसी सामाजिक समीकरण से जुड़ा रहा है। यूजीसी विवाद को लेकर नाराजगी अगर चुनावी मुद्दा बनती है तो कांग्रेस को बीजेपी के खिलाफ सवर्ण असंतोष को भुनाने का अवसर मिल सकता है।

जरूरी विस्तार: दीपावली से पहले अग्निवीरों को मिली उम्मीद की रोशनी

ज्योति भास्कर

दीपावली की रोशनी से देशभर में जहां उल्लास का माहौल है, वहीं केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेवा से बाहर होने वाले 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देते हुए उन्हें योग्यता के आधार पर स्थायी सैनिक बनने का एक और अवसर देकर उनके लिए उम्मीद की रोशनी जगाई है।



इस फैसले के तहत पहले चार वर्ष की सेवा पूरी करने वाले 25 प्रतिशत अग्निवीरों को पहले की तरह योग्यता के आधार पर नियमित किया जाएगा, जबकि शेष 75 प्रतिशत को दो वर्ष की अतिरिक्त सेवा के बाद नियमित सैनिक बनने का एक और अवसर मिलेगा। यह स्वागतयोग्य इसलिए है कि इससे जहां सेना को 'अनुभवी जनशक्ति' का लाभ मिलेगा, वहीं इससे यह संदेश भी जाता है कि सरकार का रवैया अड़ियल नहीं है और वह चिंताओं तथा जमीनी वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर योजना में सुधारात्मक बदलाव करने के लिए तैयार है।

गौरतलब है कि अग्निपथ योजना के मूल प्रावधानों के तहत चार वर्ष की सेवा के बाद तीन-चौथाई प्रशिक्षित जवानों को सेना से बाहर होना था। इससे एक ओर इन अग्निवीरों के सामने रोजगार और भविष्य को लेकर अनिश्चितता थी, तो दूसरी ओर सेना के पास प्रशिक्षित एवं अनुभवी जवानों को बनाए रखने की चुनौती। अब अतिरिक्त सेवा से सेना को अधिक परिपक्व और प्रशिक्षित जवानों की सेवाएं मिल सकेंगी। साथ ही, अग्निवीरों को भी अपनी क्षमता साबित करने का एक और अवसर मिलेगा। इससे उनके कॅरिअर की संभावनाएं बेहतर होंगी, बशर्ते वे सेना के निर्धारित मानदंडों पर खरे उतरें। भले ही आलोचक इसे आगामी चुनावों के मद्देनजर सरकार पर बढ़ते दबाव का परिणाम या नीतिगत यू-टर्न बता रहे हों, पर किसी योजना में अनुभवों के आधार पर बदलाव करना कमजोरी नहीं है। जैसा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने बताया कि यह फैसला पहले बैच के अग्निवीरों के प्रदर्शन, उनके अनुशासन, शारीरिक दक्षता और तकनीकी कौशल के आकलन के बाद सेना की सिफारिश पर लिया गया है।

स्पष्ट है कि सुरक्षा प्राथमिकताओं और सैन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। जाहिर है, भविष्य सुरक्षित होने से अब देश के युवाओं के बीच अग्निवीर योजना की स्वीकार्यता और लोकप्रियता बढ़ सकती है। यही नहीं, इससे युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुसार भारतीय सेना को युवा, तंदुरुस्त और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने में मदद मिलेगी, जो रक्षा बलों की दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों के लक्ष्य के मुताबिक है।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..

उमेश चतुर्वेदी

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम 1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।



भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही है। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की। घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है। मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

राष्ट्रपति बनने के लिए जेडी वेंस ने पकड़ी ट्रंप से अलग राह? अमेरिका में होने वाला है खेल!

वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बयान आया। इस बीच मंत्री पद नहीं छोडूंगा। रूबियो कह रहे हैं ट्रंप के साथ ही काम करता रहूंगा। राष्ट्रपति पद की तैयारी नहीं कर रहा हूं। 2028 के चुनाव पर बात नहीं करूंगा। ये रूबियो कह रहे हैं। लेकिन बड़ी खबर यह है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनावों में जेडी वेंस उम्मीदवार बन सकते हैं और वेंस अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। फिलहाल ट्रंप ने वेंस को उम्मीदवार नहीं बताया । लेकिन जेडी वेंस के बयानों से मायने निकाले जा रहे हैं। वेंस ने कहा था ईरान युद्ध से मिड टर्म में रिपब्लिकन हारे हैं। तो अब सवाल यह है कि क्या जेडी वेंस राष्ट्रपति बनने का ख्वाब देख रहे हैं। वेंस के बयानों को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी में वेंस और मार्को रूबियो के बीच संभावित मुकाबले की चर्चा भी है। ट्रंप ने अभी तक 2028 के लिए किसी उम्मीदवार का नाम आधिकारिक तौर पर तय



नहीं किया है।

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि वेंस चुनाव लड़ेंगे या नहीं यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि वेंस के सामने चुनौती भी है रवि कि वह समर्थकों का भरोसा बनाए रखते हुए अलग पहचान बनाएं और हार के बाद वेंस निराश मतदाताओं का नया दक्षिणपंती गठबंधन बनाने की भी कोशिश में है। हालांकि बड़ी बात यह है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में संभावित उम्मीदवारी के लिए खुद को तैयार जेडी वेंस कर रहे हैं। लेकिन सवाल यही है कि अगर युद्ध की नीतियों के खिलाफ ट्रंप की युद्ध नीतियों के खिलाफ थे तो इस अभी तक के चलाए गए ऑपरेशन में जिम्मेदारी आपकी भी बनती। इस पूरे मामले में अगर देखा जाए तो वेंस को कहीं ना कहीं एक मॉडरेट फेस के तौर पर हमेशा पेश किया गया। जेडी वेंस को बार-बार ये बीच में लाकर जरूर दिखाने की कोशिश की गई कि वो युद्ध नहीं बीच का रास्ता अपनाना चाहते हैं। लेकिन क्या वाकई में वो ऐसा चाहते थे? इन नीतियों की वजह से ऐसा लग रहा है कि कल को अगर कैंडिडेट बन भी जाए तो इनके लिए असंभव है जीत पाना प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में 2028 में।

अमेरिका ने पॉलिसी अपनाई थी ईरान के लिए। जेडी वेंस थोड़ा सॉफ्ट है। बाकियों को हार्ड लाइनर रखा है। तो ईरान को दोनों तरह से प्रेशर डालने की कोशिश की। दूसरी बात इसी वजह से जेडी बैंस की जो इमेज है आज की तारीख में वो मॉडरेट के तौर पर निकल के आ रही है। शायद मुझे ये लग रहा है रवि के इस समय में अमेरिका की जनता यही चाह रही होगी कि लेकिन उन्होंने सर बड़ा बड़ा सवाल ये है कि इस छवि का फायदा क्या हुआ जे डी वंस का मनीष क्या फायदा हुआ जे डी वंस को मतलब कुल मिलाकर उनका अगर कल को वो प्रेसिडेंशियल इलेक्शन लड़ते भी हैं।

ट्रंप की धमकी के बीच ईरान ने अमेरिका को भेजा सात शर्तों के साथ परमाणु प्रस्ताव, क्या थमेगा युद्ध?

वाशिंगटन



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ईरान पर हमले करने ताजा धमकी के बीच एक अछी खबर आ रही है। ईरान ने बातचीत के लिए अमेरिका को परमाणु प्रस्ताव भेजा है। ईरान के द्वारा अमेरिका को भेजे गए प्रस्ताव की पुष्टि समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने की है। उन्होंने वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से ये जानकारी दी है कि प्रस्ताव कतर के जरिए भेजे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा इस्लामिक गणराय (ईरान) को पूरी तरह बर्बाद कर देने की हालिया धमकी के बीच ईरान के शांति प्रस्ताव से दुनिया में मची हलचल में राहत की उम्मीद की जा रही है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया है कि यह प्रस्ताव कतर के जरिए भेजा गया है। इस पर तभी चर्चा की जाएगी जब वाशिंगटन, तेहरान की सात शर्तों को मान लेगा। अपना नाम न बताने की शर्त पर बात अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि वाशिंगटन इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी, मोहसेन रेजाई ने इस हफ्ते की शुरुआत में बातचीत पर साफ-साफ कहा था कि कूटनीति के मुद्दे पर, हमने अमेरिकियों के सामने सात शर्तें रखी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक वे हमारी इन सात शर्तों को पूरा नहीं करते, तब तक न तो हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) खोलेंगे और न ही किसी प्रकार की वार्ता होगी।

ईरान की ओर से शर्तों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है, लेकिन खलीज टाइम्स ने इसको लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। उस रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान की मांगों में ये बातें शामिल हो सकती हैं- लेबनान सहित अन्य जगहों पर चल रही शत्रुता को पूरी तरह खत्म करना, ईरानी बंदरगाहों पर से अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाना, ईरान पर लगे प्रतिबंधों को खत्म करना, ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को जारी करना, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति कम करना, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा देना और ईरानी क्षेत्र पर अमेरिकी हमलों को रोकना। इधर इन सबके बीच से अमेरिकी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। वाशिंगटन ने कहा है कि परमाणु मुद्दों को किसी भी शुरुआती बातचीत का हिस्सा होना चाहिए।

पुतिन ने ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव रेजाई से मुलाकात की



मॉस्को (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में ईरान के सर्वोच राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई से मुलाकात की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को यह जानकारी दी। श्री पेसकोव ने कहा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरानी सर्वोच राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई से क्रेमलिन में मुलाकात की, जो अभी मॉस्को में हैं। आईआरआईबी ने बताया कि श्री रेजाई ने श्री पुतिन को सर्वोच नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश दिया, लेकिन संदेश की जानकारी नहीं दी। गत दो नवंबर को मीडिया ने बताया कि श्री पुतिन और श्री रेजाई ने फोन पर पश्चिम एशिया के हालात और दूसरे मुद्दों पर बात की।

रूस का यूक्रेन पर हमला, ऊर्जा केंद्र और मालवाहक जहाज को बनाया निशाना

मॉस्को (वार्ता)। रूसी सेना ने गुरुवार रातभर यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं और यूक्रेनी सेना की मदद में इस्तेमाल किए जाने वाले मालवाहक जहाजों पर हमले किए।रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।मंत्रालय के अनुसार इन हमलों में कीव क्षेत्र के बिला त्सेरकवा में स्थित बैटरी भंडारण केंद्र को निशाना बनाया गया। ओडेसा बंदरगाह पर यूक्रेन के लिए दोहरे इस्तेमाल का सामान लेकर जा रहे एक सूखा मालवाहक जहाज पर भी हमला किया गया है।इससे पहले रूसी सशस्त्र बलों ने ओडेसा क्षेत्र में यूक्रेनी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बंदरगाह के बुनियादी ढांचे और सैन्य उपयोग से जुड़ा सामान ले जाने वाले समुद्री जहाजों पर ड्रोन हमले जारी रखे थे।

तुर्की की संसद ने मक्का रक्षा समझौते को दी मंजूरी

अंकारा (वार्ता)। तुर्की की संसद ने तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते को मंजूरी दे दी है।संसद ने गुरुवार को बताया कि विधेयक के पक्ष में 279 सांसदों ने मतदान किया, जबकि 119 सांसदों ने इसके विरोध में वोट दिया। किसी भी सांसद ने मतदान से दूरी नहीं बनाई। संसद ने कहा, विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। यह समझौता तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन के हस्ताक्षर के बाद लागू होगा। उल्लेखनीय है कि मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर इस साल सात अगस्त को सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने हस्ताक्षर किए थे। समझौते की शर्तों के अनुसार, तीनों हस्ताक्षरकर्ता देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

दिल्ली में औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़कर 370 पर पहुंचा

नयी दिल्ली, (वार्ता)

राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार सुबह औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 370 पर पहुंच गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है जबकि कई निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी सबसे प्रदूषित इलाका रहा, जहां एक्यूआई 459 दर्ज किया गया। इससे त्योहार के दौरान वायु गुणवत्ता में और गिरावट आने की आशंका बढ़ गयी है। लगातार चौथे दिन घने धुंध ने राष्ट्रीय राजधानी को अपनी चपेट में लिए रखा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी निगरानी आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 10 निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया। अलीपुर, बवाना और पंजाबी बाग सहित कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा। आंकड़ों के अनुसार, 59 निगरानी केंद्रों में से 18 पर वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि 36 केंद्रों पर यह बहुत खराब श्रेणी में रही। अधिकांश स्थानों पर पीएम2.5 प्रमुख प्रदूषक पाया गया, जबकि कुछ निगरानी केंद्रों पर पीएम10 प्रदूषण का मुख्य कारण रहा।इस स्थिति ने पहले से बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर दिवाली समारोहों के संभावित प्रभाव को लेकर नयी चिंताएं पैदा कर दी हैं। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने संकेत दिया है कि त्योहार और पटाखों के संभावित इस्तेमाल के बीच छह और सात नवंबर को दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। उचतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री और उन्हें जलाने की अनुमति दो दिन सात और आठ नवंबर के लिए दी है। अदालत ने कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं कि केवल पूर्ण प्रतिबंध से क्षेत्र की बार-बार होने वाली प्रदूषण की समस्या का समाधान हो सकता है।

तवांग मठ में 21,000 श्रद्धालुओं ने शाक्यमुनि बुद्ध के अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली, (वार्ता)। शाक्यमुनि बुद्ध के पवित्र अवशेषों पर प्रार्थना करने और श्रद्धांजलि देने के लिए अब तक 21,000 से अधिक भक्तों ने गादेन नामग्याल ल्हात्से पहुंचे हैं। संस्कृति मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार तवांग और अरुणाचल प्रदेश के पड़ोसी क्षेत्रों के भक्त पवित्र अवशेषों की उपस्थिति में आशीर्वाद लेने के लिए मठ में एकत्र हो रहे हैं। तवांग मठ में महात्मा बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी सात नवंबर, तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी का विशेष ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व है क्योंकि पवित्र अवशेष 13 वर्षों के बाद अरुणाचल प्रदेश लौटे हैं। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली से लाए गए ये अवशेष बौद्ध भिक्षुओं, ननों, भक्तों और आम जनता को शाक्यमुनि बुद्ध के पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि देने और देश की समृद्ध बौद्ध विरासत के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। उनकी खोज बौद्ध धर्म के पुरातात्विक इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में संरक्षित, अवशेष बौद्ध समुदायों के लिए अत्यधिक ऐतिहासिक, पुरातात्विक और आध्यात्मिक महत्व रखते हैं. बौद्ध धर्म की समृद्ध विरासत को उजागर करने के लिए तवांग मठ में दो विशेष प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया गया है।

ट्रंप ने यूरोप को शामिल करते हुए बड़े शांति समझौते की तैयारी का किया एलान

वाशिंगटन (वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े पैमाने पर शांति समझौते की तैयारी की घोषणा की है। यह समझौता यूक्रेन संघर्ष से आगे बढ़कर पूरे यूरोप को शामिल कर सकता है। श्री ट्रंप ने कहा, एक समझौता होने जा रहा है। यह बड़ा समझौता होगा और इसमें केवल यूक्रेन ही नहीं, बल्कि इससे कहीं अधिक शामिल होगा। मैं यहां तक कह सकता हूं कि इसमें पूरा यूरोप शामिल हो सकता है। यह एक बड़ा और शानदार समझौता होगा तथा हर कोई इससे खुश होगा। रूस, अमेरिका और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय वार्ता 10 और 11 नवंबर को अबू धाबी में होने वाली है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी पक्ष की ओर से राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वार्ता में शामिल होंगे।

अमेरिकी दूत कुशनर ने अगले सप्ताह अबू धाबी में होने वाली त्रिपक्षीय वार्ता से पहले अमेरिका की शांति रणनीति का खाका पेश किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसे व्यावहारिक और आपसी सहमति से तय किए गए उपायों की दिशा में काम करेगा, जिनसे भविष्य में संघर्ष का खतरा कम किया जा सके। अमेरिकी रूपरेखा के प्रमुख बिंदुओं में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और यूरोप के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था तैयार करना शामिल है।

उत्तर प्रदेश के किसानों और आपदा पीड़ितों के लिए मुआवजा दोगुना, फसल और पशुधन नुकसान पर राहत राशि में भारी बढ़ोतरी

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे राय के किसानों, पशुपालकों और आम नागरिकों को एक बहुत बड़ी राहत दी है। राय सरकार ने आपदा राहत ढांचे के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। इस नए और संशोधित प्रावधान के तहत प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को मिलने वाली मुआवजा राशि को सीधे तौर पर दोगुना यानी 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया गया है। इस बड़े फैसले से उत्तर प्रदेश के लगभग 10 लाख से अधिक किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार के ये नए और संशोधित नियम 1 अप्रैल से 4 नवंबर, 2026 के बीच हुई आपदाओं और नुकसान पर प्रभावी रूप से लागू होंगे। यह पूरी सहायता राशि राय आपदा प्रतिक्रिया कोष और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत वितरित की जाएगी। राय सरकार द्वारा घोषित सबसे बड़े बदलावों में से एक, प्राकृतिक आपदा में किसी सदस्य को खोने वाले परिवारों को मिलने वाले मुआवजे से जुड़ा है। आर्थिक सहायता को 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे ऐसी त्रासदियों का सामना कर रहे परिवारों को अतिरिक्त सहारा मिलेगा। सरकार ने पशुओं की मौत पर मिलने वाले मुआवजे की दरों में भी बदलाव किया है, जिससे किसानों और पशुपालकों को अधिक सहायता मिल सकेगी।

नए नियमों के अनुसार, बड़े जानवरों की मौत पर मुआवजा 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया है। बकरी, भेड़ और सूअर जैसे छोटे जानवरों के लिए सहायता राशि 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये कर दी गई है। इसी तरह, घोड़ा और खच्चर जैसे बोझ ढोने वाले जानवरों की मौत पर मिलने वाला मुआवजा 20,000 रुपये से बढ़ाकर 25,400 रुपये कर दिया गया है। पोल्ट्री (मुर्गी पालन) करने वाले किसानों को अब प्रति मुर्गी 100 रुपये के बजाय 130 रुपये मिलेंगे।

आपदा राहत के इस संशोधित ढांचे के तहत, प्राकृतिक आपदाओं के कारण कृषि क्षेत्र में होने वाले नुकसान के लिए अब अधिक मुआवजा दिया जाएगा। इस बढ़ोतरी से उन किसानों को फायदा होने की उम्मीद है, जिनकी फसलें बाढ़, अत्यधिक बारिश और अन्य आपदाओं के कारण बर्बाद हो गई हैं।

प्रति हेक्टेयर मुआवजे की संशोधित दरें इस प्रकार हैं-

सिंचित कृषि भूमि- 17,000 रुपये से बढ़ाकर 22,000 रुपये की गई।

बारिश पर निर्भर (असिंचित) कृषि भूमि- 8,500 रुपये से बढ़ाकर 11,000 रुपये की गई।

बारहमासी फसलें और कृषि-वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री)- 22,500 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये की गई।

सरकार ने रेशम उत्पादन में होने वाले नुकसान के लिए भी सहायता राशि बढ़ाई है, जिससे रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को अतिरिक्त मदद मिलेगी। एरी, शहतूत (मलबेरी) और टसर रेशम उत्पादन के लिए मुआवजा 6,000 रुपये से बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है। मूंगा रेशम उत्पादन के लिए सहायता राशि 7,500 रुपये से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। जिन किसानों की कृषि भूमि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुई है, उन्हें भी संशोधित नियमों के तहत बढ़ी हुई आर्थिक सहायता मिलेगी। कृषि भूमि पर जमा हुई गाद (सिल्ट) को हटाने के लिए मुआवजा 18,000 रुपये से बढ़ाकर 23,000 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है। इसी तरह, भूस्खलन और हिमस्खलन से क्षतिग्रस्त भूमि के लिए सहायता राशि 47,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। संशोधित ढांचे में प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापित हुए परिवारों के लिए भी प्रावधान शामिल हैं। राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवार 30 दिनों तक सहायता पाने के हकदार होंगे। सूखे की स्थिति में, सरकार ने 90 दिनों तक पीने के पानी की सहायता देने का प्रावधान किया है। इन संशोधित नियमों में क्षतिग्रस्त घरों, स्कूलों, सड़कों और अस्पतालों की मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता भी शामिल है, जिससे आपदा राहत का दायरा कृषि और पशुधन से आगे बढ़ गया है।

क्षतिग्रस्त घरों और शिक्षण संस्थानों के लिए मुआवजे में बढ़ोतरी संशोधित प्रावधानों के तहत, जिन परिवारों के घर प्राकृतिक आपदाओं में पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें मैदानी इलाकों में 1.85 लाख रुपये और पहाड़ी क्षेत्रों में 2.06 लाखकी सहायता मिलेगी। मैदानी इलाकों में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए मुआवजा 93,000 रुपये तय किया गया है। सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित शिक्षण संस्थानों के बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में भी वृद्धि की है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

दो नेशनल अवार्ड जीतने वाले अभिनेता संजीव कुमार का 47 की उम्र में हुआ था निधन



आज ही के दिन यानी की 06 नवंबर को हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता संजीव कुमार का निधन हो गया था। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए बड़े पर्दे पर एक ऐसी अमिट लकीर खींची, जिसको समय की धूल भी धुंधली नहीं कर पाई है। अभिनेता संजीव कुमार अपने हर किरदार में जान फूंक देते थे। उनका यह सफर जितना जादुई और सम्मोहक था, उतना ही यादा संघर्ष भरा भी रहा था। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर अभिनेता संजीव कुमार के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

गुजरात के सूरत में 09 जुलाई 1938 को संजीव कुमार का जन्म हुआ था। उनका असली नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला था। वैसे तो वह गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन उनका परिवार बाद में मुंबई आकर बस गया था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरूआत थिएटर से की थी। साल 1960 में संजीव कुमार ने फिल्म हम हिंदुस्तानी से बॉलीवुड में कदम रखा था। संजीव कुमारी की बहुमुखी प्रतिभा ने उनको हर तरह के किरदार निभाने में माहिर बना दिया था। वह ड्रामा, कॉमेडी और गंभीर किरदारों जान फूंकना बखूबी जानते थे। फिर साल 975 में आई फिल्म शोले में उन्होंने ठाकुर का रोल निभाकर हर किसी के दिल में अपनी खास जगह बनाई थी। फिल्म आंधी में भी अभिनेता की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था।

इसके अलावा संजीव कुमार ने अंगूर, कोशिश, नमकीन, आंधी, त्रिशूल, संघर्ष और खिलौना जैसी फिल्मों में काम किया है। अभिनेता ने करीब 100 से यादा फिल्मों में काम किया था और कई पुरस्कार भी जीते थे। इसमें दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल हैं।

अपनी एक्टिंग का सादगी से लाखों दिलों पर राज करने वाले अभिनेता संजीव कुमार असल जिंदगी में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी पर दिल हार बैठे थे। वह हेमा मालिनी का हाथ मांगने के लिए उनके घर भी गए, लेकिन अभिनेत्री की मां ने अपनी बिरादरी का हवाला देते हुए इस रिश्ते से इंकार कर दिया था।

इसके बाद संजीव कुमार इस कदर टूटे कि उन्होंने ताउम्र शादी न करने का फैसला कर लिया। वहीं संजीव कुमार ने खुद पर जान लुटाने वाली सुलक्षणा पंडित के प्यार को भी ठुकरा दिया था।

वहीं 06 नवंबर 1985 को 47 साल की उम्र में अभिनेता संजीव कुमार ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

रामायणम ने बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास, पहले दिन दुनियाभर में कमाए 155 करोड़ रुपये



फिल्म रामायणम ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए इतिहास रच दिया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी और नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन दुनियाभर में 155 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इसके साथ ही यह दिवाली से पहले रिलीज होने वाली भारतीय फिल्मों में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। प्राइम फोकस स्टूडियो और रॉकिंग स्टार यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित रामायणम पार्ट वन पांच नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में हैं। फिल्म के जरिए भारतीय संस्कृति की सदियों पुरानी महागाथा को भव्य सिनेमाई स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म की 155 करोड़ रुपये की वैश्विक ओपनिंग को दिवाली से पहले भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी शुरुआत बताया जा रहा है। इससे पहले दिवाली के आसपास रिलीज हुई फिल्मों के लिए पहले दिन का सर्वाधिक अखिल भारतीय नेट कलेक्शन 40 करोड़ रुपये और दुनियाभर का ग्रॉस कलेक्शन 94 करोड़ रुपये रहा था। आमतौर पर दिवाली से ठीक पहले का समय फिल्मों की रिलीज के लिहाज से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इस दौरान लोग घरों की साफ-सफाई, सजावट, खरीदारी और त्योहार की तैयारियों में व्यस्त रहते हैं। इसके कारण सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या प्रभावित होती है। हालांकि, रामायणम ने इस धारणा को तोड़ते हुए पहले ही दिन दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचने में सफलता हासिल की।

एक-दूसरे की आंखों में डूबे ऐश्वर्या-अभिषेक, हाथ थामे दीवाली पार्टी में ली एंट्री



ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्ते को लेकर एक लंबे समय से सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे थे। कभी उनके रिश्ते में अनबन की खबरे आईं, तो वहीं कईयों ने तो उनके तलाक तक की अफवाह उड़ा दी। इन सभी रूमर्स पर अब ऐश्वर्या और अभिषेक ने ट्रोलर्स को ऐसा जवाब दिया है, जिससे उनकी बोलती बंद हो जाएगी। बीती रात मुंबई में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपने बांद्रा स्थित घर पर दीवाली पार्टी रखी। जिसे अटेंड करने के लिए कई बड़े सितारे पहुंचें। हालांकि, इन सभी सितारों में जिस कपल ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा , वो थे ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक, जो हाथों में हाथ डाले एक साथ पहुंचे थे। मनीष मल्होत्रा की दीवाली पार्टी से ऐश्वर्या और अभिषेक की कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में अभिषेक बच्चन रेड कारपेट पर ऐश्वर्या का हाथ थामे दिखाई दिए। जब फोटोग्राफर्स ने कपल को पोज करने के लिए कहा, तो कभी अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या के कंधे पर हाथ रखे दिखे, तो कभी एकटक अपनी ब्यूटीफुल वाइफ की खूबसूरत आंखों में देखते रहे।

सालों की शादी के बाद अभिषेक बच्चन का वहीं प्यार भरा अंदाज देखने के बाद ऐश्वर्या राय की स्माइल थमने का नाम नहीं ले रही थीं। जब अभिषेक ने प्यार से उनके कंधे पर हाथ रखा, तो बड़े ही प्यार से ऐश्वर्या राय ने भी उनके शोल्डर पर अपना सिर टिका दिया। जब पैपराजी ने ऐश्वर्या से मनीष मल्होत्रा के घर में एंट्री करते हुए सोलो फोटो मांगी, तो अभिनेत्री ने इशारों में ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया।

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की इन प्यार भरी फोटोज को देखने के बाद लोग अपनी एक्साइटमेंट को रोक नहीं पा रहे हैं। कई फैंस तो लंबे समय बाद कपल को इस तरह से साथ में देखकर काफी भावुक हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, इन दोनों को जरा देखो, कितने प्यारे लग रहे हैं साथ में। भगवान करें कि इन्हें किसी भी तरह की नजर न लगे।

ऐश्वर्या राय ने इस खास मौके पर लाल सुर्ख साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वह बेहद ही खूबसूरत लग रही थीं। उनके लुक की तारीफ करते हुए दूसरे यूजर ने लिखा, मैं ऐश्वर्या पर से आंखें नहीं हटा पा रहा हूं। दोनों बहुत ही खूबसूरत लग रहे हैं। अन्य यूजर ने लिखा, ऐश्वर्या का चेहरा देखकर अच्छा लग रहा है, वो सच में अभिषेक के साथ ऐसे आकर कितनी खुश हैं।

सुनवारा में शासकीय जमीन खाली कराने पहुंचे राजस्व अमले के सामने हंगामा

शिकायतकर्ताओं और आम जनता को धमकाने का आरोप

भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा एवं युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल के परिजनों पर सरकारी जमीन पर कब्जे के आरोप, 4 नवंबर 2026 को राजस्व अमले की कार्रवाई के दौरान हुआ विवाद





पवन कुमार अहिरवार

धनौरा स्वतन्त्रमत - सिवनी जिले की धनोरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनवारा इन दिनों शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर सुर्खियों में है। ग्राम में शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले में दैनिक अखबार स्वतंत्रमत के प्रतिनिधि पवन कुमार अहिरवार के द्वारा आवाज उठाए जाने के बाद राजस्व विभाग ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के अनुसार, 04 नवंबर 2026 को धनोरा राजस्व निरीक्षक (आर आई) पंकज मेश्राम एवं संबंधित पटवारी शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए ग्राम सुनवारा पहुंचे थे। इसी दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा एवं भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल पर आरोप है कि उन्होंने स्कूल की शासकीय भूमि पर खड़े होकर राजस्व अमले के सामने शिकायतकर्ताओं एवं आम जनता के साथ गाली-गलौज की तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किए जाने की बात सामने आई है। इस घटनाक्रम के बाद ग्राम में आक्रोश और चर्चा का माहौल है। सवाल यह है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत करने वाले नागरिकों को यदि खुलेआम धमकियों का सामना करना पड़ेगा, तो आम आदमी अपनी शिकायत लेकर प्रशासन के पास कैसे पहुंचेगा?

दान में दी गई जमीन वापस मांगने का अधिकार कितना वैधानिक?

मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा द्वारा कथित तौर पर कहा गया कि पुलिस चौकी एवं उपस्वास्थ्य केंद्र उनकी ओर से दान की गई जमीन पर बने हुए हैं और वह जमीन उन्हें वापस की जाए। इस कथित बयान ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या शासन को दान की गई भूमि दानदाता अपनी इच्छा से वापस मांग सकता है।

यदि किसी व्यक्ति ने विधिवत दानपत्र के माध्यम से भूमि शासन को दान कर दी है और शासन ने उसे स्वीकार कर लिया है, तो क्या दानदाता को उस भूमि पर दोबारा अधिकार मिल सकता है? क्या शासन भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा की मांग पर पुलिस चौकी एवं उपस्वास्थ्य केंद्र की जमीन वापस कर देगा। कानूनी रूप से दान की गई संपत्ति को केवल दानदाता की इच्छा से वापस नहीं लिया जा सकता। इसके लिए भारतीय संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों और दानपत्र में दर्ज शर्तों के आधार पर ही निर्णय लिया जा सकता है। ऐसे में प्रशासन को संबंधित दानपत्र एवं राजस्व रिकॉर्ड की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

राजस्व अमले के सम्मान और शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा का सवाल

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल धनोरा तहसील प्रशासन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। यदि राजस्व निरीक्षक और पटवारी शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंचे थे, तो उनके सामने कथित गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में प्रशासन क्या कार्रवाई करेगा?

क्या धनोरा तहसीलदार राजेन्द्र तेकाम राजस्व अमले के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को लेकर पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे? क्या शिकायतकर्ताओं एवं आम नागरिकों को जान से मारने की कथित धमकी देने के मामले में एफ आई आर दर्ज कराने की पहल होगी?

अब देखना यह है कि धनोरा तहसीलदार और जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। क्या शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ-साथ शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी या फिर राजनीतिक रसूख के सामने प्रशासनिक कार्रवाई कमजोर पड़ जाएगी? ग्राम सुनवारा का यह मामला अब केवल अतिक्रमण का नहीं, बल्कि सरकारी जमीन की सुरक्षा, प्रशासनिक अधिकारियों के सम्मान और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा सवाल बन गया है।



यूनिवर्सल कंप्यूटर एकेडमी एवं शेमरोक जैक एंड जिल स्कूल में दीपावली मिलन समारोह आयोजित

रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी की सीर्थी मालवीय ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

सिवनी। स्वतंत्र मत। स्वर्गीय श्री अभय बी. निगम की कर्मभूमि यूनिवर्सल कंप्यूटर एकेडमी एवं शेमरोक जैक एंड जिल स्कूल में दीपावली के पूर्व शिक्षक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था की संचालक श्रीमती शेफाली निगम, शिवम निगम एवं समस्त स्टाफ ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान विद्यालय के बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी की सीर्थी मालवीय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रा को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं अन्य प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए पुरस्कार एवं मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से दीपावली के पर्व पर आपसी सद्भाव, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया गया।

जीआई प्राप्त सिवनी सीताफल की महानगरों में मांग, दुबई तक पहुंचा स्वाद

सिवनी। स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने गुरुवार को छपारा विकासखंड के ग्राम खैरमाटाकोल पहुंचकर जिले के जीआई प्राप्त सीताफल के एफपीओ सदस्यों एवं ग्रामीणों से भेंट की। उन्होंने क्षेत्र में उत्पादित होने वाले सीताफल के विशिष्ट स्वाद एवं आकार, उत्पादन की स्थिति तथा बाजार में इसकी मांग के संबंध में जानकारी ली। एफपीओ अध्यक्ष ने कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार को बताया कि सिवनी के सीताफल की मांग स्थानीय एवं आसपास के बाजारों के साथ महानगरों में भी है। इसकी विशिष्ट गुणवत्ता और स्वाद के कारण इसे अन्य क्षेत्रों में भी पसंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सिवनी के सीताफल का दुबई तक निर्यात किया गया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने सीताफल के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर सीताफल से विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार किए जाने से उत्पाद का मूल्यवर्धन होगा और किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे।

संजय सरोवर परियोजना की नहरों से रबी फसल के लिए शीघ्र मिलेगा सिंचाई जल

कृषक भाई रबी फसल में मक्का की बुआई न करें, निर्धारित नियमों के अनुरूप करें कम पानी वाली फसलों का चयन



सिवनी। स्वतंत्र मत। संजय सरोवर वृहद परियोजना के सिंचित क्षेत्र के समस्त कृषक बंधुओं को सूचित किया गया है कि वर्ष 2026-27 में रबी फसल की सिंचाई के लिए परियोजना की नहरों के माध्यम से निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार शीघ्र ही जल प्रदाय प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में जिला जल उपयोगिता समिति सिवनी की बैठक में आवश्यक निर्णय लिया गया है। सिंचाई जल का प्रदाय मध्यप्रदेश सिंचाई अधिनियम 1974 के नियम 100 एवं 105 तथा शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अधीन किया जाएगा। कार्यपालन यंत्री, तिलवारा बांयी तट नहर संभाग केवलारी द्वारा बताया गया कि वर्ष 2026-27 में रबी फसल के लिए कुल 73 हजार 880 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है। कृषि प्रयोजन के अंतर्गत रबी फसल के लिए पलेवा हेतु केवल दो पानी निर्धारित किए गए हैं। कृषकों से अपील की गई है कि वे उपलब्ध सिंचाई जल का उपयोग निर्धारित प्रावधानों के अनुसार करें तथा जल के समुचित उपयोग में सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मक्का खरीफ मौसम की फसल है तथा मध्यप्रदेश शासन की कृषि प्रयोजन संबंधी जल दर अनुसूची में रबी फसल के अंतर्गत मक्का का उल्लेख नहीं है। इस कारण रबी मौसम में मक्का की खेती प्रस्तावित नहीं की जा सकती। अत: सभी कृषक बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि वे रबी मौसम में मक्का की बुआई न करें तथा उपलब्ध जल की मात्रा को ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को प्राथमिकता दें।

भीमगढ़ दांयी तट नहर के टेल क्षेत्र के ग्राम अलोनीखापा, भादूटोला, पीपरदीन, ओला, कुम्हडा, बगलई, डोकरांजी, सरेखा, परासपानी, पांजरा, मोहगांव, लालोपार, जामुनपानी, मुनगापार, खैरी, मलारी, बिनेकी, कोहका, कछारी एवं मैरा पिपरिया के कृषकों को विशेष रूप से कम पानी वाली फसलों की बुआई करने की सलाह दी गई है।

इसी प्रकार तिलवारा बांयी तट नहर के टेल क्षेत्र के ग्राम खैरी, मलारी, पुतर्रा, किमांची, देहवानी, बुधवारा, डुगरिया, कोहका, रायखेड़ा, चंदनखेड़ा, तिदुआ, सालीवाड़ा, खैररांजी, ग्वारी, केवलारी खेड़ा, बक्सी, बबरिया, छौदा, बिछुआ, खुरसीपार एवं माल्हनवाड़ा के कृषकों से भी गेहूं, चना, तेवड़ा, मसूर एवं बटरा जैसी कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों की बुआई करने का आग्रह किया गया है।

विभाग द्वारा सभी कृषक बंधुओं से अपील की गई है कि वे सिंचाई जल की उपलब्धता एवं निर्धारित जल प्रदाय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए फसलों का चयन करें। नहरों के सुचारू संचालन एवं सिंचाई व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन के लिए विभाग के साथ सामंजस्य बनाए रखें तथा जल का अपव्यय न करते हुए निर्धारित नियमों का पालन करें। इससे सिंचित क्षेत्र के सभी कृषकों को उपलब्ध जल का लाभ सुनिश्चित करने में सहयोग मिलेगा।

नपा अध्यक्ष ने सुभाष वार्ड में भ्रमण कर सुनी जनता की समस्याऐं



सिवनी। स्वतंत्र मत। आज दिनांक 06 नवम्बर 2026 को सिवनी नगरीय क्षेत्र के सुभाष वार्ड क्रमांक 11 में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा वार्ड पार्षद श्रीमति निधि मोंटू दुबे एवं निकाय के अधिकारियों के साथ वार्ड में भ्रमण कर वार्ड के नागरिको की समस्याओं को सुना एवं उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश निकाय की संबंधित शाखा प्रभारी को दिये गये। विदित होवे कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मान. डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में समूचे मध्यप्रदेश में यह अभियान संचालित है शासन आदेश के परिपालन में नगरपालिका सिवनी में इस अभियान को चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना है। सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई जन आवेदन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है। भ्रमण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा वार्ड में स्वच्छता के लिये जनजागरूकता अभियान चलाया गया एवं वार्ड के नागरिको को खुले स्थानों, खाली प्लाटों एवं नालियो में कचरा न फेकने, गंदगी न करने की समझाईश दी गई तथा पाम्पलेट वितरित किये गये।

बेलटोला में 14 नवंबर को दंगल

सिवनी। स्वतंत्र मत। कुरई विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खांकरा के ग्राम बेलटोला में छठ मेले के अवसर पर 14 नवंबर को ईनामी दंगल का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति ने बताया कि दंगल में अलग-अलग वजन के पहलवानों की प्रतियोगिता होगी। जिसमें वजन का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक रहेगा। कुश्ती 12 बजे प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता में 76 से 85 किलो ग्राम का पुरस्कार 51 हजार है जिसमें विजेता को 30 हजार, उपविजेता को 14 हजार, तृतीय 4 हजार, चतुर्थ 3 हजार, 71 से 75 किलो ग्राम का पुरस्कार 31 हजार रूपए है जिसमें विजेता को 18200, उपविजेता को 7800, तृतीय 3 हजार, चतुर्थ 2 हजार, 66 से 70 किलो ग्राम का पुरस्कार 21 हजार रूपए है जिसमें विजेता को 12300, उपविजेता को 5200, तृतीय 2 हजार, चतुर्थ 15 हजार, 61 से 65 किलो ग्राम का पुरस्कार 15 हजार रूपए है जिसमें विजेता को 8800, उपविजेता को 3700, तृतीय 15 सौ, चतुर्थ एक हजार, 55 से 60 किलो ग्राम का पुरस्कार 11 हजार रूपए है।

पुलिस अधीक्षक सिवनी द्वारा जिले की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित



सिवनी। स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिले की अपराध समीक्षा बैठक समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) की कंट्रोल रूम सिवनी में ली गई। बैठक में दिए गए प्रमुख निर्देश - 1. नशा मुक्ति अभियान-पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट, अवैध शराब एवं ड्रग्स को लेकर अधिक से अधिक प्रभावी कार्यवाही की जाएं। इस पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पूर्णत: प्रतिबंध लगाया जाए।

पटाखा बाजार में डमी फायर सिस्टम मिलने पर 4 दुकानदारों को फटकार



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए एसडीएम कटंगी श्री विजय सिंह यादव ने अस्पताल ग्राउंड में लगाए गए पटाखा बाजार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चार दुकानों पर फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए रखे मिले। वहीं कुछ दुकानदार फायर सिस्टम को ठीक से संचालित भी नहीं कर पाए। इस पर एसडीएम ने संबंधित दुकानदारों को जमकर फटकार लगाई और एक घंटे के भीतर नए फायर सिस्टम लगाने के निर्देश दिए। ऐसा नहीं करने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने पटाखा दुकानों के सामने रखे पानी से भरे ड्रम, आग बुझाने के लिए नगर पालिका द्वारा उपलब्ध कराई गई बालू, फायर एक्सटिंग्विशर, फायर ब्रिगेड एवं पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने दुकानदारों से मौके पर ही फायर एक्सटिंग्विशर चलवाकर उसकी कार्यक्षमता भी जांची। एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि अग्निशमन उपकरण केवल औपचारिकता के लिए नहीं, बल्कि दुकानदारों और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने नगर पालिका एवं थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि आदेश का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।पटाखा बाजार के निरीक्षण के बाद एसडीएम यादव थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुशराम, नगर पालिका सीएमओ, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों के साथ नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने सिनेमा चौक से बस स्टैंड तक यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर दुकानों के सामने बेतरतीब खड़े वाहन और निर्धारित सीमा से बाहर लगी दुकानें देखने को मिलीं।



कलेक्टर आदित्य सिंह से पंचायत सचिव संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन जिला बालाघाट के प्रतिनिधिमंडल ने शक्रवार को रात्रि 7 बजे कलेक्टर आदित्य सिंह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के बालाघाट आगमन पर स्वागत करते हुए उन्हें दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

सीताफल का लालच... और 7 वर्षीय मासूम से दरिंदगी की कोशिश! पांच दिन बाद पुलिस ने भेजा जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के रामपायली थाना क्षेत्र में सात साल की बच्ची के साथ शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। आरोपी ने पहले मासूम को बहलाया-फुसलाया और फिर अपने घर ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने पांच दिन की तलाश के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल पहुंचा दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी पहले भी छेड़छाड़ के मामले में जेल जा चुका है। मामला रामपायली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर की शाम कक्षा पहली में पढ़ने वाली सात वर्षीय बालिका घर के आसपास खेल रही थी।

इसी दौरान 30 वर्षीय सुशील लिल्हारे ने उसे सीताफल खिलाने का लालच दिया और अपने घर ले गया। आरोप है कि यहां उसने मासूम के साथ छेड़छाड़ की। घटना के बाद बच्ची ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी बात बताई। मासूम की आपबीती सुनकर परिजन तत्काल उसे लेकर रामपायली थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए रामपायली पुलिस ने आरोपी सुशील लिल्हारे के खिलाफ बीएनएस की धारा 75(2), 74(1) और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू की। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। आखिरकार पांच दिन बाद, 5 नवंबर को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

स्वदेशी अपनाएं, स्थानीय व्यापारियों को सशक्त बनाएं: भारती

दिवाली पर स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी कर आत्मनिर्भरता का दिया संदेश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने स्थानीय फुटकर व्यापारियों और आजीविका मिशन की महिलाओं से खरीदारी कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। श्रीमती ठाकुर ने बाजार में सड़क किनारे दुकानें लगाकर अपनी आजीविका चलाने वाले छोटे दुकानदारों से दीपावली की सामग्री खरीदी। उन्होंने दीये, झाड़ू, लाई, सिंघाड़े, पूजा-पाठ की सामग्री और रंगोली सहित विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। आजीविका मिशन की बहनों द्वारा लगाई गई दुकानों से भी सामान खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दीपावली की खरीदारी में स्थानीय दुकानदारों और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार से खरीदारी करने से छोटे व्यापारियों और उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है तथा स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलता है। दीपावली खुशियां बांटने का पर्व है और स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी कर हम उनके रोजगार और परिवार की खुशियों में भी योगदान दे सकते हैं। श्रीमती ठाकुर ने नागरिकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि स्टेडियम के सामने आजीविका मिशन की बहनों द्वारा लगाई गई स्वदेशी उत्पादों की दुकानों से अधिक से अधिक खरीदारी करें और उन्हें सशक्त बनाने में सहयोग दें। इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापतिगण समीर जैसवाल, संगीता खगेश कावरे, योगिता विनय बोपचे, संगीता छोटू थापा, उज्ज्वला माडारे, वकील वाधवा और कमलेश पांचे सहित राजेश लिल्हारे, जयेंद्र कटरे, अखिलेश चौरे तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। **धनतेरस पर बालाघाट विधायक ने खरीदे मिट्टी के दीप...**धनतेरस के पावन अवसर पर बालाघाट विधायक ने 6 नवंबर की शाम 4 बजे क़रीब नगर में ग्रामीण अंचलों से आए स्थानीय कारीगरों एवं छोटे व्यापारियों से खरीदारी कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के दीपों और स्वदेशी सामग्रियों की खरीदारी की। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि दीपोत्सव केवल रोशनी और खुशियों का पर्व नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों के मेहनतकश परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण अवसर भी है।



स्थानीय कारीगर पूरे उत्साह से मिट्टी के दीप एवं अन्य सजावटी सामग्री तैयार करते हैं। इनकी बिक्री से अनेक परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीदारी से स्वदेशी को बढ़ावा मिलने के साथ ही छोटे व्यापारियों और कारीगरों के परिवारों की आजीविका भी मजबूत होती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दीपावली पर स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करें और उनके हुनर को प्रोत्साहित करें।

खेल में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है खेल भावना : रघुवंशी







सायना में अठारहवां वार्षिक खेलोत्सव सम्पन्न

एमरल्ड हाउस को मिली बेस्ट हाउस की ट्राफी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सायना इंटरनेशनल स्कूल में अठारहवां वार्षिक खेलोत्सव उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरीश रघुवंशी क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कटनी, विशिष्ट अतिथि सायना एज्यूकेशन सोसायटी की चेयरपर्सन डॉ निधि पाठक एवं विशेष आमंत्रित अतिथि अनुकृति पाठक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष सायना के प्राचार्य डॉ. आदित्य कुमार शर्मा के निर्देशन में खेल महोत्सव आयोजित किया गया। इस खेल महोत्सव में मैनेजमेंट प्रतिनिधि ऋषि अरोरा, सायना किड्स की प्रभारी डॉ भारती शर्मा के साथ अभिभावकों की उपस्थिति विशेष रूप से रही। युवाओं के प्रेरणास्त्रोत एवं विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक (पूर्व मंत्री मप्र शासन) के आगमन से बच्चे अत्यंत उत्साहित हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम क्रीडा नायक यशी गुप्ता द्वारा मशाल लेकर खेल द्वीप प्रज्ज्वलित किया गया। तदोपरांत मुख्य अतिथि द्वारा खेल ध्वज को फ्हराया गया। सायना के हैड बॉय अरिन लोकतंबम की अगुवाई में चारों सदनों द्वारा मार्चपास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। मार्शल आर्ट के छात्रों ने अपना प्रदर्शन कर दर्शकों को प्रभावित किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के उपरांत मास पीटी एवं जुम्बा द्वारा छात्र-छात्राओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं भारत की शान योगा का प्रदर्शन भी सराहनीय था। सायना किड्स एवं सायना स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत शानदार नृत्य प्रस्तुत किए जिसमें कोरियोग्राफर शुभम चैहान के निर्देशन में तैयार मारुति नंदन नृत्य ने तो समां ही बाँध दिया। छात्रावासी छात्रों द्वारा आपसी सामंजस्य का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पिरामिड निर्माण का प्रदर्शन किया जिसे देखकर दर्शक दीर्घा तालियों से गूँज उठी। ओवर ऑल बेस्ट हाउस की ट्राफी एमरल्ड हाउस के खाते में गई, वहीं अंतरसदनीय खेल प्रतियोगिताओं में अपनी पूरी जोर अजमाइश के बाद रूबी हाउस द्वितीय स्थान पर संतोष करना पड़ा। बेस्ट एथलीट्स अंडर 18 आयु वर्ग बालक में निखिल सिंह, अंडर 1 6 आयु वर्ग बालक में आयुष सिंह, अंडर 14 आयु वर्ग बालक में कैडिट आदर्श राज, प्राथमिक वर्ग बालक में विराज वाजपेयी ने ट्राफी हासिल की। वहीं ऊर्जावान प्रदर्शन द्वारा बेस्ट एथलीट्स अंडर 18 आयु वर्ग बालिका में आराध्या शर्मा, अंडर 16 आयु वर्ग बालिका में दिव्यांशी तिवारी, अंडर 14 आयु वर्ग बालिका में कैडिट कृष्णई भण्डारकर, प्राथमिक वर्ग बालिका में आर्याही जयसवाल ने ट्राफी हासिल की। सायना में पहली बार दिए गए बैंड लीडर का अवार्ड से राघवेंद्र तिवारी नवाजे गए। वहीं बेस्ट मार्च पास्ट की ट्रॉफी में रूबी हाउस ने कब्जा किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज इस मैदान में आपकी ऊर्जा व जोश देखकर मन प्रसन्न हो गया। खेल में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है खेल भावना जो आप सब में पूर्णत: दिखाई दी। आप सभी को हार्दिक बधाई। सायना बैंड के छात्रों द्वारा जन गण मन की सुमधुर धुन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। क्रीड़ा विभाग के विभागाध्यक्ष दीपक बलयानी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम प्रभारी राजीव तिवारी ने खेल महोत्सव के समापन पर प्रशिक्षकों सहित सभी को धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम का ओजपूर्ण संचालन राज शुक्ला, भावना सिंह एवं वैशाली चतुर्वेदी ने किया।



जिलावासियों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की दी हार्दिक शुभकामनाएं- पुलिस अधीक्षक

सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने की अपील

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने समस्त जिलावासियों को धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली प्रकाश, खुशियो, आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सद्भावना का पर्व है। सभी नागरिक इस त्योहार को आपसी सौहार्द, उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ मनाएं। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि दीपावली की खुशियां मनाते समय पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखें तथा अत्यधिक ध्वनि एवं वायु प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों के प्रयोग से बचें। पटाखे जलाते समय बच्चों, बुजुर्गों एवं आसपास के लोगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण के अनुकूल तरीके से त्योहार मनाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

दीपावली पर्व को लेकर कटनी पुलिस ने किए विशेष सुरक्षा प्रबंध

दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए कटनी पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। जिले के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष ड्यूटियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही सादे कपड़ों में महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है, ताकि असामाजिक तत्वोंए जेबकतरों एवं शरारती तत्वों पर सतत निगरानी रखी जा सके। सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों को अपने.अपने क्षेत्रों में निरंतर गश्त करने, बाजारों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस की चीता मोबाइल एवं अन्य गश्ती टीमें भी लगातार सक्रिय रहेंगी। त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए कटनी पुलिस पूरी मुस्तैदी एवं सतर्कता के साथ ड्यूटी करेगी।

मिट्टी के दीये बेचने वाले ग्रामीण कारीगरों से नहीं होगी कर वसूली : कलेक्टर



कटनी (स्वतंत्रमत)। दीपावली पर पारंपरिक मिट्टी के दीये बनाकर बाजारों में बेचने वाले कुम्हारों एवं ग्रामीण कारीगरों को राहत देते हुए कलेक्टर आशीष तिवारी ने स्थानीय निकायों को उनसे किसी भी प्रकार की कर वसूली नहीं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत क्षेत्रों में मिट्टी के दीये बेचने वाले ग्रामीण कारीगरों को कर वसूली से राहत दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि बाजारों में दीये बेचने आने वाले ग्रामीण कारीगरों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे बिना किसी बाधा के अपने उत्पादों का विक्रय कर सकें। साथ ही आमजन को भी पारंपरिक मिट्टी के दीयों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया है, ताकि वोकल फॉर लोकल की भावना को बढ़ावा मिल सके और स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को बाजार में प्रोत्साहन मिले। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि मिट्टी के दीये हमारी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक लोककला के प्रतीक हैं। इनके निर्माण और विक्रय से कुम्हारों एवं ग्रामीण कारीगरों की आजीविका जुड़ी हुई है। स्थानीय उत्पादों को अपनाने और प्रोत्साहित करने से न केवल पारंपरिक कला एवं संस्कृति का संरक्षण होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कलेक्टर श्री तिवारी ने आयुक्त नगर निगमए सभी एसडीएमए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा बरही, विजयराघवगढ़ एवं कैमोर के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

युवा उत्सव 2026-27 के तृतीय दिवस सांस्कृतिक विधा की प्रतियोगिताएँ आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में अंतर कक्षा महाविद्यालयीन युवा उत्सव सत्र 2026-27 के तृतीय दिवस सांस्कृतिक विधा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। युवा उत्सव का उद्देश्य छात्राओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनकी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक अभिरुचियों को प्रोत्साहित करना तथा उनमें आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना है।

सांस्कृतिक विधा के अंतर्गत छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार की नृत्य, गायन एवं अभिनय आधारित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इनमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, एकल गायन, समूह गायन, पाश्चात्य एकल गायन, पाश्चात्य समूह गायन, एकांकी, स्किटए माइम



एवं मिमिक्री प्रतियोगिताएँ प्रमुख रहीं। छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने भारतीय संस्कृति एवं विभिन्न लोक परंपराओं से जुड़े नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। शास्त्रीय नृत्य में प्रतिभागियों ने भावए मुद्रा, ताल एवं लय का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हुए भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को मंच पर जीवंत किया। नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। गायन प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी मधुर आवाज एवं सुर-ताल के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। एकल गायन एवं समूह गायन में प्रतिभागियों ने विभिन्न गीतों की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं।

वहीं पाश्चात्य एकल गायन एवं पाश्चात्य समूह गायन में छात्राओं ने आधुनिक संगीत की शैली, लय एवं प्रस्तुति कौशल का परिचय दिया। अभिनय आधारित प्रतियोगिताओं में भी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एकांकी एवं स्किट के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक विषयों को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। माइम प्रतियोगिता में बिना संवाद के भाव-भंगिमाओं एवं शारीरिक अभिनय के माध्यम से विभिन्न संदेश प्रस्तुत किए गए। वहीं मिमिक्री प्रतियोगिता में छात्राओं ने आवाज, संवाद अदायगी एवं अभिनय क्षमता के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था।



प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन एवं रचनात्मकता के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। युवा उत्सव का तृतीय दिवस छात्राओं की कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य एवं अभिनय प्रतिभा के अद्भुत संगम का साक्षी रहा। इस आयोजन के माध्यम से छात्राओं को अपनी प्रतिभा को पहचानने, निखारने तथा बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम ने महाविद्यालय में सांस्कृतिक चेतना, उत्साह एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

स्वदेशी की सोच को व्यवहार में उतार रहा स्वदेशी परिवार

कुम्हारों को मिल रहा बिक्री का अवसर स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबन के विचार से जुड़ी चार वर्षों से निरंतर चल रही पहल



कटनी (स्वतंत्रमत)। दीपावली के अवसर पर मिट्टी के दीयों से बाजार सजते हैं, लेकिन इन दीयों को बनाने वाले कुम्हार परिवारों के लिए अपने उत्पादों की बिक्री का अवसर मिलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने की इसी भावना के साथ कटनी में पिछले चार वर्षों से एक निरंतर प्रयास किया जा रहा है। स्वदेशी जागरण मंच से जुड़े स्वदेशी परिवार के सहयोग से शहर में आने वाले कुम्हारों को कुछ दिनों के लिए अपने उत्पादों की बिक्री हेतु अस्थायी स्थान उपलब्ध कराया जाता है।

दीपावली से कुछ दिन पहले ये कुम्हार गांव से मिट्टी के दीये, दीपक और अन्य पारंपरिक उत्पाद लेकर आते हैं तथा कुछ दिनों तक बिक्री करने के बाद अपने परिवार के पास वापस लौट जाते हैं। यह सहयोग केवल दीपावली तक सीमित नहीं है। गर्मियों के मौसम में यही कुम्हार मिट्टी के मटके और अन्य बर्तन लेकर फिर आते हैं और उन्हें भी बिक्री का अवसर मिलता है। पिछले चार वर्षों से यह सिलसिला निरंतर बना हुआ है। इस पहल में स्वदेशी जागरण मंच, महाकौशल प्रांत की प्रांत सह महिला कार्य प्रमुख वंदना गेलानी भी पिछले चार वर्षों से निरंतर अपना सक्रिय सहयोग प्रदान कर रही हैं। वंदना गेलानी ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल स्वदेशी वस्तुओं को खरीदना नहीं, बल्कि उन छोटे कारीगरों और पारंपरिक हुनर को भी प्रोत्साहन देना है, जिनकी मेहनत से हमारी संस्कृति और परंपराएं जीवित हैं।

यदि हम उन्हें अपने उत्पाद बेचने का अवसर उपलब्ध करा सकें और उनके बनाए सामान को प्राथमिकता दें, तो यह उनके स्वावलंबन की दिशा में हमारा सार्थक सहयोग होगा। छोटे-छोटे प्रयासों से ही स्वदेशी की भावना समाज में मजबूत होती है। इन कुम्हारों के लिए कुछ दिनों की बिक्री भी काफी मायने रखती है। अपनी मेहनत से तैयार किए गए उत्पादों को बाजार मिलने से उन्हें परिवार की जरूरतें पूरी करने और त्योहार पर बच्चों के लिए खुशियां जुटाने में मदद मिलती है।

स्वदेशी जागरण मंच का प्रयास है कि समाज में स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कारीगरों और छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहन मिले। स्वदेशी परिवार की ऐसी छोटी-छोटी पहलें इसी विचार को जनजीवन से जोड़ने का माध्यम बन रही हैं। इस दीपावली मिट्टी के दीये अपनाएं, स्थानीय कारीगरों के हुनर का सम्मान करें और स्वदेशी को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएं।



दीया मेकिंग गतिविधि का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सनशाइन अकादमी, राहुल बाग, कटनी में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए दीया मेकिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में बच्चों ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। सभी बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन करते हुए आकर्षक और रंग-बिरंगे दीये बनाए।

बच्चों के नन्हे-नन्हे हाथों से बनी सुंदर कलाकृतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, कलात्मक कौशल एवं भारतीय त्योहारों के प्रति उत्साह और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना था। विद्यालय परिवार ने बच्चों के उत्साह एवं उनकी अद्भुत प्रतिभा की सराहना की। दीपों का यह त्योहार बच्चों की रचनात्मकता और खुशियों की रोशनी से और भी खास बन गया।



रंगोली से छात्र-छात्राओं ने बिखेरी अनूठी छटा

कटनी (स्वतंत्रमत)। दीपावली की चहल.पहल और उल्लास घर परिवार तक सीमित नहीं रह गया । विद्यालयों में शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं सभी मिलकर आकर्षित रंगोली बनाकर मां सरस्वती के मंदिर को सजा कर इस पावन पर्व की खुशियों को दूना कर रहे हैं सांदीपनि शा.उ.मा. विद्यालय रीठी में प्राचार्य राम मनोज साहू के निर्देशन में छात्र छात्राओं ने शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के सहयोग से विभिन्न रंगों के मिश्रण से मनमोहक रंगोली तैयार कींए दीपावली अवकाश पर जाने के पूर्व मां सरस्वती के मंदिर में रंगोली बनाकर पावन पर्व के प्रति खुशियां और उल्लास का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जेपीवी डीएणै विद्यालय, कटनी के कक्षा सातवीं एवं आठवीं के 40 विद्यार्थियों का तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पचमढ़ी सतपुड़ा की रानी के लिए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शैक्षणिक भ्रमण मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय के प्राचार्य एस.के सिन्हा जी के कुशल निर्देशन में आयोजित हुआ । 2 नवम्बर से 4 नवम्बर तक आयोजित इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक, भौगोलिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का प्रत्यक्ष अनुभव कराकर उनके व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि करना था। भ्रमण दल 2 नवम्बर को सुबह कटनी-भुसावल एक्सप्रेस द्वारा पिपरिया पहुँचा, जहाँ से बस के माध्यम से सभी पचमढ़ी स्थित विश्राम स्थल पहुँचे। प्रथम दिवस 2 नवम्बर: विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक पांडव गुफा, पचमढ़ी संग्रहालय, मनोरम बी फॉल, इको पॉइंट, रीछगढ़ तथा सतपुड़ा की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ का भ्रमण किया और सूर्यास्त के अद्भुत दृश्य का आनंद लिया। द्वितीय दिवस 3 नवम्बर: दूसरे दिन विद्यार्थियों को हैं डी खोह, प्रियदर्शिनी पॉइंट, महादेव, गुप्त महादेव, जटाशंकर, ग्रीन वैली, राजेंद्र गिरि एवं प्रसिद्ध पचमढ़ी झील का अवलोकन कराया गया। तृतीय दिवस 4 नवम्बर: अंतिम दिन विद्यार्थियों के लिए चौरागढ़ की यात्रा एवं विशेष ट्रैकिंग का आयोजन किया गयाए जहाँ बच्चों ने प्राकृतिक दृश्यों को निहारते हुए साहसिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त किया। इस शैक्षणिक भ्रमण को सुगम, सुरक्षित एवं अनुशासित बनाने में प्रभारी रवीन्द्र त्रिपाठी का मार्गदर्शन एवं पूर्णिमा उसरेटे, मेघा बागची, अजीत मिश्रा एवं आशुतोष मिश्रा के सहयोग की सराहनीय एवं सक्रिय भूमिका रही। अपराह्न में पचमढ़ी से प्रस्थान कर पूरा दल पिपरिया से विंध्याचल एक्सप्रेस द्वारा कटनी मुड़वारा सकुशल वापस लौटा। विद्यालय प्राचार्य एस.के. सिन्हा ने सफल भ्रमण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक एवं व्यावहारिक अनुभव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।





जादू के अद्भुत संसार में खोए नन्हे सितारे

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में बच्चों के मनोरंजन एवं उत्साह को बढ़ाने के उद्देश्य से एक शानदार जादू शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जादूगर ने अपने अद्भुत जादुई करतबों और अनोखे प्रयोगों से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। कभी गायब होती वस्तुएँ तो कभी अचानक प्रकट होते सामान ने बच्चों को रोमांच और खुशी से भर दिया। बच्चों ने जादू के हर करतब का तालियों और उत्साह के साथ आनंद लिया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर जूही जैन, प्राचार्या सीमा दुबे एवं उप-प्राचार्या शबनम अख्तर की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा कार्यक्रम के दौरान आवश्यक सावधानियों एवं सुरक्षा संबंधी निर्देश भी दिए।

पीएम मोदी से परिवार सहित मिले सूर्यकुमार यादव



नयी दिल्ली। भारत के पूर्व टी 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दिवाली से पहले छह नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात को सौभाग्यपूर्ण और दिल को छू लेने वाला पल बताया। इस बातचीत के बाद, जिसमें भारत की संस्कृति, परंपराओं और साझा मूल्यों पर चर्चा हुई, सूर्यकुमार यादव ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं।

जयपाल मालवीय ने शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता सिल्वर

भारत को ओलिंपिक 2028 का पहला शूटिंग कोटा दिलाया, फाइनल में 242.2 पॉइंट हासिल किए

नई दिल्ली



मध्यप्रदेश के जयपाल मालवीय ने शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीत लिया है। उन्होंने गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में चल रही ड्यूस्न वर्ल्ड चैंपियनशिप के पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में यह उपलब्धि हासिल की। जयपाल ने फाइनल में 242.2 पॉइंट हासिल कर दूसरा स्थान पाया। चीन के हू काई ने 243.9 पॉइंट के साथ गोल्ड जीता। दोनों के बीच सिर्फ 1.7 पॉइंट का अंतर रहा। चेक रिपब्लिक के जिंदरिच डुबोवी 220.9 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जयपाल के इस प्रदर्शन के साथ भारत को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 के लिए शूटिंग का पहला कोटा भी मिल गया। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि ओलिंपिक में जयपाल ही भारत को रिप्रेजेंट करेंगे।

कोटा देश के नाम होता है, खिलाड़ी के नाम नहीं। यानी भारत को इस इवेंट में ओलिंपिक के लिए एक जगह मिल गई है। इस जगह पर कौन खिलाड़ी उतरेगा, इसका फैसला भारतीय शूटिंग महासंघ की चयन प्रक्रिया और तय ट्रायल के आधार पर होगा।इस मेडल की अहमियत सिर्फ मेडल टैली तक सीमित नहीं है। जयपाल ने भारत को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल में एक कोटा दिलाया है।

आईएसएसएफ के नियमों के मुताबिक, दोहा वर्ल्ड चैंपियनशिप के 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में टॉप-3 देशों को एक-एक कोटा मिला। हू काई ने चीन, जयपाल ने भारत और डुबोवी ने चेक रिपब्लिक के लिए यह स्थान हासिल किया।

दोहा में इस वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान कुल 12 व्यक्तिगत ओलिंपिक इवेंट में 36 कोटा दिए जाने हैं। हर इवेंट में तीन कोटा उपलब्ध हैं। शूटिंग का पूरा क्वालिफिकेशन सफर अभी बाकी है। दोहा के अलावा 2027 में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप, वर्ल्ड कप और महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में भी देशों को कोटा हासिल करने के मौके मिलेंगे। ओलिंपिक रैंकिंग के जरिए भी कुछ स्थान दिए जाएंगे।

भारत ए के साथ न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए तैयार हुए बुमराह, जड़ेजा

लिंकन



न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारत की तैयारियां और तेज हो जाएंगी क्योंकि शनिवार से लिंकन में भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम चार दिवसीय मैच में जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जड़ेजा शामिल होंगे। वेलिंगटन में 19 नवंबर को होने वाले शुरुआती टेस्ट के साथ, यह प्रतियोगिता दो वरिष्ठ खिलाड़ियों को श्रृंखला से पहले कुछ रेड-बॉल क्रिकेट हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। टीम के कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत, बुमराह को मौजूदा वनडे सीरीज से बाहर रखा गया है, जिसका ध्यान उन्हें लंबे प्रारूप के लिए तैयार करने पर है। भारतीय तेज गेंदबाज ने आखिरी बार 3 अक्टूबर को एशियाई खेलों के फाइनल में खेला था और वह अपनी गेंदबाजी लय और मैच की धार बढ़ाने के लिए उत्सुक होंगे। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां अक्सर तेज गेंदबाजों को सहायता प्रदान करती हैं, उनकी तैयारी दो टेस्ट मैचों की प्रतियोगिता में भारत की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगी। घरेलू क्रिकेट में उपयोगी वापसी के बाद जडेजा भी मौके का फायदा उठाना चाहेंगे। बाएं हाथ के ऑलराउंडर ने सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैचों में सात विकेट लिए और एक शतक बनाया। भारत की एकदिवसीय योजनाओं से बाहर होने के बाद, वह दोनों विभागों में महत्वपूर्ण योगदान के साथ टेस्ट श्रृंखला के लिए अपना दावा मजबूत करने के लिए उत्सुक होंगे। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी भारत ए टीम का हिस्सा होंगे क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद प्रतिस्पर्धी एक्शन में वापसी करना चाहते हैं। उनकी आखिरी उपस्थिति 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में थी। तेज गेंदबाज एक और खिलाड़ी है जिसे भारत टेस्ट असाइनमेंट से पहले लय में वापस देखना चाहेगा। ए सीरीज़ भारत के निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जिससे टेस्ट टीम के कई सदस्यों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों से परिचित होने का मौका मिला है। पहले दो चार दिवसीय मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन उन्होंने भारत के खिलाड़ियों को उपयोगी बल्लेबाजी का समय प्रदान किया, जिसमें देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल प्रमुख रन-स्कोरर थे।

भारत अंडर 19 ने नेपाल को 10 विकेट से हराया



अल अमीरात। तेज गेंदबाज ईशान सूद (18 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत अंडर 19 ने नेपाल अंडर-19 को अंडर 19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में शुक्रवार को एकतरफा अंदाज में 185 गेंद शेष रहते 10 विकेट से पीट दिया। नेपाल अंडर 19 को 42.3 ओवर में 128 रन पर ढेर करने के बाद भारतीय टीम ने 19.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 129 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने नाबाद 53 और आर्यवीर सहवाग ने नाबाद 70 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। रायचंदानी ने 63 गेंदों में सात चौके लगाए जबकि सहवाग ने 52 गेंदों में सात चौके और चार छक्के उड़ाए। ईशान सूद को उनकी घातक गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

वेलिंगटन में दूसरे वनडे पर बारिश का साया



वेलिंग्टन। भारत के खिलाफ शनिवार को वेलिंगटन में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच में भी बारिश की संभावना है। शुक्रवार के पहले हिस्से में शहर में हल्की लेकिन लगातार बारिश होती रही, जिसके कारण दोनों टीमों को अपनी अभ्यास योजना में बदलाव करना पड़ा। टीमों को मैच वाले स्थान हेनरी स्टेडियम के बजाय बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। न्यूजीलैंड ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज की इनडोर सुविधा में शिफ्ट कर लिया, जबकि भारत ने अपना सेशन रद्द कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को और बारिश होने का अनुमान है। दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60 प्रतिशत संभावना है, जबकि दूसरे हिस्से में इसके 55 प्रतिशत आसार हैं। ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच भी खराब मौसम से प्रभावित रहा था। बारिश के कारण मैच की शुरुआत 10 मिनट देरी से हुई। भारत की पारी के दौरान लगभग एक घंटा 40 मिनट तक बारिश हुई, जिसके चलते भारत के सामने रखा गया लक्ष्य 50 ओवर में 186 रन से बदलकर 32 ओवर में 143 रन कर दिया गया।

शेल्टन और पॉल क्वार्टर फाइनल में होंगे आमने-सामने

पेरिस



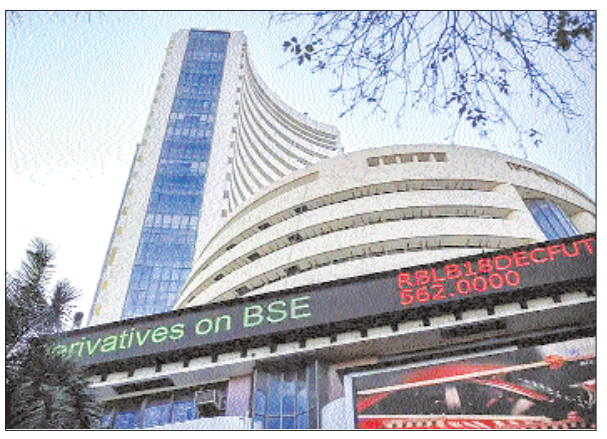
गुरुवार को रोलेक्स पेरिस मास्टर्स में बेन शेल्टन और टॉमी पॉल दोनों ने टाई-ब्रेक के तनाव को पार करते हुए क्वार्टर फाइनल में एक दिलचस्प ऑल-अमेरिकन (दोनों अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच) मुकाबला तय किया।

तीसरी वरीयता प्राप्त शेल्टन ने स्थानीय खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच को 3-6, 6-4, 7-6(5) से हराकर लगातार दूसरे वर्ष इस इनडोर हार्ड-कोर्ट एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं, पॉल ने एक अन्य फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हेलिस का सामना किया। पॉल जानते थे कि हारने पर निट्टो एटीपी फाइनल्स में पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो जाएंगी, लेकिन उन्होंने कड़े संघर्ष के बाद तीसरे दौर में 7-6(3), 6-4 से जीत दर्ज की।

अच्छे दोस्त शेल्टन और पॉल शुक्रवार को प्लेनिट्यूड एरिना में 2024 के बाद अपना पहला लेक्सस एटीपी हेड-टू-हेड मुकाबला खेलेंगे। दोनों खिलाड़ी पहली बार पेरिस में सेमीफाइनल तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। वहीं, पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 13वें स्थान पर मौजूद पॉल, निट्टो एटीपी फाइनल्स में पहली बार जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। पॉल के खिलाफ मुकाबले को लेकर शेल्टन ने कहा, हमें कोर्ट पर एक साथ उतरे काफी समय हो गया है, लेकिन मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वह अभी शानदार फॉर्म में हैं। एक बेहतरीन खिलाड़ी, एक बहुत अच्छा दोस्त। मैं पूरे साल यही चाहता था कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और ट्यूरिन के लिए क्वालीफाई कर लें। कल का मुकाबला बहुत रोमांचक होने वाला है। 24 वर्षीय शेल्टन, जो पहले ही ट्यूरिन में होने वाले निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, ने रिंडरक्नेच के खिलाफ निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक में 2/4 से पिछड़ने के बाद आखिरी 6 में से 5 अंक जीतकर जीत हासिल की। अमेरिकी खिलाड़ी (जो बाएं हाथ से खेलते हैं) की इस सीजन में यह 43वीं टूर-लेवल जीत है। इससे पहले 2024 में उन्होंने 42 जीत दर्ज की थीं, जो उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड था; अब उन्होंने एक ही सीजन में अपनी जीत का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बना लिया है।

बैंकिंग, वित्तीय कंपनियों में लिवाली से प्रमुख सूचकांक पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर पर

मुंबई



बैंकिंग और वित्तीय सेक्टरों में मजबूत लिवाली के दम पर घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को अच्छी तेजी देखी गयी और प्रमुख सूचकांक पश्चिम एशिया संकट के पहले के स्तर के करीब पहुंच गये। बीएसई के 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 1,718.01 अंक (2.17 प्रतिशत) की तेजी देखी गयी और यह 81,028.02 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 493.75 अंक यानी 2.01 प्रतिशत चढ़कर 25,030.35 अंक पर रहा। यह दोनों का इस साल 27 फरवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। सुबह के समय सेंसेक्स 103 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक हरे निशान में लगभग स्थिर खुला लेकिन खुलते ही दोनों लाल निशान में चले गये , हालांकि तुरंत वापसी करते हुए। एक बार फिर बढ़त में आ गये और उसके बाद इनका ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। वृहत बाजार में मिला-जुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.33 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ जबकि स्मॉल कैप-100 सूचकांक 0.82 प्रतिशत लुढ़क गया। वैश्विक स्तर पर कच्चा तेल फिलहाल 98 डॉलर प्रति बैरल के आसपास लगभग स्थिर है। वहीं, एआई कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बाद निवेशक बॉन्ड का रुख कर रहे हैं। इससे दुनिया के लगभग सभी शेयर बाजार गिरावट में हैं। जापान का निक्केई सूचकांक करीब छह प्रतिशत नीचे बंद हुआ। घरेलू बाजार में सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी फाइनेंस 2.57 प्रतिशत और निफ्टी बैंक 2.27 प्रतिशत चढ़ गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक 1.70 प्रतिशत और फार्मा का सूचकांक 1.21 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। ऑटो, एफएमसीजी, आईटी, धातु, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। हालांकि निफ्टी मीडिया में 1.52 फीसदी की गिरावट देखी गयी। एमएसई में जिन 3,706 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,438 के शेयर हरे निशान में और 2,141 के लाल निशान में रहे जबकि 127 कंपनियों के शेयर अंततः परिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 में से 29 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.691 अरब डॉलर घटकर 717.056 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.691 अरब डॉलर घटकर 717.056 अरब डॉलर रह गया, जो आठ सप्ताह का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में लगातार ग्यारहवें सप्ताह गिरावट देखी गई है। इससे पहले 23 अक्टूबर का समाप्त सप्ताह में यह 1.268 अरब डॉलर घटकर 719.748 अरब डॉलर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 2.088 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई और यह 591.118 अरब डॉलर रह गया। इसमें अमेरिका डॉलर के अलावा जापनी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं जिनके मूल्य का आंकलन डॉलर के मुकाबले उनकी संदर्भ दर के आधार पर किया जाता है।

एनबीसीसी का दूसरी तिमाही का मुनाफा 34 फीसदी बढ़कर हुआ 210 करोड़ पर

नयी दिल्ली, (वार्ता)



सार्वजनिक क्षेत्र की निर्माण कंपनी एनबीसीसी को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित आधार पर 210 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। एनबीसीसी के निदेशक मंडल ने 25 पैसे प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। यह चालू वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा दिया जाने वाला दूसरा लाभांश है। इसके लिए 11 नवंबर की शेयरधारिता को आधार बनाया जाएगा। तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय समेकित आधार पर 17 फीसदी बढ़कर 3,396 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए ऑर्डर हासिल किए। उसे भारतीय रिजर्व बैंक से अमरावती स्थित उसके कार्यालय एवं आवासीय परिसरों के लिए करीब 780 करोड़ रुपये का एक परियोजना प्रबंधन परामर्श कार्य तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस से लद्दाख में सीमा पर स्थित 28 चौकियों पर बुनियादी ढांचों के विकास के लिए लगभग 235 करोड़ रुपये का एक कार्यादेश प्राप्त हुआ है। कंपनी ने सेशेल्स सरकार के साथ 1,008 आवासीय इकाइयों वाली इल ऑरोर आवासीय परियोजना के लिए समझौता किया है। उसने ऑस्ट्रेलिया में अपनी शाखा कार्यालय का भी पंजीकरण कराया है।

चीनी, चावल, दालों में तेजी का दौर

गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली,(वार्ता)



घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चीनी के दाम बढ़ गए। चीनी के साथ चावल और दालों में भी तेजी रही। गेहूं में नरमी देखी गई, जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 25 रुपये बढ़कर 5,602 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ 16 रुपये महंगा हुआ और 6,005 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 27 पैसे बढ़कर 60.22 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 23 रुपये बढ़कर 4,393 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं 11 रुपये सस्ता हुआ और 2,927 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे का भाव भी 10 रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में मूंग दाल की औसत कीमत 31 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल 21 रुपये और मसूर दाल 19 रुपये महंगी हुई। चना दाल 14 रुपये और तुअर दाल 11 रुपये ऊपर बोली गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का जनवरी वायदा 119 रिंगिट टूटकर 4,258 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.55 प्रतिशत गिरकर 61.90 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 65 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। सरसों तेल में 41 रुपये की तेजी रही।

उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाताओं को स्पेक्ट्रम आवंटन की रूपरेखा पर ट्राई ने जारी की सिफारिश



नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने गुरुवार को उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाता प्राधिकरण व्यवस्था तथा उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाताओं को स्पेक्ट्रम आवंटित करने की रूपरेखा पर अपनी सिफारिशें जारी कीं। ट्राई ने दूरसंचार अधिनियम, 2023 के अंतर्गत एक नयी ऑथराइजेशन व्यवस्था उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाता ऑथराइजेशन आरंभ करने की सलाह दी है। उसने कहा है कि उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाता के रूप में ऑथराइजेशन प्राप्त संस्थाओं को पात्र सेवा प्रदाताओं को सेवा के रूप में उपग्रह संचार नेटवर्क उपलब्ध कराने की अनुमति दी जा सकती है हालांकि उन्हें सीधे यूजर को दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ट्राइ ने उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाता के रूप में ऑथराइजेशन की अधिकतम अवधि 20 साल रखने तथा इसे अधिकतम 20 साल तक नवीनीकृत करने का के प्रावधान की सिफारिश की है। उपग्रह संचार नेटवर्क प्रदाता प्राधिकृत संस्थाएं पात्र सेवा प्रदाताओं को सेवा के रूप में उपग्रह संचार नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार से उपयुक्त उपग्रह स्पेक्ट्रम (फिक्स्ड सैटेलाइट सेवा और मोबाइल सैटेलाइट सेवा) प्राप्त कर सकती हैं और/अथवा साझेदार सेवा प्रदाताओं को आवंटित स्पेक्ट्रम का उपयोग कर सकती हैं। एक्सेस सेवा, इंटरनेट सेवा और लंबी दूरी की सेवा के लिए ऑथराइजेशन प्राप्त संस्थाओं को भी उपग्रह संचार सेवा प्रदान करने की अनुमति देने की बात कही गई है।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic
RUBY MOVIE MAGIC
NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

RAMAYANA (HINDI)	3D - 7:30 AM, 11:15 AM, 3:00 PM, 6:45 PM & 10:30 PM 2D - 9:45 AM, 10:30 AM, 1:30 PM, 2:15 PM, 5:15 PM, 6:00 PM, 9:00 PM & 9:45 PM RUBY 11:00 AM, 2:05 PM, 2:40 PM, 5:35 PM, RUBY 6:15 PM, 9:15 PM & 9:50 PM
RAJINI: THE JAILER 2 (HINDI)	RUBY 11:00 AM
THE CAT IN THE HAT (ENGLISH)	RUBY 9:00 AM

MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS
@moviemagic_jbp
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

किसानों और ग्रामवासियों को उनकी सम्पत्ति का दिया जा रहा है पूरा अधिकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान में हुए शामिल



भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण था। गांव में अपनी जमीन पर लाखों रुपए खर्च कर पक्का मकान बनाने के बाद भी उस संपत्ति का कोई रजिस्टर्ड दस्तावेज नहीं होता था। बैंक भी उस संपत्ति पर कोई ऋण नहीं देते थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रामीण आबादी को पट्टे दिए। अब राज्य सरकार ने संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री कराने का अभियान शुरू किया है। जिला प्रशासन के सभी अधिकारी, तहसीलदार-पटवारी मिलकर ग्रामवासियों को दीपावली पर नि:शुल्क रजिस्ट्री के जरिए खुशियां बांट रहे हैं। मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत किसानों और ग्रामवासियों को उनकी संपत्ति का पूरा अधिकार दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना में प्रदेशभर में 50 लाख नि: शुल्क रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिले के ग्राम करुआ में प्राथमिक स्कूल का उन्नयन कर इसे माध्यमिक स्कूल करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धनतेरस के शुभ अवसर पर मुरैना जिले के ग्राम करुआ में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना अंतर्गत आयोजित स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया तथा रिमोट का बटन दबाकर मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद योजना के हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया।

बच्चों के भविष्य निर्माण में भी उपयोगी होंगे रजिस्ट्री के दस्तावेज-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे और अपना नर्सिंग होम या अस्पताल खोलना चाहेंगे अथवा कोई अन्य व्यवसाय शुरू करना चाहेंगे, तब बैंक से ऋण लेने के लिए उन्हें रजिस्ट्री के दस्तावेज भी उपलब्ध होने चाहिए। इससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत जिन गांवों में 80 से 100 प्रतिशत तक रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं, ऐसे गांवों में मंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचकर धनतेरस पर हितग्राहियों को दस्तावेज बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ रजिस्ट्री अभियान में जुटे पटवारियों, तहसीलदारों और अन्य अधिकारियों को बधाई दी।

राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के लिए निरंतर कार्यरत है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। पूरे वर्ष किसानों की बेहतरी और आमदनी बढ़ाने के लिए काम करना हमारा उद्देश्य है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अगर कोई किसान 25 गाय या भैंस खरीदने के लिए बैंक से ऋण लेता है और इस पर लगभग 40 लाख रुपए खर्च होते हैं और इस पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार दे रही है। किसान दूध का उत्पादन करें और सहकारी समिति या अन्य माध्यमों से बेचें। हमारा प्रयास है कि खेती के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से भी किसानों की आमदनी बढ़े और वे आर्थिक रूप से समृद्ध बनें।

आजादी के बाद पहली बार संपत्ति का अधिकार मिलने पर भावुक हुए हितग्राही

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व योजना के हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया और उनसे पूछा कि पक्की रजिस्ट्री मिलने के बाद उन्हें किस प्रकार का लाभ मिलेगा तथा उनका अनुभव कैसा रहा। हितग्राही जगदीश यादव ने मुख्यमंत्री को बताया कि अब उनके पक्के मकान की रजिस्ट्री होने से उन्हें वास्तविक मालिकाना हक प्राप्त हो गया है। इससे उनके मकान की कीमत और महत्व भी बढ़ेगा तथा भविष्य में वे इसका उपयोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कर सकेंगे। हितग्राही श्री रामचित कुशवाहा ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। अब उनके मकान का मालिकाना हक भी उन्हें मिल गया है, जिससे भविष्य में अन्य कार्यों के लिए सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी। राकेश बाथम ने कहा कि रजिस्ट्री होने से अब वे अपने मकान के दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इससे उन्हें आर्थिक आवश्यकताओं और अन्य कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिलेगी।



मुख्य सचिव ने किया सीहोर के औद्योगिक क्षेत्रों का निरीक्षण

बडियाखेडी एवं झिलेला औद्योगिक क्षेत्र में विकास, निवेश, रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों की ली जानकारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शुक्रवार को सीहोर जिले के औद्योगिक विकास और औद्योगिक गतिविधियों का जायजा लेने के लिए सीहोर तहसील के औद्योगिक क्षेत्र बड़ियाखेड़ी एवं आस्टा तहसील के औद्योगिक क्षेत्र झिलेला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में विकसित अधोसंरचना, स्थापित एवं संचालित औद्योगिक इकाइयों, निवेश की स्थिति, रोजगार के अवसरों तथा उद्योगों के संचालन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं और उद्योगों के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से जिले में हो रहे औद्योगिक विस्तार, निवेश की संभावनाओं और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की स्थिति को जाना।

उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित इकाइयों की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए उद्योगों के विकास और संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सौजन्य भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने राज्यपाल को दीपावली की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही समसामयिक विषयों पर चर्चा की।





बेटियों की शिक्षा के लिए वरदान साबित होगा मझगुवॉ हंसराज का हाईस्कूल भवन

3 लैब एवं 4 कक्षों का विधायक ने किया लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)। दीपावली के पावन पर्व पर मां सरस्वती का आशीर्वाद है कि सरकार ने छात्र-छात्राओं को नवनिर्मित 3 लैब एवं 4 कक्षो की सौगात दी है। अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस आशय के विचार विधायक उमा देवी खटीक ने पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल मझगुवॉ हंसराज में 134 लाख की लागत से नवनिर्मित 3 लैब एवं 4 कक्षो के लोकार्पण अवसर पर व्यक्त किए। विधायक श्रीमती खटीक ने कहा कि यह लोकार्पण शिक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। नवनिर्मित हाईस्कूल भवन विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा के लिए वरदान साबित होगा। अब छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं मिल सकेंगी।

मिठाई दुकानों एवं मिठाई निर्माण स्थलों का खाद्य विभाग की टीम ने किया निरीक्षण

मिठाइयों एवं नमकीन के लिए गए नमूने

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा दमोह शहर स्थित मिठाई दुकानों एवं मिठाई निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किल्लाई नाका स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार की जांच की गई। जांच के दौरान दूध का पेड़ा एवं मैसूर पाक के नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु लिए गए। मारुताल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित गुजरात स्वीट्स के मिठाई निर्माण स्थल मनसुख फूड प्रोडक्ट्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उक्त परिसर से काजू कतली, चमचम एवं गठिया नमकीन के नमूने गुणवत्ता जांच हेतु लिए गए। इसी तरह जबलपुर नाका स्थित गफ्लू स्वीट्स का निरीक्षण करके मावा पेड़ा एवं नमकीन के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तरह जबलपुर नाका स्थित स्वाद घर मिठाई दुकान से सोनपपड़ी के नमूने जांच हेतु लिए गए।



इन मिठाइयों एवं नमकीन के नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी मिठाई दुकानों में खाद्य सुरक्षा मानकों के परिपालन की स्थिति की जांच की गई।

त्यौहार के आनंद को सुरक्षित बनाए सतर्क रहें, अपनों को भी जागरूक करें

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि दीपावली त्यौहार पर आतिशबाजी, दिये, झालर, पटाखों के इस्तेमाल दौरान किसी भी अप्रिय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पटाखों से धुएं के साथ-साथ बारूद और हानिकारक रसायनों का प्रवाह के साथ ही तीव्र ध्वनि भी उत्पन्न होती है। जो आंख, त्वचा एवं कान की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि पर्याप्त सावधानी के साथ त्यौहार का आनंद लें। डॉ राय ने सुरक्षित त्यौहार हो इसलिए जागरूकता के उद्देश्य से एडवायजरी जारी की है। डॉ. राय ने कहा कि सुरक्षित रूप से त्यौहार का आनंद लें। सर्तक रहें और अपनों को जागरूक करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 108 एंबुलेन्स सेवा की मदद लें। शीघ्र ही नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुचें। डॉ राय ने जिले वासियों से उत्सव मनाते समय बुजुर्गों और बच्चों का खास ख्याल रखने के साथ पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का आग्रह किया है। पटाखे घर एवं भीड़भाड़ वाले इलाके से दूर खुले स्थान पर ही जलाए। पटाखे अधिकृत दुकानदार के पास से ही खरीदें। एक साथ एक से अधिक पटाखें न जलाएं तथा पर्याप्त दूरी बनाएं रखें। पटाखे जलाते समय दो बाल्टी पानी या रेत पास में अवश्य रखें। कपडे न तो बहुत ज्यादा ढीले पहनें और न ही इतने ज्यादा तंग कि आपको भागने या चलने में परेशानी हो तथा सूती वस्त्र पहनने का प्रयास करें। पैर पूरी तरह से ढके हो। हमेशा बंद जूते पहने।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत आलमपुर में निशुल्क रजिस्ट्री विशेष कैंप आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्राम आलमपुर तहसील बटियागढ़ में स्वामित्व अधिकार अभिलेख की निशुल्क रजिस्ट्री के लिए विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप में पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री की कार्रवाई की गई। प्रदेश के आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख मिलने से हितग्राही अपनी संपत्ति का उपयोग व्यक्तिगत



आवश्यकताओं के लिए कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर बैंक से ऋण लेनेए जमानत देने सहित अन्य कार्यों में इन अभिलेखों का उपयोग कर सकेंगे। शासन द्वारा निशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराने से प्रत्येक हितग्राही को औसतन 20 से 25 हजार रुपये की बचत होगी। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा ग्राम आलमपुर में लगभग 386 हितग्राहियों की रजिस्ट्री की जानी हैए जिनमें से अब तक 162 हितग्राहियों की रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। कैंप के दौरान 7 रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया भी प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण की गई। उन्होंने कहा पूरे विकासखंड में अब तक लगभग 5 हजार रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैंए जो कुल प्रस्तावित रजिस्ट्रियों का लगभग 25 प्रतिशत है।

मोहली में वन्यप्राणी रेस्क्यू कार्यशाला संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर के प्रशिक्षण केंद्र मोहली में सामान्य वन मंडल दक्षिण सागर के अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों के लिए वन्यप्राणी रेस्क्यू विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लगभग 50 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान वन्यप्राणी अनुश्रवण, पेट्रोल ऐप, वन्यप्राणी साक्ष्य, वन्यप्राणियों के व्यवहार, रेस्क्यू प्रक्रिया, वेटरनरी केयर, आवश्यक सावधानियों एवं जनसामान्य में जागरूकता संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रेशराइज्ड इरिगेशन सिस्टम एवं सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों के लिए गांवों में लगाएं शिविर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कृषि एवं संबंधित विभागों की संभाग स्तरीय समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री केण्सीण् गुप्ता ने कहा कि बुंदेलखंड में उद्यानिकी फसलों के क्लस्टर विकास और फसल विविधीकरण से कृषकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएं। बुंदेलखंड को समृद्ध बनाना हम सभी का उद्देश्य है। कृषि को फूड प्रोसेसिंग और उद्योगों तथा उद्यानिकी से जोड़कर किसानों की समृद्धि के नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं। मध्यप्रदेश के विकास में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्य प्रदेश शासन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह वर्ष कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मना रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा किसान हितैषी कार्य किए जा रहे हैं। प्रशासन का दायित्व है कि इन योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे। बैठक में कृषि, सहकारिता तथा उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन विभाग एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की समीक्षा की गई।

सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त केसी गुप्ता ने जिला कलेक्टरों को सहकारी बैंकों का एनपीए कम करते हुए समयबद्ध तरीके से शून्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों की अंशपूंजी बढ़ाने डिफाल्टर एवं कालातीत किसानों से ऋण वसूली करने तथा वसूल की गई राशि समितियों में जमा कराने के निर्देश दिए। सहकारिता आयुक्त सह पंजीयक दीपक सिंह ने सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को अधिक से अधिक ऋण वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दियाए ताकि किसानों को मजबूरी में कामर्शियल बैंकों की ओर रुख न करना पड़े।

दमोह नगर पालिका अध्यक्ष मंजू राय को हाईकोर्ट से झटका

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह नगर पालिका में कथित वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक गड़बड़ियों का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू राय को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है।

शासन द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इससे शिकायतों के आधार पर शुरू हुई प्रशासनिक कार्रवाई आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, नगर पालिका में वित्तीय अनियमितताओं, भ्रष्टाचार, नियमों को ताक पर रखकर निर्णय लेने और मनमाने तरीके से परिषद का संचालन करने को लेकर नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष विजय जैन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल तथा लोकायुक्त में विस्तृत शिकायत की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगरीय प्रशासन विभाग ने मामले की जांच कराई। जांच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 22 अक्टूबर 2026 को अध्यक्ष मंजू राय को मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम के तहत कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था।

नोटिस में नगर परिषद की बैठकों के आयोजन, कार्यवाही पुस्तिका के संधारण तथा विभिन्न निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति और भुगतान में कथित अनियमितताओं जैसे गंभीर बिंदुओं को शामिल किया गया था।

नोटिस को चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

शासन की इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए अध्यक्ष मंजू राय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने प्रारंभिक जांच में सुनवाई का अवसर नहीं दिए जाने सहित अन्य आधारों पर कानूनी कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने इस स्तर पर हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए रिट याचिका खारिज कर दी। अदालत का स्पष्ट रुख रहा कि कारण बताओ नोटिस के स्तर पर पहले संबंधित पक्ष को अपना जवाब प्रस्तुत करना चाहिए। केवल नोटिस जारी होने के आधार पर न्यायालय का हस्तक्षेप उचित नहीं है।

सफाई कर्मियों की हड़ताल के बीच युवाओं ने संभाली नगर की कमान

हाथों में झाड़ू थामकर चमकाए मुख्य मार्ग

हटा (स्वतंत्र मत)। प्रदेशव्यापी सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते हटा नगर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगने लगे थे। मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे हालात में नगर के युवाओं ने सकारात्मक पहल करते हुए हाथों में झाड़ू थाम ली और नगर की स्वच्छता की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाते हुए सफाई अभियान शुरू कर दिया। युवाओं ने बस स्टैंड परिसर, थाना मंदिर चौराहा और बड़ा बाजार सहित नगर के प्रमुख स्थानों एवं मुख्य मार्गों की सफाई कर कचरा हटाया। युवाओं की



इस पहल ने न केवल नगरवासियों का ध्यान आकर्षित किया बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया। इस सफाई अभियान में नगर रक्षा समिति की टीम ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं में अंकुश खटीक, आयुष खटीक, इंजीनियर आवेश, प्रिंसदीप खटीक, यशदीप, कार्तिक, हर्ष कुसमरिया, चंदू परोहा, इमरान खान, मौसिम बजाज और शहबाज खान की प्रमुख मौजूदगी रही। वहीं दूसरी टीम में चम्पी चौरसिया, बाबू साहू, विनोद नेमाए कंचन चौरसिया, बंटी शर्मा और आवेश बगदाईया सहित अन्य युवाओं ने सफाई की कमान संभाली। तीसरी टीम में मनीष शर्मा सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक स्वयंसेवकों ने भी हाथों में झाड़ू लेकर नगर की सड़कों को साफ किया। रतन बजरिया में रितेश फौजदार ने सफाई अभियान का श्रीगणेश किया और सब्जी बाजार में झाड़ू लगाई। हटा से शुरू हुई यह सफाई मुहिम अब प्रदेश स्तर पर एक सकारात्मक संदेश देने की उम्मीद जगा रही है। युवाओं की मंशा है कि स्वच्छता का यह अभियान आगे बढ़े और इसकी गूंज प्रदेश की राजधानी भोपाल तक पहुंचे। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच युवाओं की इस पहल ने यह संदेश दिया कि नगर को स्वच्छ रखना केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

आम सूचना

आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री शशांक गुप्ता, पुत्र स्वर्गीय श्री पुष्प कुमार गुप्ता एवं पौत्र स्वर्गीय श्री लाला रामरतन गुप्ता, के पारिवारिक अधिकारों एवं हितों से संबंधित समस्त पैतृक, उत्तराधिकार से प्राप्त तथा स्वर्गीय श्री लाला रामरतन गुप्ता एवं स्वर्गीय श्री पुष्प कुमार गुप्ता की स्व-अर्जित संपत्तियों के संबंध में यह सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की जा रही है। उक्त समस्त संपत्तियां मौजा सौखी, तहसील सोहागपुर, जिला शहडोल, मध्यप्रदेश में स्थित हैं। सर्वसाधारण को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाता है कि उक्त मौजा में स्थित उपरोक्त संपत्तियों अथवा उनमें निहित श्री शशांक गुप्ता के अधिकारों एवं हितों के संबंध में यदि कोई व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य पक्ष किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय, विक्रय अनुबंध, इकरारनामा, बयाना अथवा अन्य कोई लेन-देन या व्यवहार करता है, तो ऐसा व्यवहार श्री शशांक गुप्ता की जानकारी, सहमति अथवा प्राधिकार के बिना किया गया माना जाएगा। ऐसे किसी भी व्यवहार अथवा उससे उत्पन्न दावे या विवाद के लिए श्री शशांक गुप्ता की कोई जिम्मेदारी या जवाबदेही नहीं होगी। अतः आम जनता, संभावित क्रेताओं, विक्रेताओं, कॉलोनाइजरों एवं भू-व्यवसायियों को सूचित किया जाता है कि उक्त मौजा की किसी भी संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई व्यवहार करने से पूर्व स्वामित्व विधिवत जांच कर लें। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त संपत्तियों के संबंध में कोई दावा या आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर अपने दावे एवं आपत्तियों के समर्थन में समस्त संबंधित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करे। यह सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण को किसी भी प्रकार के भ्रामक दावे, अनधिकृत लेन-देन एवं संभावित विवादों से सावधान करने तथा श्री शशांक गुप्ता के अधिकारों एवं हितों के संरक्षण के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

आदित्य शर्मा (अधिवक्ता)
17, आइडियल ग्रैंड नर्मदा रोड, जबलपुर
मो.नं. 9821072162



▸▸ 106 संविदा और 10 नियमित पदों पर होगी भर्ती

मेयर इन काउंसिल की बैठक में प्रस्ताव हुआ पारित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सामाजिक सरोकारों के तहत दिव्यांगजनों के लिए बड़ी सौगात संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस संबंध में महापौर ने बताया कि संवेदनशील प्रशासन की दिशा में कदम उठाते हुए नगर निगम में दिव्यांगजनों के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया गया है। विशेष भर्ती अभियान के तहत कुल 116 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिनमें 10 नियमित और 106 संविदा पद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इससे दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।



▸▸ कलेक्टर ने देखी विकास कार्यों की प्रगति, दिए निर्देश

सिहोरा क्षेत्र में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सिहोरा विकासखंड के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों एवं संस्थानों का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत गोसलपुर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजना की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसलपुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान बच्चों के टीकाकरण की नियमित निगरानी के संबंध में जानकारी लेते हुए पूछा कि एक वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए किस प्रकार ट्रैकिंग की जा रही है।

संभाग स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में जबलपुर बना विजेता

हितकारिणी महिला महाविद्यालय जोंस गंज द्वारा किया आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में हितकारिणी महिला महाविद्यालय जोंस गंज द्वारा संभाग स्तरीय अंतर जिला महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हितकारिणी विद्या परिषद के मंत्री जयेश राठौर रहे। इसी कड़ी में कार्यक्रम के अध्यक्ष आयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ निलेश पांडे, विशिष्ट अतिथि, राज सोनकर, महेश पशीने, अशोक तोमर एवं चिन्हित महाविद्यालय के खेल अधिकारी डॉ रमेश शुक्ला की उपस्थित रहे। आयोजन सचिव दिनेश सिंह ने बताया उक्त प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग के 5 जिले की टीम ने भाग लिया। पहला मैच मंडल विरुद्ध नरसिंहपुर खेला गया जिसमें 1 अंक से नरसिंहपुर विजेता बनी। पहला सेमी फाइनल कटनी और जबलपुर के मध्य खेला गया जिसमें जबलपुर 63 अंकों से विजेता बनी। दूसरा सेमीफाइनल नरसिंहपुर और डिण्डौरी के मध्य खेला गया जिसमें डिंडोरी 19 अंकों से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।



81 अंकों के साथ ट्राफी पर किया कब्जा

फाइनल मैच जबलपुर एवं डिण्डौरी के मध्य खेला गया जिसमे जबलपुर ने 81 अंक अर्जित किये। वहीं डिण्डौरी ने 23 अंक अर्जित कर सकी। इस तरह से जबलपुर 28 अंकों से विजेता होकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। मैच में निर्णायकों की भूमिका मप्र कबड्डी संघ के कनवीनर शानू यादव, जया स्वामी और शिवानी पटेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन हितकारिणी महिला महाविद्यालय के खेल अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर हितकारिणी नरसिंह कॉलेज से डॉ प्रिन्सी जॉर्ज, सुदर्शन ठाकुर, नरसिंहपुर से डॉ पिंटू दास, मंडला से गुलबहार खान, डॉ आशीष पांडे उमरिया, बिछिया से अनूप सिंह, नरसिंहपुर से अर्पित सक्सेना एवं डिंडौरी से आबिद खान उपस्थिति रहे।

जबलपुर से होकर गुजरेगी रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। त्यौहारों को देखते हुए पमरे द्वारा रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन का 1-1 ट्रिप संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14.25 बजे प्रस्थान कर, नर्मदापुरम 15.25 बजे, इटारसी 15.55 बजे, पिपरिया 17.10 बजे, गाडरवारा 17.45 बजे, नरसिंहपुर 18.25 बजे, जबलपुर 19.25 बजे, सिहोरा रोड 20.10 बजे, कटनी 21.20 बजे, मैहर 22.10 बजे, सतना 22.45 बजे, पहुंचकर अगले दिन मानिकपुर मध्यरात्रि 00.18 बजे, प्रयागराज छिवकी 02.10 बजे, मिर्ज़ापुर 03.45 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय 05.10 बजे, बक्सर 06.40 बजे, आरा 08.10 बजे और सुबह 09.15 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01662 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन दानापुर स्टेशन से 11.20 बजे प्रस्थान कर, आरा 11.50 बजे, बक्सर 12.40 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय 15.10 बजे, मिर्ज़ापुर 16.38 बजे, प्रयागराज छिवकी 18.15 बजे, मानिकपुर 22.00 बजे, पहुंचकर अगले दिन मध्यरात्रि में सतना 00.55 बजे, मैहर 01.28 बजे, कटनी 02.30 बजे, सिहोरा रोड 03.13 बजे, जबलपुर 03.50 बजे, नरसिंहपुर 05.00 बजे, गाडरवारा 05.30 बजे, पिपरिया 06.00 बजे, इटारसी 08.10 बजे, नर्मदापुरम 08.45 बजे, पहुंचकर और सुबह 10.50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।







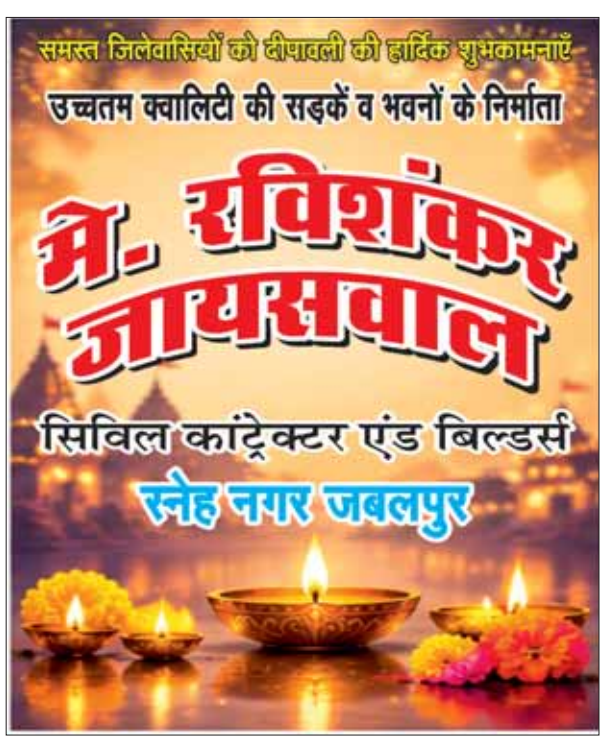


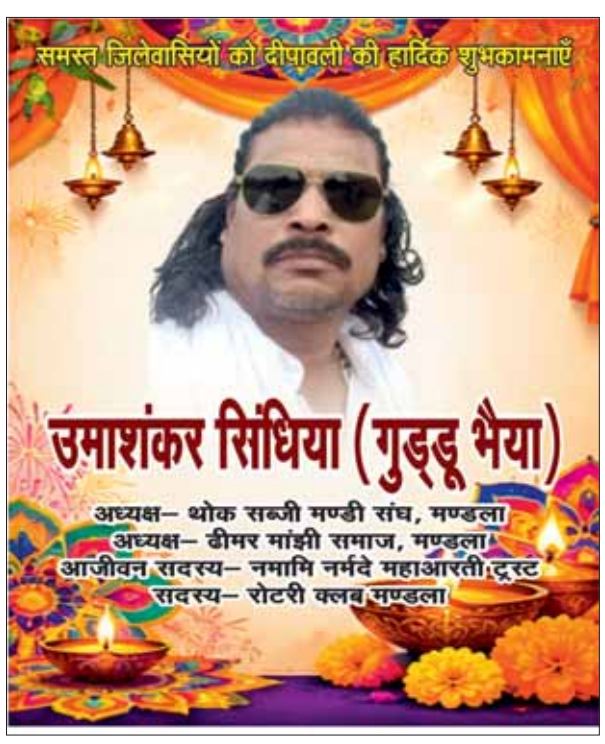












हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**